हिमाचल प्रदेश विधान सभा

विधान सभा की बैठक मंगलवार, दिनांक 03 मार्च, 2020 को माननीय अध्यक्ष, श्री विपिन सिंह परमार की अध्यक्षता में कौंसिल चैम्बर, शिमला-171004 में 11.00 बजे पूर्वाह्न आरम्भ हुई।

प्रश्न काल

तारांकित प्रश्न

03.03.2020/1100/SS-AG/1

प्रश्न संख्या : 1398

श्री विनय कुमार : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले माननीय मुख्य मंत्री महोदय का धन्यवाद करना चाहूंगा कि दो सत्र पहले यह प्रश्न पूछा गया था और आज तीसरे सत्र में इसका जवाब आया है। मेरा एक निवेदन है कि हम जो मूल प्रश्न कर रहे हैं वह दो सालों का कर रहे हैं, आपकी सरकार के समय का कर रहे हैं। इसलिए कृपया इसमें हमारी सरकार का हवाला न दें। पहले ही हमारे प्रदेश में बहुत सारे युवा बेरोज़गार हैं और उसके उपरान्त भी बाहरी राज्यों से बहुत सारे लोगों को यहां पर रोज़गार मिला है। मैं माननीय मुख्य मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या आप भविष्य में इस बाहरी रिक्रूटमैंट को बंद करेंगे या नहीं?...(व्यवधान) जो बाहरी राज्यों से संबंधित लोगों को प्रदेश में नौकरियां दी हैं क्या हमारे बेरोज़गार युवाओं को देखते हुए आप इस प्रथा को बंद करेंगे?

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न बहुत सैंसटिव और गम्भीर भी है। माननीय सदस्य की चिन्ता से हम वाकिफ़ हैं इसमें कोई दो राय नहीं है। पहले तो मैं यह कहना चाहता हूं कि नौकरियां मैरिट के आधार पर होती हैं। अगर हम पब्लिक सर्विस कमिशन की बात कहें या सबोर्डिनेट सिलैक्शन कमिशन की बात कहें तो मैरिट एक पैरामीटर होता है जिसके आधार पर नियुक्तियां होती हैं। स्वाभाविक रूप से यह होना भी चाहिए कि जो मैरिटोरियस बच्चे हैं, जिन्होंने मेहनत की है, उनको नौकरी मिलनी चाहिए। अब उसके बीच में से एक प्रश्न खड़ा होता है कि ऐसे में जो हिमाचल के बेरोज़गार हैं उनको नौकरियां मिलें। लेकिन बीच में ऐसी परिस्थिति भी हो गई कि बाहर से जिन लोगों ने एप्लाई किया था वे मैरिट के आधार पर पास हो गए इसलिए उनको भी नौकरियां मिली हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं स्पष्ट कहना चाहता हूं कि इस विषय को लेकर बाहर बहुत कुछ बोला जाता है। 2017 के बाद जब पर्सनल इंटरव्यू बंद हुए तो उस वक्त आप ही की सरकार थी। जो सच्चाई है वह तो कहनी ही पड़ेगी। 2017 में हम तो सत्ता में नहीं थे, आप ही थे। लेकिन उसमें भी मैं यह नहीं कह रहा हूं कि आपकी मंशा गलत थी। यह उस तरह का विषय नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी कहना चाहता हूं कि हमारे जमाने में बाहर के लोगों को नौकरियां दे दीं और कुछ मित्र तो यह कहते हैं कि नौकरियां बेच दीं लेकिन आपके जमाने में भी बाहर के लोगों को

नौकरियां मिलती रही हैं। बदस्तूर मिलती रही हैं और हम से ज्यादा मिलती रही हैं। जो आज की तारीख है उससे भी ज्यादा मिलती रही हैं।

03.03.2020/1100/SS-AG/2

अध्यक्ष महोदय, जो वास्तविक स्थिति है मैं आपके सामने इस प्रश्न का थोड़ा विस्तार से जवाब देना चाहता हूं। ...(व्यवधान) नहीं, देखो उत्तर तो मुझे देना है, प्रश्न आपने पूछना है।

जारी श्रीमती के0एस

03.03.2020/1105/केएस/एजी/1
प्रश्न संख्याः 1398 जारी..
मुख्य मंत्री जारी---

आप प्रश्न पूछें, मैं प्रश्न का उत्तर देना चाहता हूं। ...(व्यवधान)
अध्यक्षः विनय कुमार जी, मुख्य मंत्री जी उत्तर दे रहे हैं इसलिए आप ध्यान से सुनें।
मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, 1 जनवरी 2018 से 31 जुलाई, 2019 तक, यह प्रश्न आपका है क्योंकि आपको हमारा ही जमाना बहुत प्रिय हो गया है, आपकी उस पर ही नज़र है ...(व्यवधान) 1 जनवरी,2018 से 31 जुलाई, 2019 तक सरकार के विभिन्न विभागों में विभिन्न पदों पर 136 नियुक्तियां पाने वाले प्रदेश से बाहर के हैं, अन्य प्रदेशों से सम्बन्ध रखते हैं। इनमें 12 व्यक्तियों को आउटसोर्स के आधार पर नियुक्तियां दी गई हैं जबकि इस अवधि में सार्वजनिक उपक्रमों व स्वायत्त संगठनों में प्रदेश से बाहर के राज्यों से सम्बन्धित किसी व्यक्ति को नियुक्ति नहीं दी गई है। दूसरे, हमारे ज़माने में 136 लोगों को ये नौकरियां दी गई परन्तु यदि थोड़ा नज़र पीछे की ओर डाले तो कांग्रेस सरकार के ज़माने में 197 लोगों को दी गई। उसमें क्लास-I की 147, क्लास-II की 14, क्लास-III की 16 और क्लास-

IV 20 नौकरियां दी गई। आउटसोर्स से 31 नौकरियां दी गई। मुझे समझ नहीं आ रहा है, आप आंकड़ों का ज़िक्र करते हैं। हज़ारों नौकरियों बेच दी गई, हज़ारों नौकरियां प्रदेश से बाहर के लोगों को दे दी गई, यह उचित नहीं है। ...(व्यवधान)

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः जो पुलिस में बाहर के लोग पकड़े गए हैं, उन्होंने बेची, आपको कोई नहीं कह रहा है।

मुख्य मंत्रीः उन्होंने कहा है कि आपके ज़माने में तो वे लोग नौकरी में लगे हुए हैं। हमने तो रात के 10 बजे इंटरव्यू कैंसल किया और 15 दिनों के अंदर नए सिरे से इंटरव्यू करवाए और वे आज जेल की सलाखों के पीछे हैं। जो मेन सरगना पकड़ा गया है, उसने यह कहा है कि कांग्रेस सरकार के समय तो हमें पकड़ते ही नहीं थे, हमने एक नहीं अनेक इंटरव्यूज़ में इस प्रकार किया है। ...(व्यवधान) उन्होंने कहा कि आप लोगों ने हमें पकड़ लिया। ...(व्यवधान)

03.03.2020/1105/केएस/एजी/2

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः मुख्य मंत्री जी, अगर आप प्रश्नकाल को इस तरह से चलाना चाहते हैं तो ऐसे ही चलने देते हैं।

मुख्य मंत्रीः आप जो प्रश्न पूछेंगें तो उसका जो जवाब है वही तो होगा ।...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, जो इन्होंने प्रश्न पूछा मैं थोड़ी सी यह भी जानकारी देना चाहता हूं कि प्रदेश में सभी पदों पर नियुक्तियां सम्बन्धित पदों की भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में प्रावधित वांछित शैक्षणिक योग्यता के अनुसार की जाती है। जिसके लिए उम्मीदवार का भारत का नागरिक होना आवश्यक होता है। हिमाचली उम्मीदवारों का राज्य सरकार की सेवाओं में चयन सुनिश्चित करने के लिए भारतीय संविधान के प्रावधानों के मध्यनज़र व राज्यों में किए गए ऐसे प्रावधानों और माननीय न्यायालयों के फैसलों का अध्ययन किया गया। तदनुसार प्रदेश सरकार द्वारा संविधान के अनुच्छेद 309 के अधीन हिमाचल प्रदेश वर्ग-III और वर्ग-IV के पदों पर भर्ती हेतु पात्रता नियम 2019 दिनांक 19.11.2019 को अधिसूचित

किए गए हैं जिसमें प्रावधान किया गया है कि वर्ग-3 के पदों की पात्रता के लिए उम्मीदवार की दसवीं और +2 स्तर की परीक्षा तथा वर्ग-IV के पदों के लिए 8वीं या 10वीं स्तर की परीक्षा हिमाचल प्रदेश में स्थित विद्यालयों/संस्थानों से उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।

श्रीमती अ0व0द्वारा जारी---
03.03.2020/1110/av-as/1

प्रश्न संख्या : 1398------- क्रमागत

मुख्य मंत्री--- जारी

हम अपने अधिकार क्षेत्र में जो थोड़ा-बहुत कर सकते थे वह हमने किया है क्योंकि यह हिमाचल केवल आपका नहीं है बल्कि सबका है। प्रदेश के बेरोज़गार युवाओं को रोज़गार मिले यह हमारी भी चिंता है, यह केवल आपकी ही चिंता नहीं है। यह आप नहीं कर पाए जो हमने किया है। आपको इस बात को भी समझना चाहिए कि इसको इसलिए किया गया है क्योंकि हिमाचल का गरीब आदमी जिसको अच्छी सुविधा न मिलने के बावजूद भी वह आगे प्रतियोगिता में पहुंचता है; उसमें उसकी मदद हो सके हम इस बात को सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं। यद्यपि उपरोक्त शर्तें हिमाचल के स्थाई निवासियों पर लागू नहीं होगी तदनुसार क्लास-iii और क्लास-iv के पदों पर नियुक्तियां भर्ती एवं पदोन्नति नियमों व उपरोक्त अधिसूचित नियमों के संयुक्त प्रावधानों के अनुसार की जा रही है। इसके अतिरिक्त मैं यह कहना चाहता हूं कि हम क्लास-i और क्लास-ii के पदों के लिए ऐसा नहीं कर सकते और यह देश के किसी राज्य में सम्भव नहीं है। इसलिए ऐसी परिस्थिति में क्लास-iii और क्लास-iv के लिए हमारी सरकार ने जो तय किया है इससे भी हमारे प्रदेश के बेरोज़गार युवाओं को बड़ी राहत मिलेगी।

श्री राकेश सिंघा : अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश विकास की दृष्टि से पूरे देश के अंदर पिछड़ा है जबकि हमारा संविधान इस मामले को लेकर बिल्कुल स्पष्ट है कि हमारा यह देश कई राज्यों का युनियन है। मगर यह देश एक समान आगे नहीं बढ़ा, देश के कई हिस्से

आगे चले गये और बहुत सारे हिस्से पीछे रह गये। इसीलिए मैं यह पूछना चाहता हूं कि हम धारा 371 का इस्तेमाल करेंगे या नहीं; वरना इसके अलावा और कोई तौर-तरीका नहीं है? हिमाचल प्रदेश के अंदर खासतौर पर क्लास-iii और क्लास-iv के जो पद हैं उसको सुनिश्चित करने के लिए आप जो मर्ज़ी तरीका अपना लें वह बात इसलिए नहीं जमने

03.03.2020/1110/av-as/2

वाली क्योंकि आज के हालात ऐसे हैं कि हिमाचल प्रदेश में रोज़गार नहीं मिलता। उसके कारण पूरा परिवार यहां से पलायन कर जाता है और उस परिवार का बच्चा हिमाचल प्रदेश से अपनी आठवीं और दसवीं नहीं कर पाता इसलिए वह तो वंचित हो जायेगा। जब कोई पूरा परिवार पंजाब, दिल्ली, कर्नाटक या देश के किसी दूसरे राज्य में चला गया तो उस परिवार का बच्चा तो वहीं पर पढ़ेगा। उसके प्रमाणपत्र तो हमारे हिमाचल प्रदेश शिक्षा बोर्ड के नहीं होंगे। इसलिए इसका समाधान एक ही है और वह है by using Article-371 हम क्लास-iii और क्लास-iv के पदों को हिमाचलियों के लिए आरक्षित करेंगे तथा ये होने चाहिए। यह इसलिए होने चाहिए क्योंकि जब आन्ध्रप्रदेश कर सकता है तो हम भी करें। दूसरी बात आप कह रहे हैं कि नौकरियां नहीं बेची जा रही है; हमारा यह कहना है कि आउटसोर्स के 12 पद बाहर से भरने की क्या ज़रूरत थी? आउटसोर्स पर तो कम्पनियों द्वारा लगाये जाते हैं और बाहर से जो 12 लोग आए हैं ये अपने-आप में सबूत है कि ये नौकरियां बेची गई हैं। ये जो 12 लोग आउटसोर्स पर रखे गये हैं ये किस कम्पनी ने किस-किस विभाग में रखे हैं; आप यहां पर इस बारे में पूरा ब्यौरा दें। धन्यवाद।

समाप्त

मुख्य मंत्री टी सी द्वारा जारी

03.03.2020/1115/TCV/AS-1

प्रश्न संख्याः 1398.. क्रमागत

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य, श्री राकेश सिंघा जी ने बड़े जोर-शोर से अपनी बात रखी। मैं पहले भी इस प्रश्न का उत्तर दे चुका हूं। आपने इसमें आर्टिकल-371 की बात कही है। इसको एग्जामिन कर लेंगे और देखेंगे कि इसमें क्या प्रोविज़न है? इस समय इसकी पूर्ण जानकारी मेरे पास उपलब्ध नहीं हैं और यह संभव भी नहीं है। मैंने इस बारे में पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि हिमाचल प्रदेश में क्लास-III और क्लास-IV श्रेणी के पदों के लिए हिमाचल प्रदेश शिक्षा बोर्ड से 10वीं और 12वीं की शिक्षा पास की होनी चाहिए।

दूसरा, मैंने यह भी बड़ा स्पष्ट किया है कि ऐसे बहुत-सारे लोग हैं जो किसी वज़ह से हिमाचल प्रदेश से बाहर रहते हैं। वे वहां पर नौकरी या अपना व्यवसाय करते हैं लेकिन वे हिमाचल प्रदेश के मूल निवासी हैं। उन पर ये शर्तें लागू नहीं होगीं। यह बिल्कुल क्लीयर है, इसमें कोई कंफ्यूज़न नहीं है। इस बारे में विचार-विर्मश करने के पश्चात जो रास्ता निकल सकता था, वह हमने निकाला है। इसके अलावा इसका और क्या रास्ता निकल सकता है, आप सुझाव दीजिए, हम उनका एग्जामिन करेंगे। यदि कोई बेहतर रास्ता निकलता है तो हम उस पर विचार करेंगे। हिमाचल प्रदेश का हित हम सब के लिए सर्वोपरि हैं। हिमाचल प्रदेश के बेरोज़गारों को रोज़गार देना यह हमारी शीर्ष प्राथमिकता है और इसमें हमने मैरिट का ध्यान रखना भी सुनिश्चित किया है।

श्री मुकेश अग्निहोत्री (हरोली) : अध्यक्ष महोदय, जो बात माननीय मुख्य मंत्री जी ने रखी, हमारी प्रश्न को लेकर जो मंशा है, उसमें राजनीति नहीं है लेकिन मुख्य मंत्री जी कोशिश कर रहे हैं कि वे इसको राजनीति में लपेट कर जवाब दें।

मुख्य मंत्री: आप हर इंटरव्यू में बाहर यही बात बोलते हैं। आप हर भाषण में यही बात बोलते हैं।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : आप हमारी बात सुन लीजिए। हमने आपकी बात सुनी, थोड़ा संयम रखकर हमारी बात भी सुन लीजिए कि हम क्या कहना चाहते हैं। आप सदन के नेता है, जवाब आपको ही देना है। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने कहा कि आपने अपने समय में

इंटरव्यू हटा दिए। इस बारे में आपकी मोदी सरकार की तरफ से आदेश आया था कि पूरे देश में इंटरव्यू हटा दिया जाये। यह हम नहीं हटा रहे थे, यह आपकी दिल्ली की सरकार ने आदेश दिया कि नौकरियों में इंटरव्यू हटाया जाये। यदि आप अपने प्रधान मंत्री की बात नहीं मानते तो अगल बात है।

दूसरा, इन्होंने राजपत्रित पदों की बात की हैं, क्लास।,॥ की बात नहीं हो रही है। प्रश्न यह है कि क्लास-॥। और क्लास-।V श्रेणी के पदों पर हिमाचली कैसे लगाने हैं। यदि हम पंजाब में चले जायें तो वह कहते हैं कि पंजाबी हैं तो भर्ती कर लेंगे, उसमें हिमाचली बाहर हो जाते हैं। अगर महाराष्ट्र में चले जाएं तो वे कहते हैं कि जिसको मराठी आती है, वे भर्ती होंगे, इसलिए वहां भी हिमाचली बाहर हो जाते हैं। हिमाचल प्रदेश में यह बात बार-बार उठ रही है क्योंकि नौकरियां कम हो रही हैं और बेरोज़गारी बढ़ रही है। हिमाचल प्रदेश में भी 10-12 लाख लोग बेराज़गार हैं। पुलिस भर्ती में जो किगंपिन पकड़ा गया, उससे यह बात साफ हो गई है, उसके पास पैसा भी पकड़ा गया और उसने माना भी है कि वह पैसा लेकर भर्तियां करवाता था। उस पुलिस भर्ती में 35 लोग गिरफ़्तार हुए हैं इसलिए हम उस पुलिस भर्ती की बात कर रहे हैं जो एक रैक्ट यहां पर चल रहा था। उसको पकड़ा गया और एक हकीक़त सामने आई कि हिमाचल प्रदेश, देवभूमि में भी ऐसे लोग सक्रिय रहे हैं।

एन0एस0 द्वारा .... जारी

प्रश्न संख्या : 1398 .....क्रमागत

श्री मुकेश अग्निहोत्री .....जारी

वे आपके समय में भी रहे और हमारे समय में भी रहे, यह अलग बात है। यहां पर नौकरियां बेचने की बात बड़ी स्पष्ट आ गई है। इसलिए 35 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। दूसरा, पटवारी भर्ती भी अब सी0बी0आई0 को चली गई है। आपने क्लास-3 और क्लास-4 में तो साफ कर दिया है कि मूलतः जो हिमाचली हैं उनको दो बोर्ड हिमाचल से करने की छूट

रखेंगे। जैसा माननीय सदस्य श्री राकेश सिंघा जी ने कहा और यह बहुत महत्वपूर्ण है कि आउटसोर्स की भर्ती में 12 लोग लग गए तो ये 12 लोग कहां से आ करके लग गए? बाहर के लोग आउटसोर्स में कहां से लग गए? अध्यक्ष महोदय, हमारी ब्यूरोक्रेसी बहुत हैविली गैर-हिमाचलियों से भरी हुई है। यह अपने साथ बाहर से लोग ले आते हैं और एक-दो करके भर्ती हो जाते हैं। मैं मानता हूं कि आउटसोर्स में भर्तियां इसी आधार पर हुई होंगी। मैं नहीं मानता कि हिमाचल के किसी व्यक्ति ने किसी बाहरी आदमी को लगाया होगा। मेरा माननीय मुख्य मंत्री जी से यही आग्रह है और जैसा आपने कहा कि आपके समय में भी ऐसा हुआ है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय मुकेश जी, आप अपना प्रश्न पूछें। आपकी बात आ गई है। ...(व्यवधान) माननीय पठानिया जी, आप बैठे। माननीय सदस्य प्रश्न पूछें क्योंकि एक ही प्रश्न में 20 मिनट का समय हो गया है।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : माननीय मुख्य मंत्री जी ने भी विस्तार से उत्तर दिया। ...(व्यवधान) माननीय राकेश पठानिया जी, आप ऐसा मत करो कि आपकी पूरी बात आए और हमारी बात पूरी न आए। ...(व्यवधान) माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा कि 197 लोग आपके समय में भर्ती हुए तो दो साल में 136 लोग आपके समय में भर्ती हो गए हैं। ...(व्यवधान) राकेश जी ऐसा नहीं है। यह नया हाउस नहीं है। 197 लोगों के बारे में इन्होंने कहा कि क्लास-1 में 41 लोग भर्ती हुए और क्लास-2 में 14 लोग भर्ती हुए हैं अगर इनको निकाल दिया जाए तो आंकड़ा फिर वहीं पर आता है। आपके दो साल में इतने लोग भर्ती हुए और हमारे पांच साल में भर्ती हुए। हमारी मंशा यही है कि क्या सरकार इस सदन को आश्वासन देती है कि भविष्य में क्लास-3, क्लास-4 पदों पर गैर-हिमाचली भर्ती नहीं होंगे। हम आपसे यही आश्वासन चाहते हैं।

03-03-2020/1120/NS/DC/2

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, जो बैस्ट पोसिबल किया जा सकता था वह करने की कोशिश हुई है। यह बात ठीक है कि कुछेक प्रदेशों ने अपने प्रदेश के लोगों को रोज़गार देने के लिए मैकेनिज्म निकाला है। उन प्रदेशों की अपनी एक भाषा है जैसे पंजाब में पंजाबी, कर्नाटक की कन्नड़, आंध्र प्रदेश की तेलुगू और ये प्रदेश इस मापदंड को डाल देते हैं कि जिसको

पंजाबी, कन्नड़, तेलूगु या मराठी आती है तो बाहर का आदमी ऑटोमेटिकली बाहर हो जाता है। इस एस्पैक्ट को हमने हिमाचल प्रदेश में बहुत बारीकी से एग्ज़ामिन किया है। हमारी मुश्किल यह है कि हिमाचल प्रदेश की अपनी कोई भाषा नहीं है बल्कि डायलैक्ट्स हैं और हिंदी डायलैक्ट्स हैं जो हर जिले में हर रीज़न में चेंज होती है। अगर हम ऐसा बोलें कि जिसको मण्डयाली, चम्बयाली, कांगड़ी, सिरमौरी या बिलासपुरी बोलने आती है वे ही वहां अप्लाई करेंगे तो अलग-अलग रीज़न या जिले की अपनी-अपनी भाषा है। हमारी तो यह स्थिति है कि 25-30 किलोमीटर के बाद डायलैक्ट्स में परिवर्तन आता है। यह बहुत सरल मापदंड हो सकता था जिसका आपने यहां पर ज़िक्र किया। अगर हिमाचल की भाषा एक होती तो बात बन जाती। जम्मू-कश्मीर में कश्मीर रीज़न में कश्मीरी बोली जाती है, जम्मू में डोगरी बोली जाती है। लद्दाख तो अब अलग ही गया है। हमारी कठिनाई यह है कि हम इस प्रावधान को भाषा के आधार पर नहीं कर सकते हैं जोकि सरल हो सकता था। विचार करने के बाद जो एक तरीका निकल सकता था और इसका प्रावधान हमने दिनांक 19-11-2019 को नोटिफिकेशन में जोड़ा है कि बाहर के राज्य से कोई भी एलिज़िबल नहीं होगा।

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

03.03.2020/1125/RKS/DC-1

प्रश्न संख्याः 1398...जारी

मुख्य मंत्री... जारी

और इससे अपने आप एक रास्ता निकल आया है। जैसा माननीय राकेश सिंघा जी ने कहा और मैं इस बात से सहमत हूं कि हिमाचल प्रदेश का कोई भी आदमी किसी परिस्थिति के कारण काम करने के लिए प्रदेश से बाहर जा सकता है। लेकिन हमने उसकी पात्रता कायम रखी है। वह व्यक्ति कहीं भी होगा, प्रावधान के मुताबिक वह नौकरी के लिए आवेदन कर सकता है। उसकी लिजिबिलिटी नौकरी के लिए कायम रहेगी। जहां तक आउटसोर्स की बात है, मैं इन सारी चीजों को एग्जामिन कर लूंगा। इनकी संख्या बहुत बड़ी नहीं है। आने वाले समय में हम कैसे काम कर सकते हैं, इस पर विचार करने की

आवश्यकता है। मेरी जानकारी के मुताबिक जो प्रोफैशनल, टैक्निकल लोग हैं, उन्हें इस तरह की परिस्थिति हुई है। नेता प्रतिपक्ष ने टिप्पणी की कि अधिकांश अधिकारी बाहर के हैं। मुझे लगता है कि हमें इस तरह की बात नहीं करनी चाहिए। यह बात उचित नहीं है। जिस तरह हम एक चुने हुए प्रतिनिधि के नाते, एक व्यवस्था के अनुरूप यहां पर हैं उसी तरह वे भी एक व्यवस्था के मुताबिक वहां पर हैं। **क्योंकि उन लोगों ने भी इग्जाम क्वालिफाई किया है। जो लोग टैक्निकल आधार पर लिजिबल हैं, उनके लिए आने वाले समय में क्या किया जा सकता है, उस पर हम खुले मन से विचार करेंगे।**

03.03.2020/1125/RKS/DC-2

<u>प्रश्न संख्याः 1407</u>

कर्नल इन्द्र सिंहः माननीय अध्यक्ष जी, माननीय मुख्य मंत्री जी ने पिछले सत्र में इस प्रश्न का विस्तारपूर्वक उत्तर दिया था। अब यह प्रश्न दूसरी बार लगा हुआ है और मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जिन भवनों की स्थिति ठीक है, क्या उन भवनों को एक विभाग से दूसरे विभाग में हस्तांतरित किया जा सकता है? ऐसे बहुत सारे आंगनबाड़ी भवन व पशु औषधालय हैं जो किराये के भवनों में चल रहे हैं। यदि इन भवनों का उपयोग दूसरे विभागों में किया जाए तो क्या सरकार इसके लिए संबंधित उपायुक्तों को आदेश देगी कि उन भवनों का हस्तांतरण भूमि सहित किया जाए?

मुख्य मंत्रीः माननीय अध्यक्ष जी, यह सचमुच चिंता का विषय है। बहुत सारे ऐसे भवन हैं जो तैयार तो हो गए हैं लेकिन उनका उपयोग नहीं किया जा रहा है। कुछ जगह भवन जर्जर स्थिति में हैं और वे उपयोग करने के लायक नहीं हैं। मैं देख रहा था कि 394 भवन ऐसे हैं जो कि अप्रयुक्त हैं। अप्रयुक्त भवनों का सबसे ज्यादा आंकड़ा शिक्षा विभाग में हैं। प्राइमरी शिक्षा में 107 भवन अप्रयुक्त पड़े हुए हैं। **माननीय सदस्य ने जो अप्रयुक्त भवनों को दूसरे विभागों में हस्तांतरण करने का सुझाव दिया है, वह बिल्कुल सही है। जो भवन उपयोग के लायक हैं उन भवनों को आंगनबाड़ी केन्द्रों व पंचायत के उपयोग के लिए हस्तांतरित**

करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है ताकि उन भवनों का उपयोग हो सके और उनकी मरम्मत का काम पूरा किया जा सके।

श्री बी.एस.द्वारा... जारी

03.03.2020/1130/बी.एस./एच.के./-1

प्रश्न संख्याः 1407 क्रमांगत

मुख्य मंत्री जारी...

जो मरम्मत के योग्य नहीं हैं और बिल्कुल जर्जर हालत में भवन हैं वहां पर पैसा लगाना बेकार है। ऐसी दशा में उन भवनों को गिरा देना ही उचित रहेगा। इस दिशा में हमने जिलाधीश महोदय को आदेश दिए हैं कि ऐसे भवनों के स्थान पर वहां नया भवन बने। हमने यह भी आदेश दिए हैं कि ऐसे जर्जर भवनों के कारण किसी प्रकार भी दुर्घटना भी नहीं होनी चाहिए। जो पूर्ण जानकारी है मैंने माननीय सदस्य को दे दी है। ऐसे भवन बहुत सारे विभागों में हैं जो इस परिस्थिति में हैं। **हम भविष्य में सुनिश्चित करेंगे कि जो भवन मरम्मत के लायक हैं उनकी मरम्मत करेंगे और जो इस हालत में नहीं है उन भवनों को गिराकर उनका पुनः निर्माण करने का विचार करेंगे।**

03.03.2020/1130/बी.एस./एच.के./-2

प्रश्न संख्याः 2443

सूचना एकत्रित की जा रही है।

03.03.2020/1130/बी.एस./एच.के./-3

प्रश्न संख्याः 2444

श्री अरूण कुमार (नगरोटा) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि राजकीय महाविद्यालय, बड़ोह, जिसकी सम्बद्धता

के लिए वहां से निर्धारित मापदण्डों द्वारा डिप्टी रजिस्ट्रार, एकैडमिक को 08 जुलाई, 2019 को पत्र लिखा गया था परंतु आज तक इस कॉलेज को सम्बद्धता नहीं मिली। बड़ोह कॉलेज में चंगर क्षेत्र की लगभग 26 पंचायतों के बच्चे पढ़ते हैं। हमारा नगरोटा और कांगड़ा डिग्री कॉलेज हैं वे वहां से 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं। यहां पर 300 के करीब छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। डिप्टी रजिस्ट्रार एकैडमिक ने उसकी सम्बद्धता के लिए 13.75 लाख रुपए की राशि जमा करवाने के लिए पत्र लिखा था परंतु इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। पहले यह कॉलेज पंडित अनंत राम प्राइवेट कॉलेज के नाम से था और वर्ष 2014 में इसे सरकार ने टेकओवर किया है। मेरा मंत्री महोदय से निवेदन है कि जो फीस इसकी सम्बद्धता के लिए दी जानी है उसे सरकार जल्द प्रदान करे और दूसरा यहां पर हमारे छात्र है उनको रिक्त पदों के कारण पढ़ने में दिक्कत आ रही है वहां पर लगभग 11 पद खाली पड़े हैं। तीसरा मैंने प्रश्न में लिखा था परंतु वह विषय प्रश्न में नहीं आया है। वहां की बिल्डिंग जर्जर हालत में है उस भवन को कब तक बना दिया जाएगा? ताकि बच्चों को ठीक से बैठने की व्यवस्था हो सके।

शिक्षा मंत्री : माननी अध्यक्ष महोदय, कॉलेज की स्थाई सम्बद्धता होनी चाहिए, यह कॉलेज अभी तीन वर्ष पूर्व ही सरकार के अधीन आया है और स्थाई सम्बद्धता के लिए पैसा जमा करवाना होता है।

श्री डी.टी. द्वारा जारी...

03.03.2020/1135/DT/HK-1

प्रश्न संख्या 2444... क्रमागत

शिक्षा मन्त्रीः ---क्रमागत

जिसके लिए हिमाचल प्रदेश सरकार ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय को पत्र लिखा हुआ है की जो भी सरकारी महाविद्यालय हैं उनकी सम्बद्धता एवं निरीक्षण फीस, जो ग्रान्ट-इन-एड उन्हें दी जाती है, वह उसके अगेंस्ट उनको बुक करें। वह इस फीस को उससे काटें इसलिए सरकारी महाविद्यालय की सम्बद्धता के लिए फीस न ली जाए और यही बात पुनः

20 फरवरी 2020 को सरकार द्वारा विश्वविद्यालय को लिखा गया है और इसमें अगर विश्वविद्यालय की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं होती है तो सरकार विश्वविद्यालय से बात करके इस करवा देगी। जहां तक फैक्लटी की बात है, माननीय अध्यक्ष महोदय इस कॉलेज में 13 स्वीकृत पद हैं और 13 में से 12 भरे हुए हैं। सिर्फ एक पद जो संगीत प्राध्यापक का है वह खाली है। लेकिन हां नॉन-टीचिंग में कुछ पद खाली हैं उनको भी भर दिया जायेगा। जैसे हमारे वरिष्ठ सहायक का पद खाली है उसमें कोई अभ्यर्थी अभी पदोन्नति के लिए पात्र नहीं है। कुछ लिपिक के पद रिक्त हैं उसकी जगह जे0ए0ओ0 भरे जा रहें हैं। उसकी प्रक्रिया जारी है वह भर दी जायेंगे।

03.03.2020/1135/DT/HK-2

<u>प्रश्न संख्याः 2445</u>

श्री हर्षवर्धन चौहान (शिलाई)ः माननीय अध्यक्ष महोदय, जो सूचना सभा पटल पर रखी गई है उसमें कहा गया है कि पंचायतों में अनियमतताओं के बारे में जो 15 शिकायतें प्राप्त हुई है , जिसमें से 8 में वांछित कार्रवाई अमल में लाई गई है।, 1 में नियमित जांच और 6 में प्राारम्भिक जांच चल रही है।। मैं मन्त्री महोदय जी कहना चाहूंगा कि शिलाई ब्लॉक में भ्रष्टाचार का जो स्तर है बहुत हाई है। मैं अभी से यानी जब से आपकी सरकार आई तब से नही कह रहा हूं, यह पहले से है। मैं कह रहा हूं कि पिछले 10 सालों से इस क्षेत्र में भ्रष्टाचार का स्तर बढ़ता चला जा रहा है। क्या आप इसको रोकने के लिए कदम उठायेंगे? कुछ शिकायतें मैंने खुद लिख कर दी है कि बी0डी0ओ0 द्वारा ब्लॉक कुछे स्कीमें खुद ही सैंक्शन की जाती है। जैसे मेरे चुनाव क्षेत्र में लोजामांजल पंचायत में ही 14 स्कीमें सैंक्शन की गई है। स्कीमें सैंक्शन करने से पहले वह पंचायत को नहीं पूछता है। इसके अतिरिक्त 10 स्कीमें एक ही वार्ड के लिए सैक्शन की जाती है, इसमें खण्ड विकास अधिकारी की क्या मन्शा हो सकती है? एक कोटिद्रो पंचायत है उसमें पंचायत खण्ड विकास अधिकारी को 14-15 कामों की डिमाण्ड देती है और बी0डी0ओ0 केवल चार ही

वर्क्स को उठाता है। उसकी क्या इन्टेशन है? यह मेरी कम्पलेन्ट है, no action has been taken. यह कब तक चलता रहेगा? मैं यह नहीं कह रहा हूं कि यह आपके समय में हुआ है, यह भ्रष्टाचार कांग्रेस की समय में भी था। अगर सबसे ज्यादा भ्रष्ट ब्लॉक है तो वह शिलाई ब्लॉक है। जिसे रोकने में मैं भी विफल हूं। आज मैं बड़े भारी मन से इस सदन में कह रहा हूं कि हम लोग, जो चुने हुए प्रतिनिधि हैं, अगर हम भ्रष्टाचार को नहीं रोक सकते तो हमें इस पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं है। आज मैं इस सदन के माध्यम से माननीय मुख्य मन्त्री से पूछना चाहूंगा कि वह इस पर क्या कार्रवाई करेंगे? अगर इसमें कोई कार्रवाई भी होती है तो उसमें पंचायतों के प्रधानों को सस्पेंड कर देते हैं। पंचायत के प्रधान, जे0ई0 , सैक्रेटरी, टेक्निीकल सहायक हैं यह तो उनकी कठपुतली हैं। आप उन्हें संस्पेंड करोगे वह छः महीने में फिर बहाल हो जायेंगे। मैं, अध्यक्ष माहोदय, आपके माध्यम से जानना चाहूंगा कि जो सरकारी कर्मचारी है जिम्मवारी तो उनकी है अगर काम मौके पर

03.03.2020/1135/DT/HK-3

नहीं हुआ तो तो टेक्निीकल ऐसिसटेन्ट या जे0ई0 ने वहां पर क्या एससमेन्ट की है। आप उनके खिलाफ़ कोई कार्रवाई नहीं करते। मेरे चुनाव क्षेत्र में बालीकोटी पंचायत हैं उस पंचायत के कई लोगों ने कहा कि उन्हें नरेगा का पैसा ही नही मिला है। एकाउण्ट में उनके पैसा चला गया और ए0टी0एम0 से प्रधान ने सचिव ने या अन्य कर्मचारियों ने उस पैसे को निकाल दिया। तो अगर इस तरह का भ्रष्टाचार शिलाई ब्लॉक में है तो इसे रोकने के लिए

श्री एन.जी. द्वारा... जारी

03-03-2020/1140/वाई.के.-एन.जी./1

प्रश्न संख्या 2445 जारी....

श्री हर्षवर्धन चौहान जारी.....

व्यापक कदम उठाने के लिए आप क्या करोगे? मेरे विधान सभा क्षेत्र की बांदली पंचायत में जांच होती है और जांच करने वाले ब्लाक के छोटे कर्मचारी हैं। 5 लाख रुपये मनरेगा के माध्यम से बांदली-ढ़ाढस स्कूल में खर्च हुआ, ऐसा दिखाया गया है और प्रिंसिपल कहते हैं कि स्कूल ग्राउंड में एक नया पैसा नहीं लगा है। इसी प्रकार बहुत सारी स्कीमों में पैसा लगा, ऐसा दिखाया गया और वे स्कीमें बारिश या बाढ़ में बह गई ऐसा कह दिया गया। मैं इस माननीय सदन में कह सकता हूं कि पिछले 12-15 सालों में हिमाचल प्रदेश में सबसे अधिक पैसा शिलाई ब्लॉक में खर्च हुआ होगा और यह राशि कम-से-कम 500 करोड़ रुपये होगी। इस 500 करोड़ रुपये में से कम-से-कम 250 से 300 करोड़ रुपये का घोटाला शिलाई ब्लॉक में हुआ होगा और ऐसे कार्य उसमें शामिल हैं जो मौके पर हुए ही नहीं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या शिलाई ब्लॉक के भ्रष्टाचार के लेवल को रोकने के लिए बड़े स्तर पर कदम उठाऐंगे? मैं कहना चाहता हूं कि ब्लॉक के सभी लोग बिके हुए हैं, जिले के लोग बिके हुए हैं, सचिवालय के कर्मचारी भी बिके हुए हैं इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि माननीय मंत्री जी इसके लिए क्या व्यापक कदम उठाऐंगे?

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री हर्षवर्धन जी ने बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न किया है। इस प्रकार की कुल 15 शिकायतें आई हैं और इनमें से 8 मामलों पर कार्रवाई भी हुई है। **इसके अलावा शेष शिकायतों पर हम 1 माह के भीतर कार्रवाई करेंगे।** हिमाचल प्रदेश में यह पहला ब्लॉक है जिसमें इतनी अधिक शिकायतें हुई हैं। मैं माननीय सदस्य जी को यह आश्वासन देना चाहता हूं कि जबसे हमारी सरकार बनी है और माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी के आदेशानुसार हमने भ्रष्टाचार पर ज़ीरो टोलरेंस रखा है। जहां-जहां से भी भ्रष्टाचार की शिकायतें आई हैं वहां पर हमने तुरन्त उन पर कार्रवाई की है।

03-03-2020/1140/वाई.के.-एन.जी./2

हिमाचल प्रदेश में ग्रामीण विकास विभाग के अन्दर सिस्टम ऐसा है कि हम पंचायतों के माध्यम से, 14वें वित्तायोग के माध्यम से अनेक काम करते हैं लेकिन कार्य पूर्ण हो जाने के बाद उसकी कोई भी जांच नहीं होती है। हमने विभाग में टैक्निकल विंग बनाया है और

उसके माध्यम से हम गुणवत्ता का भी ध्यान रख रहे हैं। माननीय सदस्य जी ने कहा कि शिलाई विधान सभा क्षेत्र में 48 ग्राम पंचायतें हैं और **मैं कहना चाहता हूं कि चुनाव से पहले 6 माह के भीतर सभी पंचायतों की जांच करवाऐंगे और जो गलत पाया जाएगा उस पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही मैं यह भी कहना चाहता हूं कि पूरे हिमाचल प्रदेश के अन्दर जहां से भी शिकायतें आई हैं उन पर भी हम 6 माह के भीतर कार्रवाई करेंगे।**

अध्यक्षः वैसे तो यह प्रश्न स्पैसिफिक शिलाई के बारे में है फिर भी माननीय सदस्य श्री राकेश पठानिया जी संक्षेप में अपनी बात को रखेंगे।

श्री राकेश पठानिया (नूरपुर)ः अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं और माननीय सदस्य श्री हर्षवर्धन जी को बधाई देना चाहता हूं कि इन्होंने बहुत अच्छी बात इस माननीय सदन में रखी। माननीय श्री हर्षवर्धन जी ने जो कुछ कहा यह सच्चाई है और इससे हम सब बहुत दुःखी है। अध्यक्ष महोदय, हमने भी पंचायतों के कार्यों को चैक करने की बहुत कोशिश की परन्तु हमसे चैक नहीं हो पाया। माननीय मंत्री जी क्या इस बात का आश्वासन देंगे कि विज़िलैंस विभाग को कुछ प्रोप्स दिए जाऐंगे और उनके द्वारा 5-10 लोगों को टांगा जाए,

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

03/03/2020/1145/MS/yk/1

प्रश्न संख्याः 2445 क्रमागत----श्री राकेश पठानिया जारी-----

तुरन्त ऐक्शन लिया जाए क्योंकि फण्ड्ज का बहुत दुरूपयोग हो रहा है। जिस तरीके से वे दुरूपयोग कर रहे हैं, मैं कहना चाहता हूं कि वे हर आदमी का नाम लेकर ऐसा कर रहे हैं। हालत यहां तक है, मैं बोलना नहीं चाहूंगा परन्तु ऐसा है कि चैक करने के बावजूद भी एक-एक काम को अलॉट करने के लिए जे0ई0, तकनीकी सहायक और नीचे सचिव का पूरा सिस्टम सैट है। उसके बिना वे काम अवार्ड ही नहीं करते, कोई काम चालू ही नहीं करते। जब तकनीकी सहायक मनरेगा की दिहाड़ी देने से पहले उसका असैस्मैंट करता है तो उनसे भी कमीशन ली जाती है। इस लैवल तक काम चलता जा रहा है। अगर इसे तुरन्त

चैक नहीं किया गया तो हमारा जितना भी 15वें वित्तायोग का पैसा है और जितनी भी यह डायरैक्ट धनराशि पंचायतों में आ रही है, इससे उतना ही भ्रष्टाचार फैलता जाएगा। क्या मंत्री जी आश्वासन देंगे कि इस पर विजिलैंस या पुलिस के माध्यम से सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि the culprit should be booked and put to record.

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले ही कह दिया है कि जहां से शिकायतें आएंगी, हम उनके ऊपर सख्त कार्रवाई करेंगे।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु(नदौन)ः अध्यक्ष जी, वैसे तो यह मूल सवाल शिलाई का था परन्तु मंत्री जी के उत्तर से एक सवाल पैदा होता है। मेरी एक पंचायत ग्लोड़ है जिसके लिए मंत्री जी पिछले दो सालों से आश्वासन दे रहे हैं। मैं जानना चाहता हूं कि कितने प्रधानों के ख़िलाफ आरोप तय हो चुके हैं? ग्लोड़ पंचायत में एक प्रधान ने मनरेगा के तहत काम नहीं करवाया, पैसे भी निकाल दिए, इन्क्वायरी भी हो गई और इन्क्वायरी के बाद दूसरी बार भी इन्क्वायरी हो गई और आप यहां आश्वासन दे रहे हैं कि हमने ऐक्शन लिया है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जो प्रधानों के ख़िलाफ शिकायतें आती हैं और आरोप सिद्ध हो जाते हैं, उसमें आप टाइम बाउंड यानी एक महीने के अन्दर ऐक्शन लेंगे? इस प्रकार के नियमों का प्रावधान करेंगे? तभी यह भ्रष्टाचार दूर हो सकता है वरना इस भ्रष्टाचार को मैं और आप दूर नहीं कर सकते हैं। आप टाइम बाउंड कीजिए कि अगर कहीं से शिकायत आती है और यदि वह शिकायत सही पाई जाती है तो संबंधित व्यक्ति के ख़िलाफ ऐक्शन लेंगे, नहीं तो नहीं लेंगे। इस समय-सीमा के बारे में माननीय मंत्री जी आश्वासन देंगे?

03/03/2020/1145/MS/yk/2

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, जैसे मैंने पहले ही कहा कि अगर कोई दोषी पाया जाएगा तो उसके ऊपर एक महीने के अन्दर-अन्दर कार्रवाई करेंगे। ...(व्यवधान)यह सबके लिए है।

श्री हर्षवर्धन चौहान(शिलाई)ः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने जवाब दिया है लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि ग्रामीण विकास विभाग में भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी मज़बूत हैं कि आपका विभाग कुछ नहीं कर सकता है। मैं राकेश पठानिया जी की बात से सहमत हूं और मैं मुख्य मंत्री जी से भी निवेदन करूंगा कि मैं आपको शिलाई ब्लॉक की चार-पांच पंचायतों के बारे में लिखित रूप में शिकायत करूंगा परन्तु क्या आप उसके ऊपर विजिलैंस की जांच करवाएंगे? वास्तव में प्रधान तो एक रबड़ स्टैम्प है। जो कर्मचारी, तकनीकी सहायक, रोज़गार सेवक, जे0ई0 और बी0डी0ओ0 है आप क्या उनके ख़िलाफ पुलिस या विजिलैंस इन्क्वायरी करवाएंगे? क्योंकि आपका विभाग उसमें जांच नहीं कर सकता है।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय रखा है, मैंने पहले ही कह दिया है कि हम छः महीने के अन्दर-अन्दर उसकी उच्च स्तरीय जांच करवाएंगे। ...(व्यवधान) मैंने आपके लिए नहीं कहा है बल्कि पूरे शिलाई विधान सभा क्षेत्र की हम पूरी इन्क्वायरी करवाएंगे और जब छः महीने के बाद अगला सत्र आएगा तो इस बारे में हम अवगत भी करवाएंगे।

अध्यक्षः अब माननीय मुख्य मंत्री जी इस पर अपना वक्तव्य देंगे।

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने बहुत विस्तार से उत्तर दिया है। मुझे लगता है कि यह विषय सब जगह दिख रहा है और सबका कन्सर्न भी इसमें ज़ाहिर हो रहा है। अध्यक्ष जी, एक वक्त था जब पंचायत के प्रधान के पास विकास के लिए धन नहीं होता था। वह विधायक के पास 25000/-रुपये के लिए आता था कि इतना पैसा यहां के विकास के लिए दे दो। इसके अलावा सांसद निधि के लिए भी आता था। लेकिन जब से फाइनैंस कमीशन की ग्रांट सीधी पंचायत में चली गई है यानी पंचायत में एक बहुत बड़ा अमाउंट चला गया है, उसके बाद हमारे पास अगर कोई प्रधान विधायक निधि लेने के लिए आता भी है तो वह अब बहुत कम है। वे अब ज्यादा पैसा भी नहीं मांगते हैं और वे परवाह भी नहीं करते हैं क्योंकि हमसे ज्यादा पैसा उनके पास है। **जारी जे0के0 द्वारा**------

03.03.2020/1150/जेके/AG /1

प्रश्न संख्याः 2445ः------**जारी**-----

मुख्य मंत्रीः----जारी------

यह सचमुच में ठीक है कि आदरणीय प्रधान मंत्री जी की मंशा रही है कि पंचायत के चुने हुए प्रतिनिधि भी हमारी तरह ही चुने हुए प्रतिनिधि हैं इसलिए जैसे हम सांसद को सांसद निधि देते हैं, विधायक विकास निधि देते हैं, ऐसे ही चुने हुए प्रतिनिधियों को, पंचायती स्तर पर पंचायत का प्रधान है, बी.डी.सी. मैम्बर है, जिला परिषद के मैम्बर्ज़ हैं, उनको भी यह निधि इस तरह से जानी चाहिए ताकि वह अपने हिसाब से क्षेत्र का विकास करें। इसकी मंशा बहुत अच्छी थी लेकिन हमारे यहां उस मंशा का उपयोग उस तरह से नहीं हो रहा है, यह बात बिल्कुल सच है। इस बात को हमें स्वीकार करना पड़ेगा। मैं यह भी मानता हूं कि सभी प्रधान एक जैसे हैं, हमें ऐसा भी नहीं कहना चाहिए, जैसे कि हमारे माननीय सदस्य, श्री हर्षवर्धन चौहान जी कह रहे थे कि वे कठपुतली हैं, ऐसा नहीं है लेकिन बहुत सी जगहों से हमें ऐसी बहुत गम्भीर स्तर की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, उसमें दो राय नहीं है । इसमें चाहे तकनीकी सहायक है, पंचायत सहायक है, पंचायत सेक्रेटरी है, पंचायत का प्रधान है, जहां इस प्रकार का नेक्सस डवैल्प होता है, हमने कुछ जगह देखा तो हमने पंचायत के सेक्रेटरी बदल दिए लेकिन वे वहां से सारी पंचायत को उठा करके ले आए। तकनीकी सहायक बदला तो सारी पंचायत उठ कर आ गई। हमने उनसे कहा कि आखिरकार यह परिस्थिति क्या है? इससे सीधा-सीधा दिखता है कि एक अंडरस्टैंडिंग के साथ काम करने का तरीका उन्होंने अपना लिया है कि इस तरह से ही काम करना है।

अध्यक्ष महोदय, मुझे लगता है कि प्रदेश के विकास में पंचायती राज संस्थाओं का, पंचायत के चुने हुए प्रतिनिधियों का बहुत महत्वपूर्ण योगदान हैं। बहुत सारी पंचायतें बहुत अच्छा काम कर रही हैं। लेकिन इस प्रकार की शिकायतें जिन पंचायतों से बार-बार आ रही हैं, मुझे लगता है कि उनको विभाग को केटैगराइज़ करना चाहिए कि यहां इन पंचायतों की शिकायतें बड़े स्तर पर आ रही हैं और यहां पर जांच करने की जो बात आती है, वह जांच करें। मैं यहां पर यही कहना चाहता हूं कि जहां पर माननीय सदस्य ने कहा

कि अगर ऐसी पंचायतों की शिकायतें आती हैं तो विजिलैंस से जांच हो, एक नहीं अनेक पंचायतों पर हमने कार्रवाई कर दी है। यदि कोई प्रधान सस्पैंड हो जाता है तो हमारे ही बीच में से आदमी आते हैं और कहते है कि आपने राजनीतिक आधार पर कर दिया है। कई जगह यह बात आती है कि इस प्रधान को आपने सस्पैंड कर दिया, इसको बचाओ। ऐसी बातें आती हैं लेकिन फिर बाद में बचाने की बात इस पक्ष से भी और विपक्ष से भी नहीं आनी चाहिए। हम इस बात को कह रहे हैं कि पंचायत में जितना पैसा आ रहा है वह ठीक प्रकार से अगर लग जाए तो हम पंचायत की सूरत बदल सकते हैं, हालात बदल सकते हैं क्योंकि इतना ज्यादा पैसा वहां पर विकास के लिए आ रहा है। **ऐसे हालात में हम सुनिश्चित करेंगे कि जहां पर भी इस प्रकार की गम्भीर स्तर की शिकायतें आएंगी, उनको विजिलैंस को देंगे और तीन महीने के अन्दर-अन्दर हम उसमें कार्रवाई करेंगे। अन्तिम कार्रवाई करेंगे और जब कार्रवाई होगी तो मेरा सबसे निवेदन है कि फिर उस मामले को ले करके बार-बार आग्रह न किया जाए कि यह आदमी इसका है और यह आदमी उसका है।** वह आदमी किसी का नहीं है, जिसने पैसे का दुरूपयोग किया है, क्रप्शन की है, वह किसी का नहीं है, हमें इस बात को मान कर चलना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मैं इसमें केवल इतना ही कहना चाहता हूं कि यह कन्सर्न सारे हाउस का है, सारे प्रदेश का है और सभी क्षेत्रों में इस प्रकार की परिस्थितियां हो रही हैं। पंचायती राज संस्थान के चुने हुए प्रतिनिधियों के प्रति हमारा सम्मान है लेकिन कुछ लोग इस प्रकार की परिस्थितियां पैदा कर रहे हैं जो सारे इन्स्टि्च्युशन को, सारी संस्था को, सारी व्यवस्था को बदनाम कर रहे हैं। आज हमें विवश हो करके उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए आगे बढ़ना पड़ेगा।

03.03.2020/1150/जेके/AG /3

प्रश्न संख्याः 2446

श्री परमजीत सिंहः माननीय अध्यक्ष जी, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा कि इन्होंने विस्तृत उत्तर दिया लेकिन एक मेरा निवेदन आपके माध्यम से है और मैंने इसमें पूछा भी था कि जो नाबार्ड की डी.पी.आर. है उसमें समय बहुत लगता है। उसमें कोई-न-कोई समय सीमा तय की जाए क्योंकि लोग हमसे पूछते हैं कि जो आपने हमारी सड़क नाबार्ड में डाली थी, उसका क्या हुआ? उसका हमारे पास कोई ज़वाब नहीं होता है। इसमें समय सीमा जरूर तय की जाए जिससे हम लोगों को संतुष्ट कर सकें कि इतने समय में इसकी डी.पी.आर. बन जाएगी और इतनी देर में इसका काम हो जाएगा, ऐसा माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन है।

मुख्य मंत्री श्री एस.एस. द्वारा जारी-----

03.03.2020/1155/SS-AG/1

प्रश्न संख्या : 2446 क्रमागत

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, हमने बहुत विस्तृत उत्तर माननीय सदस्य को उपलब्ध करवाया है। इनका विधान सभा क्षेत्र दो डिवीजन कसौली और नालागढ़ में पड़ता है और दोनों डिवीजन में जो काम चल रहा है उसका ज़िक्र मैंने उत्तर में किया है। गत दो वर्षों में हि0प्र0 लोक निर्माण विभाग मंडल नालागढ़ व कसौली में दून विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत पी0एम0जी0एस0वाई0, नाबार्ड, स्टेट हैड व अनुसूचित जाति उप योजना के अन्तर्गत कुल 21.685 किलोमीटर सड़कें पक्की की गईं तथा 42.835 किलोमीटर सड़कें शेष हैं जिनका विस्तृत ब्यौरा हमने इनको बताया है। जहां तक इन्होंने नाबार्ड के संदर्भ में बात कही है, नाबार्ड में नालागढ़ मंडल के अंतर्गत बद्दी साई मार्ग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। यह सड़क 2.100 किलोमीटर थी। दूसरी सड़क - बद्दी लक्कड़पुल झाड़माजरी हरिपुर वाया कोटला वाया कोटला कलां मार्ग थी। इस सड़क का भी कार्य पूर्ण कर दिया है। इसी मंडल के अंतर्गत आपकी तीसरी सड़क - साई घरेड मार्ग है। **अभी इसमें डी0पी0आर0 बनने में विलम्ब होने के कारण काम शुरू नहीं हो पाया है। बहुत जल्दी हम इस सड़क का काम शुरू करेंगे। डी0पी0आर0 बनाकर इसके टेंडर की जल्दी प्रक्रिया पूरी करेंगे और मैं आपको आश्वासन देता हूं कि 2021 में हम इस सड़क को पूरा कर देंगे।**

इसके अलावा जो सड़कें आपकी कसौली मंडल के अंतर्गत पड़ती हैं उसमें मैटलिंग व टारिंग और सी0डी0 गम्बरपुल मरेटा वाया मलेरा आंजी सड़क का काम लगभग साढ़े चार किलोमीटर था, जिसका कार्य पूर्ण कर लिया गया है। दूसरी सड़क जो आपने नाबार्ड के अंतर्गत बताई, वह मैटलिंग व टारिंग और सी0डी0 भाट की हट्टी बुधार बनिया देवी मार्ग है। इसका काम अभी शुरू होना है और 31.03.2020 तक उसका काम पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसको भी हम जल्दी पूरा करने की कोशिश करेंगे। यह मैं कहना चाहता हूं।

जहां तक आपने बात कही कि नाबार्ड के अंतर्गत सड़कों की डी0पी0आर0 बनाने में विलम्ब हो रहा है, यह सचमुच में सभी माननीय सदस्यों की चिन्ता व पीड़ा का विषय है। जो भी हमारी डी0पी0आरज0 डिले हो रही हैं उसके पीछे सबसे बड़ा कारण फॉरैस्ट की क्लीयरैंस है। उसके बाद वहां पर ज़मीन की उपलब्धता है यानी कि जो ज़मीन हमने लोगों से लेनी होती है उसके लिए जो

03.03.2020/1155/SS-AG/2

औपचारिकताएं हैं, एक्विजिशन का पोरशन है या गिफ्ट डीड का पार्ट है, उसमें विलम्ब होने के कारण सारी डी0पी0आरज0 डिले हो रही हैं। जिसके कारण सभी माननीय सदस्यों में कई बार नाराज़गी का माहौल रहता है क्योंकि वे चाहते हैं कि सड़क जल्दी बननी चाहिए जो विधायक प्राथमिकता में डाली गई है। हम कोशिश कर रहे हैं कि जल्दी-से-जल्दी आने वाले समय में यह डी0पी0आर0 का प्रोसैस पूरे स्टेट में गिअर अप हो, तेज़ गति से हो। इसमें विलम्ब की सिर्फ दो ही वजह हैं, एक तो गिफ्ट डीड का देरी से होना और उसके बाद फॉरैस्ट की क्लीयरैंस में देरी होना। इन्हीं की वजह से डी0पी0आर0 में देरी हो रही है। लेकिन जितनी जल्दी इसको एक्सपीडाइट किया जा सके हम उतनी कोशिश कर रहे हैं।

03.03.2020/1155/SS-AG/3

प्रश्न संख्या : 2447

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, इसमें सूचना एकत्रित की जा रही है, इसलिए आपका प्रश्न हो गया।

03.03.2020/1155/SS-AG/4

प्रश्न संख्या : 2448

श्री सुरेन्द्र शौरी : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्य मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि सैंज घाटी के बहुत सारे परिवारों ने राष्ट्र हित के लिए अपनी ज़मीनें दी हैं और 10-15 वर्षों के अंदर भी उन परिवारों को, जिनकी भूमि गई थी, रोज़गार नहीं मिला है।

जारी श्रीमती के0एस0

03.03.2020/1200/केएस/एएस/1

प्रश्न संख्याः 2448 जारी..

श्री सुरेन्द्र शौरी जारी--

क्या मुख्य मंत्री जी आश्वस्त करेंगे कि जो प्रभावित परिवार हैं, जिनकी भूमि गई है, उनको रोज़गार दिया जाएगा?

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य के मूल प्रश्न का जवाब बहुत ही विस्तार से दिया गया है। मूल प्रश्न के "क" भाग में जो एन.एच.पी.सी. की पार्वती जल विद्युत परियोजना चरण-II और चरण-III से सैंज घाटी व जिला कुल्लू में कोई भी परिवार विस्थापित नहीं हुआ है। विस्थापित का मतलब वह होता है, जो परिवार उजड़ जाता है। लेकिन इनकी थोड़ी ज़मीन गई है, ये प्रभावित परिवारों में से हैं।

मूल प्रश्न के "ग" भाग में हमने डिटेल्ड इन्फोर्मेशन दी है। अध्यक्ष महोदय, इस परियोजना के बारे में मैं थोड़ी सी जानकारी देना चाह रहा हूं कि इस परियोजना के लिए पुनर्वास/पुनर्स्थापन प्लान के प्रावधानों के अनुसार हिमाचल प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कई दौर की बैठकों के बाद दिए गए निर्णय एवं एन.एच.पी.सी.

अधिकारियों के साथ जिला प्रशासन द्वारा की गई बैठकों के एक लम्बे अभ्यास के बाद आपत्तियों और दावों के पुनःसत्यापन और प्रमाणीकरण प्रक्रिया के बाद भूमिहीन परियोजना प्रभावित परिवारों की सूची तैयार की गई है। कुल 603 भूमिहीन परिवारों में से 446 बंजार उप मण्डल में हैं और 157 कुल्लू उप-मण्डल में हैं। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि एन.एच.पी.सी. की पार्वती जल विद्युत परियोजना चरण-॥ और चरण- ॥ से सैंज घाटी, जिला कुल्लू में कोई परिवार विस्थापित नहीं है। इन परिवारों के पुनर्वास व पुनर्स्थापन योजना अनुसार 98 परिवारों की भूमि अधिग्रहण होने के कारण उन्हें रोज़गार प्रदान करने हेतु पात्र पाया गया जिनमें से 33 परिवारों को स्थायी रोज़गार प्रदान कर दिया गया जिसका ब्यौरा **अनुलग्नक-क** पर दर्शाया गया है और 65 परिवार शेष बचे हैं। मैं यही कहना चाहता हूं कि आज की तारीख़ में अगर हम कहें कि जो एग्रीमेंट हुआ है, उसमें हम यह प्रयास जारी रखे हुए

03.03.2020/1200/केएस/एएस/2

हैं कि उसको हम ठीक प्रकार से लागू करें लेकिन वहां पर जो नौकरियों की मांग आ रही है, जो एग्रीमेंट हुआ है, उसके अनुसार उनको कम्पनसेंशन देने की उसमें बात कही गई है। जब कम्पनसेशन देने की बात हुई है तो ऐसे में नौकरी देने का काम कठिन है क्योंकि जो एग्रीमेंट हुआ है, वह अभी तक वहां पर स्टैंड करता है। मैं आज की तारीख़ में अगर यह कहूं, जो एग्रीमेंट हुआ है, एन.एच.पी.सी. द्वारा जो हमें सूचना आज की तारीख़ में उपलब्ध करवाई गई है, 2000 दिन वाला जो पैकेज था, एग्रीमेंट में उसमें से 6 परिवारों में से 1 परिवार ने उसको स्वीकार कर लिया कि हम उस पैसे को लेने के लिए तैयार हैं। उसी तरह से जो पैकेज का दूसरा हिस्सा था, 1000 दिन के पैकेज वाला, 505 में से 41 लोगों ने उसको भी स्वीकार कर लिया कि हमको यह कम्पनसेशन स्वीकार्य है। मैं तो यही कहूंगा कि जो प्रभावित परिवार है, जितनी सम्भव है उनकी मदद की जा सकती है, मदद की गुंजाइश इस एग्रीमेंट के हिसाब से बनती है, उसको हम करने की कोशिश करेंगे और आने वाले समय में, वहां पर आंदोलन भी चल रहा है, उसमें भी हमको इस विषय को स्पष्ट करना पड़ेगा क्योंकि विस्थापित की कटैगरी में न आ कर यह कटैगरी प्रभावित परिवारों में से है और प्रभावितों के लिए एग्रीमेंट जो वहां पर तय हुआ है, उसके मुताबिक जो भी मदद की जा सकती है, हम वह करेंगे।

03.03.2020/1200/केएस/एएस/3

Annexure-A (Question 2448)

A. List of 20 persons who have been appointed in R&R Scheme in PHED-II			
Sr. No.	Name	Address	DOJ
1	Narain Singh	Village Kalihaar, P.O. Shalwar, Sub-Tehsil, Sainj, District Kullu	14.3.2005
2	Amit Kumar	Village and PO Sainj, Sub-tehsil Sainj, Distt. Kullu, H.P.	14.3.2005
3	Jitender Singh	Village Shadabhai, PO Bhunter, Tehsil and Distt. Kullu, H.P.	4.5.2005
4	Mrs. Chintu w/o Sh. Tek Ram	Village and PO Haripur, Tehsil Manali, Distt. Kullu, H.P.	10.2.2009
5	Sh. Dev Raj s/o Sh. Bhimi Ram	Village Kalyal, PO Salwar, Fati Dhogi, Koti Bunga, Sub-tehsil Sainj, Distt. Kullu, H.P.	7.9.2009
6	Sh. Diwan Chand, S/o Sh. Shiv Ram	Village and PO Sainj, Sub-tehsil Sainj, district Kullu, H.P.	9.2.2009
7	Sh. Girdhari Lal s/o Sh. Hira Singh	Village Siyund, PO Suchain, Sub-tehsil Sainj, Distt. Kullu, H.P.	6.2.2009
8	Mrs. Amra Devi, w/o Sh. Inder	Village Jiwa, Faati Rela, Koti Bhalan, sub-Tehsil Sainj, distt. Kullu, H.P.	24.2.2009

	Dev Sharma		
9	Mrs. Nirmala Sharma d/o Mrs. Kaushalya	Village Jiva, Faati Rela, Koti Bhalan, sub-Tehsil Sainj, distt. Kullu, H.P.	24.2.2009
10	Sh. Suresh Kumar, s/o Mrs. Meeru Devi	Village Kharoha PO Fanti Rela, Koti bahalan, Sub-tehsil Sainj, Distt. Kullu, H.P.	24.2.2009
11	Sh. Thakur Dass, s/o Sh. Alam Chand	Village Kharoha PO Fanti Rela, Koti bahalan, Sub-tehsil Sainj, Distt. Kullu, H.P.	13.2.2009
12	Sh. Ghanshyam s/o Sh. Gian Chand	Village Kharoha PO Fanti Rela, Koti -bahalan, Sub-tehsil Sainj, Distt. Kullu, H.P.	19.2.2009
13	Sh. Dhyan Singh, s/o Sh. Maan Chand	Village Barshain Fanti Manikaran, Koti-kanawar, Sub-tehsil Sainj, Distt. Kullu, H.P.	13.11.2009
14	Sh. Inder Dev, s/o Smt. Jubali Devi	Village Barshain Fanti Manikaran, Koti-kanawar, Sub-tehsil Sainj, Distt. Kullu, H.P.	26.11.2009
15	Mrs. Shanti Devi, w/o Sh. Khem Dev	Village Jewa PO Rela, Tehsil Sainj, Distt. Kullu, H.P.	23.7.2009
16	Sh. Tameshwar Lal , s/o Sh. Surat Ram	Village Jewa PO Rela, Koti-Bahalan, Sub- tehsil Sainj, Distt. Kullu, H.P.	20.2.2009

17	Sh. Virender Sharma s/o Sh. Thakur Chand	Village Nainu Nallah, PO Thela (Gadsa) Fati Parali, Koti Kot Kandi, Tehsil and District Kullu, H.P.	25.2.2009
18	Sh. Fateh Chand, s/o Sh. Surat Ram	Village Shaloh, PO Fati Rela Kot Bhalan, Sub-tehsil Sainj, District Kullu, H.P.	6.3.2009
19	Sh. Moher Singh, s/o Maan Dass	Village Shety Toll, Fati and PO Rela, Kot Bhalan, Sub-tehsil Sainj, District Kullu, H.P.	20.11.2009
20	Sh. Inder Chand, s/o Late Sh. Biru Ram	Village Shety Toll, Fati and PO Rela, Kot Bhalan, Sub-tehsil Sainj, District Kullu, H.P.	20.11.2009

B. List of 13 persons who have been appointed in R&R Scheme in PHED-III

Sr. No.	Name	Address	DOJ
1	Mrs. Radhika Kumari , w/o Sh. Puneet	Village Telehli, PO Salwar, Sub-tehsil Sainj, Distt. Kullu, H.P.	7.10.2013
2	Ms. Reena Thakur, d/o Sh. Dhyan Singh	Village Sainj, Sub-tehsil Sainj, Distt. Kullu, H.P.	4.10.2013
3	Ms. Kiran Devi, d/o Sh. Prem Singh	Village Behali, Sub-tehsil Sainj, Distt. Kullu, H.P.	4.10.2013
4	Mr. Suredner Kumar, s/o Sh. Ram Lal	Village Taredha, PO Salwara, Sub-tehsil Sainj, Distt. Kullu, H.P.	4.10.2013

5	Mr. Naresh Kumar s/o Smt. Sibbi Devi	Village Khroti, PO Sainj, Sub-tehsil Sainj, Distt. Kullu, H.P.	9.10.2013
6	Mr. Dalip Kumar s/o Sh. Hira Singh	Village Bhagikshadi, PO Majhan, Sub-tehsil Sainj, Distt. Kullu, H.P.	7.10.2013
7	Mr. Purshotam Lal, s/o Lotam Ram	Village Matla Phati, Suchain Kothi, Banogi, Sub-tehsil Sainj, Distt. Kullu, H.P.	4.10.2013
8	Mrs. Nirmala Devi, w/o Sh. Suresh Kumar	VPO Bhunter, Kullu, H.P.	3.10.2013
9	Mr. Bhojesh Chand s/o Sh. Bali Ram	Village Salah, PO Sainj, Sub-tehsil Sainj, Kullu, H.P.	5.10.2013
10	Mr. Rattan Chand, s/o Sh. Kanshi Ram	VPO Nagwain, Sub-tehsil Aut, Mandi, H.P.	3.10.2013
11	Mr. Anant Ram, s/o Sh. Kewalu Ram	Village Salwar, PO Sainj, Sub-tehsil Sainj, Kullu, H.P.	5.10.2013
12	Mr. Bikram Chand, s/o Sh. Dharam Chand	Village Jahila, PO Banogi (Deori) Sub-tehsil Sainj, Kullu, H.P.	9.10.2013
13	Mr. Mohan Laln, s/o Sh. Kheva Ram	Village Sapangani, PO Larji, Tehsil Banjar, Kullu, H.P.	5.10.2013
	Total A+B=33		

प्रश्न काल समाप्त

03.03.2020/1200/केएस/एएस/7

श्री विक्रमादित्य सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे पर बात करना चाहता हूं।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, बैठिए। मेरी व्यवस्था के बारे में सुनिए।

अब माननीय मुख्य मंत्री महोदय, काला अम्ब में निर्मित दवाई के कारण जम्मू-कश्मीर में बच्चों की मौत बारे स्टेटमैंट देंगे।

मुख्य मंत्री जी अ0व0 की बारी में-

03.03.2020/1205/av-as/1

श्री विक्रमादित्य सिंह (शिमला ग्रामीण) : अध्यक्ष महोदय, व्यवस्था का प्रश्न।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप बैठ जाइए और मेरी व्यवस्था के बारे में सुनिए। अब माननीय मुख्य मंत्री कालाअम्ब में निर्मित दवाई के कारण जम्मू-कश्मीर में हुई बच्चों की मौत के बारे में स्टेटमैंट देंगे।

मुख्य मंत्री : अध्यक्ष महोदय, मुझे इस माननीय सदन को बड़े दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि पिछले दिनों एक घटना घटित हुई। एक कम्पनी खांसी की दवाई बनाती थी और उस दवाई के प्रयोग के कारण जम्मू-कश्मीर में कुछ बच्चों की मौत हुई तथा उसके बाद उस दवाई को प्रयोगशाला में टैस्टिंग के लिए भेजा गया। उस बारे में जम्मू-कश्मीर की प्रयोगशाला की रिपोर्ट आ गई है और उसमें कुछ मानव जीवन के लिए नुकसानदायक कंटेंट्स पाये गये हैं। इस बारे में सूचना मिलने पर हमने भी अलग से उसके नमूने भेजे हैं और हमें उम्मीद है कि उसकी रिपोर्ट आज आ जायेगी। लेकिन माननीय सदन में इस बारे में जानकारी देना जरूरी है इसलिए इस पूरी घटना की वस्तुस्थिति इस प्रकार से हैः

अध्यक्ष महोदय, दिनांक 15.02.2020 को औषधि नियंत्रक, जम्मू-कश्मीर से प्राप्त ई-मेल द्वारा कोल्ड बैस्ट पी0सी0सीरप, बैच संख्या 5201 जो कि मै0 डिज़िटल विज़न, कालाअम्ब द्वारा निर्मित दवाई है, उसमें डायथीलीन की उपलब्धता होने के कारण बच्चों की मौत का मामला उधमपुर जिले से इस प्रदेश को सूचित किया गया था। इस संबंध में सहायक औषधि नियंत्रक की अध्यक्षता में एक टीम बनाकर तुरंत फर्म का निरीक्षण करने के लिए कहा गया। हमारे प्रदेश के अधिकारियों द्वारा दिनांक 15.02.2020 को उक्त फर्म का निरीक्षण किया गया। दिनांक 16.02.2020 व दिनांक 17.02.2020 को उक्त निरीक्षण के लिए सी0डी0एस0सी0ओ0 ऑफिसर को भी सम्मिलित किया गया। औषधि निरीक्षक, नाहन द्वारा कोल्ड बैस्ट पी0सी0 के 5 नमूने उठाये गये जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया और जिनके परिणाम आने बाकी है। इस संबंध में रजिस्टर व रिकॉर्ड ड्रग इंस्पैक्टर द्वारा सीज़ कर लिया गया है और यह उसी वक्त सीज़ कर दिया था जैसे ही इस बारे में सूचना मिली थी। दिनांक 17.02.2020 को ही लाइसेंसिंग ऑथोरिटी, नाहन द्वारा डिज़िटल विज़न कालाअम्ब

03.03.2020/1205/av-as/2

का उत्पादन रोक दिया था। उस बारे में विभाग द्वारा तुरंत कार्रवाई कर ली गई थी और उस कम्पनी में उत्पादन को रोक दिया गया था। फर्म को इस बैच की दवाई को बाज़ार से तुरंत हटाने के निर्देश भी दिए गए और हर 6 घंटे में इसकी सूचना देने को कहा गया। दिनांक 02.03.2020 को गवर्नमैंट एनालिस्ट चंडीगढ़ द्वारा हरियाणा व जम्मू-कश्मीर में लिए गए कोल्ड बैस्ट पी0सी0 के नमूनों की इसी बैच की रिपोर्ट हमारे प्रदेश में प्राप्त हुई। इन नमूनों में डायथीलीन ग्लाईकोल की मात्रा 34 प्रतिशत से ज्यादा पाई गई तथा यह दवाई मिलावटी पाई गई। रिपोर्ट मिलने के तुरंत बाद ही डिज़िटल विज़न कालाअम्ब के विरुद्ध सहायक औषधि नियंत्रण द्वारा एफ0आई0आर0 कर दी गई है। यह एफ0आई0आर0 कालाअम्ब थाना में सैक्शन 18(a)(1) of Drugs & Cosmetics Act, read with धारा 17(a) के तहत मिलावटी दवाई बनाने के लिए दर्ज़ करवाई गई तथा जो धारा 70(a) के तहत दंडनीय है

टी सी द्वारा जारी

03.03.2020/1210/TCV/DC-1

मुख्य मंत्री.... जारी

जिसमें 10 साल से लेकर उम्र कैद तक के दण्ड का प्रावधान है यानी सबसे सख़्त कार्रवाई की जा सकती है। जिसको सबसे स्ट्रिंगजेंट एक्शन कहा जा सकता है that we have taken. इस मामले की सम्पूर्ण जांच पुलिस द्वारा की जाएगी व हर पहलू को खंगाला जाएगा। एफ0आई0आर0 में अटैंप्ट को culpable homicide के लिए आई0पी0सी0 की धारा-308 को भी जोड़ा गया है। डिजिटल विज़न का उत्पाद लाइसैंस दिनांक 02.03.2020 को भी आगामी जांच तक निलम्बित कर दिया गया है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी मुझे इस माननीय सदन को देनी थी। इसमें वहां पर कुछ बच्चों की मौत हुई है, ऐसी जानकारी मिली है। इसमें जो सख्त-से-सख़्त कार्रवाई की जा सकती थी, वह हमने की है और मैं उम्मीद करता हूं कि बहुत जल्दी की ही दोषियों के खिलाफ़ आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

व्यवस्था का प्रश्न

श्री विक्रमादित्य सिंह (शिमला ग्रामीण) : सर, एक बहुत महत्वपूर्ण विषय है, मुझे सिर्फ 2 मिनट में अपनी बात रखनी है।

अध्यक्षः माननीय, सदस्य, ये परम्परायें अच्छी नहीं है। (...व्यवधान) आप इसके लिए यहां पर नोटिस दें सकते हैं। आप पहले बैठिये। पहले मैं आपको परमिशन दूंगा फिर बोलिए। माननीय सदस्य, श्री विक्रमादित्य जी कहिए, आप क्या कहना चाहते हैं?

03.03.2020/1210/TCV/DC-2

श्री विक्रमादित्य सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि शिमला का जो मेन अस्पताल, दीन दयाल उपाध्याय है, ---(***)--- प्रदेश

के अंदर इसकी जो परिस्थिति है, it is catering seven constituencies of Shimla and Sirmaur districts. आज इसमें न कोई ऑपरेशन थियेटर है, न इसमें आई0सी0यू0 है और न इसमें अभी तक आक्सीज़न पाइप लगी हुई है। इसमें न कोई एंबुलैंस का प्रावधान है न इसमें रिप्लेसमैंट व्हीकल डाक्टर्ज़ के लिए उपलब्ध हैं। वहां सिर्फ एकमात्र गाड़ी है जो वी0आई0पी0 ड्यूटी के लिए लगी होती है। यह 300 बिस्तरों का अस्पताल है लेकिन इसमें अभी तक स्टॉफ की संख्या केवल 100 है। कांग्रेस पार्टी की सरकार के समय यहां पर सी0एम0ओ0 ऑफ़िस बनाने के लिए 45,00,000/- लाख रुपये दिए गये थे, उसका भी अभी तक कोई कार्य शुरू नहीं हुआ है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने वहां पर डिजिटल एक्सरे मशीन लगाने की बात की थी (...व्यवधान)

अध्यक्षः माननीय सदस्य, ये परम्परायें अच्छी नहीं है।

श्री विक्रमादित्य सिंह : अध्यक्ष महोदय, यहां पर आई0जी0एम0सी0 की तुलना में महंगा एक्सरे करवाया जा रहा है। (...व्यवधान) इसकी जो बिल्डिंग है, उसकी ज़र्जर हालत है। यदि कभी आग लग गई तो पूरी लकड़ी की बिल्डिंग जलकर ज़मीन पर आ जाएगी ---(***)--- । इस अस्पताल की बहुत ही दयनीय हालत है। इसके बारे में माननीय मुख्य मंत्री जी को ध्यान देना चाहिए। (...व्यवधान)

---(***)---**अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाला गया।**

03.03.2020/1210/TCV/DC-3

अध्यक्षः माननीय सदस्य, आप बैठिये। प्लीज़ आप बैठें। इस प्रकार के प्वाइंट ऑफ ऑर्डर तो इस तरफ (सत्तापक्ष) से भी आएंगे और उस तरफ (विपक्ष) से भी आएंगे और परम्परायें समाप्त होंगी। आपको राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का मौका मिला और आपने बड़े विस्तार से बात रखी। माननीय ससंदीय कार्य मंत्री जी आप बोलिए।

शिक्षा मंत्री (संसदीय कार्य मंत्री) : अध्यक्ष महोदय, छह बार के मुख्य मंत्री के सुपुत्र हैं, ये जो यहां पर बोल रहे हैं।

Sh. Mukesh Agnihotri: He is Member of this Hon'ble House.

Education Minister:- Yes, I know it that he is Member of this Hon'ble House. ...(Interruption) I know it more than you. You needn't to say anything. ...(Interruption). अध्यक्ष महोदय आपने परमिशन दी इसलिए मैं उसमें कंटैस्ट नहीं कर सकता।

एन0एस0 द्वारा .... जारी

03-03-2020/1215/NS/DC/1

माननीय शिक्षा मंत्री .....जारी

आपका अधिकार है, आप किसी को भी परमिशन दे सकते हैं। सदन नियमों के अनुसार चलता है। क्या यह विषय इतना महत्वपूर्ण है कि बिना नियम के भी चल सकता है? इनको मालूम होना चाहिए कि अगर महत्वपूर्ण विषय है तो ये नियम-62 के तहत इस मैटर को दे सकते हैं। कोई संवेदनशील मुद्दा उठाना है क्योंकि अन्य माननीय सदस्यों ने कल उठाया, एक माननीय सदस्य ने परसों उठाया इसलिए इनको भी आज मुद्दा उठाना है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप सुनिए, बैठ जाईए।

शिक्षा मंत्री : इनको मौका मिला है। ...(व्यवधान) Hon'ble Speaker, Sir, I am not yielding....(interruption). यह नहीं चलेगी, यह दादागिरी नहीं चलेगी। जब आप बोलते हैं तब हम नहीं उठते हैं। मैं यील्ड नहीं कर रहा हूं। मैं सिर्फ नियम की बात कर रहा हूं। ...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता के लिए कोई अलग नियम नहीं हैं। मैं सिर्फ बता रहा हूं कि किसी भी विषय के ऊपर, बज़ट के ऊपर या महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के ऊपर चर्चा चल रही है तो यह मैटर उसके बीच में उठाया जा सकता है। अगर ये अपना मैटर उठा नहीं सके तो इसमें इनकी गलती है हमारी गलती नहीं है। इनको बोलने के लिए पूरा समय दिया गया था। ...(व्यवधान) ये इस बात की चर्चा सिर्फ़ अख़बार वालों को बताने के लिए कर रहे हैं और यह उचित नहीं है। ...(व्यवधान) जब इनकी

सरकार थी और जब पैसा सी0एम0ओ0 के लिए तय हुआ था और इनकी सरकार उसके बाद पांच साल तक रही है तो इन्होंने क्यों नहीं बनाया? ...(व्यवधान) इन्होंने अपनी सरकार के समय में क्यों नहीं बनाया? वह भवन आज हमने बनाया। इन्होंने जब वह भवन आधा बना था तो उद्घाटन करने व फट्टा लगाने के लिए बिना किसी तैयारी के वहां पर यह बिल्डिंग खड़ी कर दी। अब उसमें सारी सुविधाएं धीरे-धीरे आ रही हैं। अगर वहां पर आई0सी0यू0 नहीं बना है तो वह इनके कारण नहीं बना है। ...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, नियमों के अनुसार सदन चलना चाहिए। ऐसे तो हर मैटर पर उठ जाएंगे तो नियमों का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे निवेदन है कि आपने जो रूलिंग दी है उसका सम्मान करते हुए हम हर बात सुन रहे हैं। मेरा इस माननीय सदन से एक ही निवेदन है कि नियमों के अनुसार आप जो भी आज्ञा देंगे हम उसका पालन करेंगे

03-03-2020/1215/NS/DC/2

लेकिन बिना किसी नियम के और बिना किसी कारण के सिर्फ सैंसलाइजेशन फैलाना या सुर्खियां बनाने के लिए किसी विषय को उठाने का अधिकार किसी को नहीं है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय मुकेश जी, आप क्या बोलना चाह रहे हैं?

श्री मुकेश अग्निहोत्री : अध्यक्ष महोदय, पीठ ने इजा़ज़त दे दी। उसके बाद संसदीय कार्य मंत्री का अंगुली उठाने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि आपने माननीय सदस्य को बोलने की इज़ाज़त दी है। ...(व्यवधान) अब आप सुन लो। अध्यक्ष महोदय, संसदीय कार्य मंत्री पीठ से ऊपर नहीं हैं। आपने इज़ाज़त दी तो मामला उठ रहा है। दूसरा, माननीय शिक्षा मंत्री जी कह रहे हैं कि आप इसको नियम-62 के अंतर्गत उठा लेते। माननीय मंत्री को यह मालूम होना चाहिए कि महामहिम राज्यपाल महोदय का अभिभाषण जितने दिन चलेगा नियम-62 नहीं लगेगा। बज़ट पर जितने दिन चर्चा चलेगी नियम-62 नहीं लगेगा और जब मांगे लगेगी तब भी नियम-62 नहीं लगेगा। अध्यक्ष महोदय, इस समय और कोई रास्ता नहीं है। इसलिए आपके विवेक पर फ़ैसला छोड़ते हुए यह इज़ाज़त मांगी गई थी और आपने दी है। यह मामला इंसान की ज़िंदगी से जुड़ा हुआ है और माननीय मुख्य मंत्री जी जवाब दें। इनको इससे कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए क्योंकि इस समय नियम-62 नहीं लग सकता है।

शिक्षा मंत्री : अध्यक्ष महोदय, हम पीठ का भी सम्मान करते हैं और विपक्ष के नेता का भी सम्मान करते हैं। वैसे तो कायदे से हर विषय पर विपक्ष के नेता को उठना ही नहीं चाहिए जब तक बहुत महत्वपूर्ण विषय न हो। ...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, आपने व्यवस्था दी और हमने कहा हम आपका सम्मान करते हैं। पीठ से रूलिंग हुई है इसलिए माननीय सदस्य बोल सकते हैं

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

03.03.2020/1220/RKS/HK-1

शिक्षा मंत्री .... जारी

लेकिन यह एक परंपरा बनती जा रही है। यहां पर Zero Hour नहीं है। आप नियम-324 में अपनी बात उठा सकते हैं। ...(व्यवधान) आप तो पीठ को भी बंधक बना देते थे। ...(व्यवधान) हमने नियम के अंतर्गत उठाया है। ...(व्यवधान) आप बिना नियम के उठा रहे हैं। यह ऐसा विषय नहीं है कि इसमें आज ही कुछ हो जाए। आप इस विषय को नियम-62 में भी उठा सकते थे। ...(व्यवधान) गवर्नर अड्रैस के ऊपर आप किसी विषय को उठाते हैं तो उस बीच आप इस विषय को भी उठा सकते थे। ...(व्यवधान) नेता प्रतिपक्ष और बाकी सदस्य इस विषय को उठा सकते थे। यह सदन नियमों के अनुसार चलता है। यह सदन नियमों के विपरीत नहीं चल सकता। आप नियम के अंतर्गत अपनी बात रख सकते हैं लेकिन हर विषय किसी भी समय उठा दिया जाए, ऐसा कोई नियम नहीं है।

अध्यक्षः माननीय मुख्य मंत्री जी क्या आप कुछ कहना चाहेंगे?

मुख्य मंत्रीः माननीय अध्यक्ष जी, मुझे विपक्ष का व्यवहार कई बार बहुत अजीब लगता है। हम अपनी बात रखने के लिए कब रोक रहे हैं? लेकिन जब विपक्ष के नेता नियमों का हवाला दे रहे हैं तो मुझे यह कहना पड़ेगा कि आजकल हम गवर्नर अड्रैस पर चर्चा कर रहे हैं और जब तक यह चर्चा समाप्त नहीं होती तब तक कॉलिंग अटैंशन के लिए नोटिस एडमिट नहीं हो सकता। उसके बाद बज़ट प्रस्तुत किया जाएगा और फिर बजट पर चर्चा होगी। उस समय भी कॉलिंग अटैंशन का नोटिस एडमिट नहीं होगा। आपको यह भी मालूम

होना चाहिए कि इस दौरान सभी माननीय सदस्यों को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर मिलता है। जब माननीय सदस्य चर्चा में भाग लेते हैं, तब वे अपनी बात का जिक्र कर सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, आपने सभी सदस्यों को खासतौर पर विपक्ष के सदस्यों को बड़ी उदारता से बोलने का समय दिया है। हम भी विपक्ष में रहे हैं और उस समय हमें 5 मिनट में अपनी बात रखने के लिए बांध दिया जाता था। आपने सभी सदस्यों को आधा-आधा घंटा बोलने का समय दिया है। पहली टर्म के विधायकों को भी आपने आधा घंटा बोलने का

03.03.2020/1220/RKS/HK-2

अवसर दिया है। जिन मुद्दों को आप आज कॉलिंग अटैंशन में नहीं उठा सकते हैं, उन्हें आप चर्चा के दौरान उठा सकते हैं। दूसरा, हमें विषय की गंभीरता समझनी चाहिए। अगर कोई ऐसी घटना घटित हो गई है कि उसे तुरंत उठाना आवश्यक है तो वह बात तो समझ में आती है लेकिन जो रूटिन का विषय है वह बात अलग है। दीन दयाल उपाध्याय, अस्पताल एक अच्छा अस्पताल है और वहां पर कार्यरत सभी लोग अपनी सेवाएं अच्छी तरह दे रहे हैं। वहां पर 30 डॉक्टर्ज़ पोस्टिड हैं। वहां पर सभी विभागों के विशेषज्ञ उपलब्ध हैं। लेकिन उसके बावजूद भी इस मामले को इसलिए उठाया जा रहा है क्योंकि यह मामला अख़बार में प्रकाशित हुआ है। अगर मैं इस पर कुछ कहूं तो अख़बार में एक खबर और छाप दी जाएगी। हम सही बात सुनने के लिए हमेशा तैयार हैं लेकिन यह सदन अख़बार की ख़बर बनाने के लिए नहीं है। आपने कहा कि 'सुधार करना चाहिए'। सुधार करने की गुंजाइश हर जगह होती है। आदमी के स्वभाव और विकास के कार्यों में भी सुधार करने की गुंजाइश होती है और इसके लिए हम आपके सुझाव का स्वागत करते हैं। लेकिन सभी मामलों को इसी वक्त उठाना, अभी उठाना, ऐसा नहीं हो सकता।...(व्यवधान) आप बात करते हैं तो अच्छा लगता है परंतु आप बात-बात में झगड़ा करने के लिए उतर जाते हैं। विपक्ष की छवि झगड़ा करने की नहीं होनी चाहिए।

श्री बी.एस.द्वारा... जारी

03.03.2020/1225/बी.एस./एच.के./-1

मुख्य मंत्री जारी...

जहां तक आपने दो चीजों का जिक्र किया है, ये दोनों चीजें अण्डर कन्सीडरेशन हैं। उनमें एक औपचारिकताओं का दौर चला हुआ है। एक तो ऑपरेशन थिएटर की बात कही गई है। हम इस बात से सहमत है कि आज कल टैक्नॉलोजी के युग में यह सुविधा होनी चाहिए। आई.जी.एम.सी.,शिमला के बाद दीनदयान उपाध्याय अस्पताल लोगों को सेवाएं दे रहा है। हम वहां बेहतर-से-बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए कटिबद्ध हैं। जहां तक मॉडल ऑपरेशन थिएटर की बात कही है उस पर हम अवश्य विचार कर रहे हैं। दूसरी जो ऑक्सीजन की बात आई है जब तक हमारे पास पाइप वाला नया कोई मैकैनिज़म डवैल्प नहीं होता तब तक हम पुरानी व्यवस्थानुसार ही ऑक्सीजन प्रदान कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि वहां पर मरीजों को ऑक्सीजन नहीं दी जा रही है। हम भी चाहते हैं कि ये सारी चीजें जल्द हो परंतु उसकी औपचारिकताएं लंबी हैं। हमने उनपर कार्य भी किया है और हम इसे पूरा करना चाहते हैं। इन दोनो चीजों पर लगभग 30-35 करोड़ रुपए का खर्चा होगा। यह कार्य जल्द पूरा हो इस पर हम विचार कर रहे हैं परंतु विपक्ष खबर बनाने के लिए झगड़ा न करें। मैं चाहता हूं कि ऐसी बात नहीं बोलनी चाहिए और यह कार्यवाही से भी हटनी चाहिए।

अध्यक्ष : यह शब्द कार्यवाही से हटाए जाएं।

माननीय मुख्य मंत्री जी ने और संसदीय कार्य मंत्री जी ने विस्तार से इस बारे में कहा है। विपक्ष के नेता से विशेषरूप से आग्रह करना चाहता हूं कि व्यवस्था के प्रश्न के बारे में ऐसे नॉन इश्यू को इश्यू न बनाया जाए। यदि तत्कालिक घटना ऐसी हो गई हो उस इश्यू को आप उठा सकते हैं। मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में आप इस बात पर अवश्य ध्यान देंगे।

03.03.2020/1225/बी.एस./एच.के./-2

फास्ट ट्रैक से संबंधित सूचना

सभी माननीय विधायकों को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार के सड़क परिवहन तथा उच्च मार्ग मंत्रालय के दिनांक 08 नवम्बर, 2019 के दिशानिर्देशों की नियम संख्याः 3.5 के अनुसार इस प्रदेश के सभी माननीय विधायकों को उनके निजी वाहन के लिए फास्ट ट्रैक प्रदान किए जाने का प्रावधान है। वस्तुतः प्रदेश के भीतर पड़ने वाले टोल

प्लाजा फास्ट ट्रैक की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध होगी लेकिन प्रदेश से बाहर अन्य राज्यों में माननीय विधायकों को नियमानुसार निर्धारित निःशुल्क देना होगा जिसकी कटौती स्वतः उनके बैंक खाते से होगी जिसके लिए सभी माननीय सदस्यों को अपने मोबाईल में संबंधित ऐप भी निजी स्तर पर डाउनलोड करने की आवश्यकता होगी। अतः आपसे मेरा अनुरोध है कि उक्त फास्ट ट्रैक हेतु भी माननीय सदस्य अपनी समति प्रदान करने की कृपा करें। यदि सभी माननीय सदस्य इससे सहमत हों तो फास्ट ट्रैक विधान सभा सचिवालय द्वारा वर्तमान सत्र के दौरान ही संबंधित संस्था द्वारा जारी करवा दिए जाएंगे जिस संबंध में सचिव विधान सभा द्वारा आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

श्री डी.टी. द्वारा जारी...

03.03.2020/1230/DT/HK-1

अध्यक्ष जारी...

अब माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा होगी कृपया बैठ जाइए। अब माननीय सदस्य डॉ0 राजीव बिन्दल जी, इस चर्चा में भाग लेंगे।

श्री मुकेश अग्निहोत्री : आप सामान्य मुद्दों को भी नहीं सुन रहे हैं आपने विधायको से संबंधित एक आदेश पढ़ा। विधायक उसमें क्लैरिफिकेशन लेना चाह रहे हैं और आपको बताना चाह रहे हैं लेकिन जब आपर हमारी बात भी नहीं सुनेंगे तो हमारा यहां बैठने का क्या मतलब है?

अध्यक्षः माननीय शिक्षा मंत्री जी क्या आप कुछ कहना चाहेंगे?

शिक्षा मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, सदन में परंपरा है कि विधान सभा से संबंधित बात पर चर्चा नहीं होती। माननीय अध्यक्ष सदन में कोई भी सूचना दें उस पर चर्चा नहीं होती यदि आपने चर्चा करनी है तो एमेनिटीज कमेटी में कर सकते हैं। यहां पर माननीय अध्यक्ष द्वारा केवल सूचना दी गई है। हर बात पर विपक्ष के नेता का उठना क्या जरूरी है? ...(व्यवधान) अगर ये अपनी बात कर सकते हैं तो मैं भी नियमों की बात कर सकता हूं। नियम बुक में आप हमें बता दें कि इस तरह का नियम है। मैं उसका जवाब दूगां। यदि नियम नहीं है तो इस पर चर्चा नहीं होगी।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, कृपया बैठ जाइए। आप मेरी व्यवस्था भी सुनें। मैंने आप सब की बात सुनी है आप कृपया बैठ जाइए। आदरणीय मुकेश जी आप बैठ जाइए। मैंने इस माननीय सदन में सूचना दी है और इस सूचना पर चर्चा बिल्कुल नहीं होती। जिस तरीके से आप उठ कर चर्चा करना चाहते हैं अगर आपको इससे संबंधित बात करनी है तो एमेनिटीज कमेटी में वह बात रख सकते हैं। आप व्यक्तिगत रूप से मेरे साथ भी बात रख सकते हैं। आप मेरे कक्ष में आ जाइए आपका वहां स्वागत है। ...(व्यवधान) विपक्ष के माननीय सदस्यों को भी चर्चा में भाग लेना है। अब माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होगी। अब माननीय सदस्य डॉ0 राजीव बिन्दल जी चर्चा में भाग लेंगे।

श्री एन.जी.द्वारा जारी...

03-03-2020/1235/वाई.के.-एन.जी./1

अध्यक्षः अब इस चर्चा में माननीय सदस्य डॉ. राजीव बिन्दल जी भाग लेंगे।

डॉ. राजीव बिन्दल (नाहन): अध्यक्ष महोदय, माननीय राज्यपाल महोदय जी ने इस माननीय सदन में अभिभाषण प्रस्तुत किया और माननीय सदस्य श्री बलबीर जी ने उस पर धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। अध्यक्ष महोदय, आपने इस विषय पर मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका आभारी हूं और मैं धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करता

हूं। पिछले 2 साल से मेरी बोलती बंद थी और माननीय अध्यक्ष जी वहां पर चले गए तब मैं यहां पर आ गया और अब मेरी बोलती खुल गई है। हमारे लिए आनंद और गौरव का विषय है कि इस माननीय सदन में आज भी बहुत श्रेष्ठ और वरिष्ठ माननीय विधायक सदस्य के नाते मौजूद हैं। यदि मैं प्रतिपक्ष पर नज़र दौड़ाऊं तो श्रीमती आशा जी, श्री राम लाल जी, श्री हर्षवर्धन जी आदि ऐसे माननीय सदस्य हैं जो 5-5, 6-6 और 7-7 बार से इस माननीय सदन के अंदर मौजूद हैं और रूलिंग की तरफ भी माननीय मुख्य मंत्री जी, माननीय ठाकुर महेन्द्र सिंह जी, माननीय श्री सुरेश भारद्वाज जी, माननीय अनिल जी आदि सदस्य इस माननीय सदन में मौजूद हैं। हमारे लिए सौभाग्य का विषय है कि हमें पूर्व मुख्य मंत्री माननीय श्री वीरभद्र सिंह जी का माननीय सदन में मार्गदर्शन मिलता रहता है और यह बहुत ही महत्व की बात है। जितना अधिक हम तवज्जों देंगे कि हम माननीय सदन के बहुत वरिष्ठ सदस्य हैं हमारी चर्चा उतनी अधिक सारगर्भित होगी और उसके परिणाम भी उतने ही अच्छे होंगे। मुझे स्मरण है कि जब मैं पहली बार इस माननीय सदन में आया था तब पूर्व मुख्य मंत्री श्री राम लाल जी, पूर्व मंत्री श्री जय बिहारी लाल खाची जी आदि लोग माननीय सदन में मौजूद थे और हमारे जैसे लोग कभी कोई विषय उठाते थे तो आदरणीय राम लाल जी यदि एक बार थोड़ा सा उंगली को ऊपर उठा देते थे तो माननीय सदन में सब शांत हो जाते थे और इसी प्रकार माननीय खाची जी के कारण भी होता था। जिस कारण आज हमारी स्थिती बहुत अच्छी बनी है। आज हम उस स्थिती को पुर्नजीवित कर सकते हैं और चर्चा का एक अच्छा माहौल पैदा कर सकते हैं।

03-03-2020/1235/वाई.के.-एन.जी./2

माननीय सदस्य श्री विक्रमादित्य जी अभी-अभी सदन से बाहर चले गए हैं परन्तु उन्होंने एक अच्छा स्टेटमेंट दिया था कि माननीय वीरभद्र सिंह जी से हमें मार्गदर्शन लेते रहना चाहिए। हम प्रभु से प्रार्थना करेंगे कि माननीय श्री वीरभद्र सिंह जी उम्र-दराज़ हों और लम्बे समय तक हमें उनका मार्गदर्शन मिलता रहे। जब मुझे लगा कि आज मुझे इस माननीय सदन में बोलना चाहिए और मैं जब विधान सभा अध्यक्ष था तब मैंने माननीय डॉ.परमार जी

द्वारा इस माननीय सदन में जो बोला गया उसकी एक पुस्तक प्रकाशित की थी और आज मैं उस पुस्तक को देख रहा था। मैंने उस पुस्तक को देखने के बाद यह पाया कि माननीय श्री जय राम ठाकुर जी पूरी तरह से उनके नक्शे कदमों पर हमको दिखाई देते हैं। मैंने उसकी प्रस्तावना भी लिखी और उसको अलग-अलग पहलुओं के अंदर बांटा

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

03/03/2020/1240/MS/HK/1

डॉ0 राजीव बिन्दल जारी--------

मैं जब थोड़ा गहराई से उसको देख रहा था तो मैंने पाया कि यह जो दस्तावेज़ महामहिम राज्यपाल महोदय ने यहां पर पढ़ा, यह माननीय मुख्य मंत्री जय राम ठाकुर जी का एक साल का रिपोर्ट कार्ड है। मैं वर्ष 2019-20 में जो बजट प्रस्तुत किया गया था उसकी प्रति और महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा जो अभिभाषण दिया गया है, उसको देख रहा था। मैं दोनों दस्तावेज़ों को मिला रहा था और मिलाते-मिलाते मैंने पाया कि जो वस्तुस्थिति निकलकर आई, वह यह है कि जो कहा, वह किया। मैं बजट के पृष्ठ संख्या-74 को देख रहा था जिसके अंदर किसान की चर्चा की गई है और उसके अंदर बड़े स्पष्ट शब्दों में लिखा था कि हम किसान की आमदनी को दोगुना करेंगे - 74 - doubling of farmers income through water conservation and other activities - और किसान के लिए अनेक प्रकार की गतिविधियां यहां बजट में इन्होंने प्रस्तुत कीं। जो हमारे महामहिम राज्यपाल महोदय जी ने अभिभाषण दिया उसके अंदर अतिरिक्त कृषि लागत को कम करने के लिए किसानों को सिंचाई के लिए बिजली का रेट माननीय जय राम ठाकुर जी ने कम किया ताकि किसान का ख़र्चा कम हो सके। किसानों के लिए बिजली की दर को 75 पैसे प्रति यूनिट से 50 पैसे प्रति यूनिट किया गया है। बात छोटी दिखाई देती होगी लेकिन जब थोड़ा-थोड़ा क्लब करेंगे तो सब ध्यान में आएगा। अभिभाषण और बजट में कहा गया था कि हम किसानों के लिए वॉटर रिसोर्सिज विकसित करेंगे। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के पैरा-17 में स्पष्ट शब्दों में जो सरकार ने किया, उसका वर्णन करते हुए यह कहा गया है कि जल से कृषि नाम की योजना सरकार ने चलाई है और 7125 घन मीटर जल की क्षमता विकसित की गई है।

मैं महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में देख रहा था कि किसान को दुर्घटना में राहत दोगुनी कर दी है। यदि किसी किसान को काम करते हुए चोट लग गई है या उसकी मृत्यु हो जाती है तो राहत राशि में दोगुनी वृद्धि कर दी है। किसान की चिन्ता करते हुए महामहिम राज्यपाल महोदय ने अभिभाषण में वह चिन्ता व्यक्त की और बजट में कहा गया था कि कृषि के औज़ारों के अंदर सब्सिडी बढ़ाएंगे। बाइचांस मेरे नाहन विधान सभा का जो पावंटा क्षेत्र आता है वहां किसान ट्रैक्टर से काम करते हैं और आजकल इसकी इतनी

03/03/2020/1240/MS/HK/2

एक्सैप्टेंस है कि लोग दौड़े हुए आ रहे हैं। हम जय राम जी को बधाई देते हैं कि 6 लाख रुपये के ट्रैक्टर के ऊपर आज 3 लाख रुपये की सब्सिडी मिल रही है। यह किसानों की चिन्ता की बात की गई है। आपने किसान की दृष्टि से जो काम किए, वे काबिले-तारीफ हैं।

इसी तरह से पशुओं की नस्ल के सुधार के बारे में बजट के अंदर चर्चा की गई और हिमाचल प्रदेश के पशुओं को अलग से कैटेगराइज के बारे में बात की गई। इसके अलावा देशी गाय की नस्ल को सुधारने के बारे में भी बात की गई है। यह मुझे बहुत अच्छा लगा। आज भी अख़बार में ख़बर लगी है और पिछले 15 दिन से लगातार यह चला हुआ है कि हमारे पालमपुर विश्वविद्यालय और माननीय पशु पालन मंत्री जी के विभाग ने मिलकर हिमाचल प्रदेश का जो पशुधन है यानी हर जिले की गायों को भारत में पहली बार रजिस्टर्ड करके एक नया कीर्तिमान स्थापित किया और उससे हिमाचल प्रदेश के पशुओं की नस्ल सुधरेगी। साथ ही साहीवाल और दूसरी नस्लों को विकसित करने का काम भी किया। यह किसान की आमदनी को दोगुना करने के लिए एक प्रयास किया है।

जारी जे0के0 द्वारा-----

03.03.2020/1245/जेके/AG /1

डॉ0 राजीव बिन्दलः-----जारी----

आपने प्राकृतिक खेती के उपर काम किया तो किसान की आमदनी को बढ़ाने के लिए एक सक्षम प्रयास आपने किया। मैं इसमें विस्तार से नहीं जाऊंगा परन्तु मैंने अपनी बात को बल देने के लिए यह बात आपके सामने रखी। जो महामहिम् राज्यपाल महोदय ने अभिभाषण प्रस्तुत किया उसके अन्दर किसान के लिए आपने बार्बेड वायर लगाने के लिए सब्सिडी का प्रावधान किया। कर्नल धनीराम शांडिल जी का पिछली सरकार के समय सुझाव था और वह इम्पलीमेंट हुआ। आपने सोलर एनर्जी के साथ बार्बेड वायर लगाने की बात की थी, उसमें माननीय मुख्य मंत्री जी ने सब्सिडी बढ़ा दी, उसके अन्दर धन का प्रावधान बढ़ा दिया। पहली बार उसके अन्दर बार्बेड वायर लगाने का प्रावधान किया। उसके कारण हमारे किसान को उसका लाभ मिलता हुआ दिखाई देता है। मैं छोटी-छोटी बातें आपके सामने रखूंगा। किसान की आमदनी को दोगुना करने के लिए खुम्भ विकास की योजना, बहुत ही महत्वपूर्ण काम होर्टिकल्चर डिपार्टमैंट ने किया, उसका मुझे वास्तविक अमाउंट पता नहीं है। लेकिन लगभग 400 करोड़ रुपये का प्रोजैक्ट है। नाहन में कोई भी खुम्भ पर काम नहीं करता। यह पहला मौका है, वहां के लोग आगे आ करके, सरकार की सहायता ले कर खुम्ब उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। मैं यहां पर डॉ0 यशवन्त सिंह परमार जी की बात उद्धृत करना चाहूंगा कि 26 मार्च 1974 को डॉ0 यशवन्त सिंह परमार जी ने राज्यपाल महोदय के धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा पर उत्तम कृषि व्यवस्था पर जो प्वाइंट्स 1974 में कहें, इसमें कोई सन्देह नहीं है कि बाकियों ने भी इसके ऊपर काम किया , सभी मुख्य मंत्रियों ने उसमें काम किया, परन्तु मैं इस अभिभाषण के अन्दर और बजट के अन्दर जब उसको देख रहा था तो मुझे अक्षरशः प्रतीत हो रहा है कि जो कल्पना डॉ0 यशवन्त सिंह परमार जी ने वर्ष 1974 में इसी सदन के अन्दर की थी, माननीय जय राम ठाकुर जी अपनी कार्य-कुशलता के आधार पर उसको पूरा करते हुए दिखाई दे रहे हैं। किसान महत्वपूर्ण है, उसके बिना हमारा जीवन सम्भव नहीं है। ओला अवरोधक जालियां पहले से दे रहे हैं, पूर्व सरकार भी दे रही थी और आपने उसकी क्वांटिटी बढ़ाई, उसमें सब्सिडी

03.03.2020/1245/जेके/AG /2

बढ़ाई और उसकी राशि बढ़ाई। मधुमक्खी विकास योजना पहले भी थी और आज भी है लेकिन आपने उसको बढ़ाया। प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना, मेरा मानना है कि जितना इसके अन्दर सक्षम प्रयास हुआ है, आने वाले समय में हिमाचल प्रदेश में सिंचाई की स्थिति में आमूल-चूल परिवर्तन आएगा, ऐसा मुझे प्रतीत होता है। क्योंकि मुझे ऐसा दिखाई दे रहा है कि एक-एक विधान सभा क्षेत्र के अन्दर 50, 60 ,70 और 80 करोड़ रुपये के प्रोजैक्ट सरकार के पास सिंचाई योजना के भेज दिए गए हैं। यह किसान की आय को दो गुणा करने का एक सक्षम प्रयास है। किसान सम्मान निधि, मैं माननीय मोदी जी को बधाई देता हूं, माननीय श्री जय राम जी को बधाई देता हूं कि 21 जनवरी, 2020 तक महामहिम् ने उद्धृत किया कि 597 करोड़ रुपये की राशि किसानों को जारी की जा चुकी है, जिसमें 8,46,784 किसानों को इसका लाभ मिल चुका है। यह बहुत बड़ी बात है। बहुत सारी बातें हैं, बेरोजगार परेशान भी हैं, बेरोजगारों को करने के लिए बहुत कुछ करने की आवश्यकता भी है। हमारे सभी साथियों ने इस विषय को रखा परन्तु मुख्य मंत्री जी ने पिछले बजट के अन्दर और बेरोजगारी के समाधान के लिए बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए 2019-20 के बजट के पृष्ठ 77 के ऊपर कहा था कि हम मुख्य मंत्री स्वावलम्बन योजना चलाएंगे।

श्री एस.एस. द्वारा जारी-----

03.03.2020/1250/SS-AS/1

डॉ0 राजीव बिंदल क्रमागत :

मैंने डायरेक्टर इंडस्ट्री से डाटा निकाला। 80 करोड़ रुपये का प्रावधान 2018-19 में किया गया और 2019-20 के अंदर 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया तथा माननीय राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण के अंदर उसको उद्धृत किया। तो यह दस्तावेज़ है। कई बार लगता है और हम लोग कहते हैं कि नहीं यह तो राज्यपाल महोदय से जो चाहा वह बुलवा लिया। मैं यह कहना चाहूंगा कि जो अक्षरशः कहा, वह किया। परमार साहब, अब हमारे

स्पीकर साहब बन गए हैं, पहले यहां पर स्वास्थ्य मंत्री थे। पिछले बजट के अंदर माननीय मुख्य मंत्री जी ने यह प्रस्तुत किया, अभिभाषण के पृष्ठ 42 और 43 के ऊपर आयुष्मान भारत के अंतर्गत 3.12 लाख परिवारों को गोल्डन कार्ड जारी किये गए। कई बार अध्यक्ष महोदय, ऐसा लगता है कि कुछ नहीं हुआ। मैं जब स्वास्थ्य मंत्री था तो हमने 30 हजार रुपये का स्वास्थ्य बीमा किया था और हमें लगता था कि हमने बहुत बड़ा काम कर दिया। लगभग साढ़े 3 लाख परिवारों का स्वास्थ्य बीमा कर दिया और उनको 1.75 लाख रुपया क्रिटिकल केयर के लिए दिया। वास्तव में हमें लगता था कि बहुत बड़ी बात है तथा इम्प्लीमैंट हो रहा था। मैं माननीय जय राम ठाकुर जी की सरकार और माननीय अध्यक्ष महोदय को बधाई देता हूं कि 3.12 लाख परिवारों का गोल्डन कार्ड बना करके 39685 रोगियों को इसका लाभ दे दिया गया। इससे ज्यादा सरकार और क्या कर सकती है? यह बहुत बधाई की बात है। अब यह तो केन्द्र सरकार की योजना है उसके अंदर प्रदेश की सरकार ने अपना टॉप अप हिम केयर योजना डाला और उसमें भी वही लाभ मिल रहे हैं। 3.12 लाख परिवार आयुष्मान भारत योजना में आए और 393609 परिवार हिम केयर योजना के अंतर्गत आ गए। इस प्रकार लगभग 7 लाख परिवारों को लाभ मिल गया। मु0 58 करोड़ रुपये का लाभ इसके अंतर्गत मिला। कहना आसान है, गरीब आदमी को अगर यह 50 हजार रुपये का रिइम्ब्रसमैंट मिल जाता है, उसको इलाज मिल जाता है तो उसकी स्थिति यह होती है कि ज़मीन-आसमान बदल जाता है। सरकार इतना ही यहां पर रुकी नहीं है। आपने मुख्य मंत्री चिकित्सा सहायता कोष शुरू किया। मुख्य मंत्री निःशुल्क दवा कोष शुरू किया। मुझे पिछले दिनों कुछ कैमिस्ट मिले। वे कहने लगे, साहब हमारी हालत खराब हो गई है। आजकल तो अस्पताल के अंदर दवाइयों के ढेर लगे हुए हैं। प्रैस्क्रिप्शन बाहर बहुत कम

03.03.2020/1250/SS-AS/2

निकलती है। अर्थात् केन्द्र की सरकार ने आयुष्मान भारत शुरू किया और प्रदेश की सरकार ने हिम केयर शुरू किया तो यह डबल इंजन का सबसे अच्छा उदाहरण है। इसको हम यहां पर कहना चाहेंगे।

माननीय अध्यक्ष महोदय, जल जीवन मिशन के बारे में बहुत ज्यादा चर्चा नहीं करूंगा। परन्तु मैं भी इस माननीय सदन में पांचवीं बार चुनकर आया हूं शायद आज तक यह कभी

नहीं हुआ। माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के पृष्ठ-24 के ऊपर जो उद्धृत किया गया है, वह अति महत्वपूर्ण है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत 2896 करोड़ रुपया, 327 पेयजल योजनाएं, मैं कहूंगा कि न भूतो न भविष्यति, एक बार में पिछले 50 साल के अंदर न कभी इतना पैसा पेयजल के लिए मिला होगा और शायद आने वाले समय में भी इतना पैसा नहीं मिलेगा। यह मैं आपको कहना चाहूंगा। केन्द्र सरकार का हमको आभार व्यक्त करना चाहिए। मोदी जी का आभार व्यक्त करना चाहिए। माननीय जय राम ठाकुर जी को बधाई देनी चाहिए और ठाकुर महेन्द्र सिंह जी को भी उनकी कार्यकुशलता व कार्यदक्षता के लिए बधाई देनी चाहिए। साथियों, इसके विस्तार में जाया जा सकता है। कितना भी विस्तार किया जा सकता है

जारी श्रीमती के0एस0

03.03.2020/1255/केएस/एएस/1

डॉ0 राजीव बिन्दल जारी---

पेयजल की और भी बहुत सारी बातें हैं, मैं उसकी चर्चा में बहुत ज्यादा नहीं जाऊंगा। उसी के ऊपर अपने आप को सीमित करुंगा परन्तु एक बहुत बड़ी उपलब्धि जिसके ऊपर रूलिंग साइड के लोगों को तो अपने आप को बधाई देनी ही चाहिए परन्तु कहीं न कहीं प्रतिपक्ष के मेरे साथियों को भी विचार करना चाहिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में आज तक के इतिहास में एक भी मल निकासी योजना नहीं बनी है। यह पहला मौका है जब ग्रामीण क्षेत्रों के अंदर मल निकासी योजनाएं बननी शुरू हुई हैं और राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में इसका ज़िक्र है और बजट में जो कहा, वह किया। 27.51 करोड़ रुपये के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के अंदर मल निकासी योजनाएं आपने शुरू करने का प्रावधान किया है और वे शुरू हो गई हैं, इसके लिए मैं माननीय जय राम जी की सरकार को बधाई देता हूं। मैं जल शक्ति मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा, मंत्री जी, आपने कुछ और मल निकासी योजनाओं की, मनाली, मण्डी, परवाणू आदि की बात की और इसके लिए कोई लम्बा-चौड़ा बजट भी रखा है परन्तु नाहन का नाम आपने इसमें नहीं लिखा है। आपने AA&ES जारी की है परन्तु इसमें लिखी नहीं है।

जल शक्ति मंत्रीः नाहन के लिए मुख्य मंत्री जी ने 10 करोड़ रुपये दे दिए हैं।

डॉ0 राजीव बिन्दलः मंत्री जी, मैं अध्यक्ष महोदय जी से कहूंगा, आपको माइक देंगे, तब आपने बोलना ताकि रिकॉर्ड हो जाए।

श्री विनय कुमारः बिन्दल जी, आप पूरे सिरमौर की बात करें, केवल नाहन के बारे में ही न कहें।

डॉ0 राजीव बिन्दलः अध्यक्ष महोदय, पांवटा साहिब में मल निकासी की योजना कम्पलीशन पर है। तीन ही अर्बन एरिया हैं, राजगढ़, पांवटा और नाहन। राजगढ़ की मल निकासी योजना की सेंक्शन माननीय मुख्य मंत्री जी ने दे दी है और आप क्योंकि वहां के वरिष्ठ विधायक हैं, आप ज़रा डाटा ले लेना। माननीय जल शक्ति मंत्री जी आप इनको डाटा दे देना। ...(व्यवधान)

03.03.2020/1255/केएस/एएस/2

अध्यक्षः माननीय सदस्य, कृपया बैठे-बैठे न बोलें।

डॉ0 राजीव बिन्दलः अध्यक्ष महोदय, मैं विस्तार में नहीं जाना चाहता। कई बार अख़बारों में भी चर्चा आती है और इस सदन के अंदर भी चर्चा होती है। पहले तो मैं अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठकर सुनता रहता था लेकिन आज मैंने थोड़ा सा डाटा निकालने की कोशिश की। कैसे-कैसे अंतर आता है, कैसे-कैसे प्रदेश का विकास प्रभावित होता है, उसको ज़रा नोटिस करने की ज़रूरत है। माननीय मुख्य मंत्री जी लोक निर्माण मंत्री भी हैं, हर्षवर्धन जी, आप भी ध्यान दें कि सी.आर.एफ., केन्द्र सरकार का बजट है और मैं केवल दो साल की बात करुंगा, हमारे आदरणीय, पूज्यनीय माननीय वीरभद्र सिंह जी मुख्य मंत्री थे, वर्ष 2013-14 के अंदर 2014 और 2015, दो साल के अंदर सी.आर.एफ. में 104.52 करोड़

रुपये हिमाचल सरकार को मिले और 2018-19 और 2019-20 के अंदर दिल्ली में मोदी जी की सरकार है और यहां जय राम जी की सरकार है तो 466.36 करोड़ रुपया, यानि साढ़े चार गुणा पैसा ज्यादा मिला, फिर कहते हैं साहब यह डबल इंजन नहीं है, साहब यह डबल इंजन है। मैं थोड़ा और आगे चलता हूं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष जी, अ0व0 की बारी में.

03.03.2020/1300/av-dc/1

अध्यक्ष : मेरा पक्ष और विपक्ष के सभी माननीय सदस्यों से आग्रह रहेगा कि कृपया बैठे-बैठे न बोलें।

डॉ0 राजीव बिन्दल : अध्यक्ष महोदय, प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की देन है। उसके बाद सरकारे आईं और सबने यह योजना आगे चलाई। आदरणीय मनमोहन सिंह जी की सरकार आई और उन्होंने भी इसको कंटीन्यू किया। वर्ष 2013-14 और वर्ष 2014-15 में प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 523.79 करोड़ रुपये की राशि मिली थी तथा वर्ष 2018-19 व वर्ष 2019-20 के अंदर जय राम जी की सरकार में 2415 करोड़ रुपये की राशि मिली। अब आप 523 करोड़ रुपये और 2415 करोड़ रुपये की राशि में खुद ही तुलना कर लीजिए और इसका मतलब यह हुआ कि हमें कहीं-न-कहीं तो चिंतन व आत्म अवलोकन करना पड़ेगा कि हम कितनी चिंता करते थे। हम केंद्र में कितनी बार जाते थे और वहां जाकर मामलों को आगे परसू करते थे। माननीय मनमोहन सिंह जी मना नहीं करते थे परंतु हम चिंता ही नहीं करते थे और मामले को केंद्र सरकार तक लेकर ही नहीं जाते थे। यहां पर सड़कों के बारे में कई बार कहा जाता है और मुझे उसमें नहीं जाना क्योंकि माननीय मुख्य मंत्री जी अपनी बात स्वयं कहेंगे। लेकिन कई बार कहा जाता है कि चॉपर में जाते हैं इसलिए मैंने स्टेट हैड का हिसाब भी निकाला। वर्ष 2013-14 व वर्ष 2014-15 में 104.52 करोड़ रुपये सड़कों की मरम्मत व रख-रखाव के लिए आवंटित किया गया तथा जय राम जी की सरकार जो चॉपर में चलती है उसके दो वर्ष के कार्यकाल में वर्ष 2018-19 व वर्ष 2019-20 के अंदर 466 करोड़ रुपये यानी साढ़े चार गुना ज्यादा पैसा आवंटित किया गया। मैं इसमें बहुत ज्यादा नहीं जाऊंगा परंतु मुझे आपसे आग्रहपूर्वक केवल इतना कहना है कि हम इस बारे में थोड़ा आत्म

अवलोकन जरूर करें। यहां पर बहुत चर्चा की जाती है कि कर्ज़ ले लिया। हां लिया, इसमें शक की कोई बात नहीं है। कर्ज़ ले रहे हैं और कर्ज़ लेकर के काम करना पड़ेगा। लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि क्योंकि हम इस सदन के अंदर बहुत वरिष्ठ लोग हैं, कई माननीय सदस्य तो तीन, चार, पांच, छः, सात या आठ बार जीतकर आ चुके हैं। हिमाचल प्रदेश के ऊपर वर्ष 1993 में 1870 करोड़ रुपये का कर्ज़ था और मुझे लगता है कि ये सारी बातें हमारे ध्यान में रहनी चाहिए। वर्ष 1998 में यह कर्ज़ बढ़कर 5885 करोड़ रुपये हो गया।

03.03.2020/1300/av-dc/2

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, कृपया आप एक मिनट के लिए बैठ जाइए।

दोपहर के भोजन का समय 1.00 बजे अपराह्न है। इसलिए मैं पूछना चाहता हूं कि यदि माननीय सदस्य अपनी बात 15 मिनट में समाप्त कर लें तो सदन की कार्यवाही 1.15 बजे अपराह्न तक बढ़ाई जाती है।

डॉ0राजीव बिन्दल : अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात 15 मिनट में समाप्त कर दूंगा। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष : हमने यहां पर सभी माननीय सदस्यों को बोलने के लिए खुला समय दिया है। ...(व्यवधान)

डॉ0 राजीव बिन्दल : अध्यक्ष महोदय, मैं जल्दी खत्म करूंगा, आप चिंता न कीजिए। वर्ष 1998 में 5885 करोड़ रुपये, वर्ष 2002 में 12393 करोड़ रुपये ...(व्यवधान) मैं यह नहीं बोल रहा हूं। मैं यह कह रहा हूं कि धूमल साहब ने भी लिया, वीरभद्र सिंह जी की सरकार ने भी लिया और जय राम जी की सरकार भी ले रही है। ...(व्यवधान) मैं उस बात पर भी आ रहा हूं। वर्ष 2002 में 12393 करोड़ रुपये और यही चलकर वर्ष 2007 में 19726 करोड़ रुपये हो गया। वर्ष 2007 के बाद फिर हमारी सरकार आई, हमने वर्ष 2013 में जब आगे सरकार हैंडओवर की तो यह कर्ज़ बढ़कर 28513 करोड़ रुपये हो गया था। वर्ष 2017 में जब

सरकार बदली तो यह 46385करोड़ रुपये हो गया जोकि अब 51,000 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष : कृपया माननीय सदस्य की बात सुनें। आप लोगों को जब बोलने का मौका मिलेगा तो आप बोल लेना। ...(व्यवधान) आपको (श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु) भी राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर हो रही चर्चा पर बोलने का मौका मिलेगा।

डॉ0राजीव बिन्दल टी सी द्वारा जारी

03.03.2020/1305/TCV/DC-1

डॉ0 राजीव बिन्दल : माननीय अध्यक्ष जी, मैं केवल इतना कहना चाह रहा हूं, मैं कंटैस्ट नहीं करना चाहता हूं । मैं यह कहना चाह रहा हूं कि कर्ज़ हिमाचल प्रदेश के विकास के लिए लिया गया परंतु जो कर्ज़ आज तक अक्यूमुलेट हुआ है उसके इंट्रस्ट पर हर साल 4,550/- करोड़ रुपया सरकार को देना पड़ता है और 3200/- करोड़ रुपया री-पेमैंट का देना पड़ता है। सरकार को 7,750/- करोड़ रुपया केवल री-पेमैंट और इंट्रस्ट के ऊपर देना पड़ रहा है। ये कर्ज़ की हालत है। ... (व्यवधान)

अध्यक्षः माननीय सदस्य, बैठे-बैठे न बोलें।

डॉ0 राजीव बिन्दलः अध्यक्ष महोदय, मैं 2 विषय और रखकर अपनी बात को ख़त्म करूंगा। अख़बारों में छपा और यहां सदन में भी चर्चा हुई तो मैंने कुछ आंकड़े निकालें। 13वें वित्तायोग में केन्द्र में कांग्रेस पार्टी की सरकार थी और माननीय मनमोहन सिंह जी और श्रीमती सोनिया जी सरकार में थे। उस समय हिमाचल प्रदेश में माननीय श्री वीरभद्र सिंह जी की सरकार थी। एनुअल ग्रांट का अवार्ड 4,338.04 करोड़ रुपये का हुआ। इसमें जो देखने वाली बात है, वह यह है कि पूरे देश में 126 प्रतिशत का इंक्रीज़ हुआ और हिमाचल प्रदेश को 50 प्रतिशत का इंक्रीज़ मिला। यदि देश की ऐवरेज़ के हिसाब से हमारा इंक्रीज़ होता तो हमारे प्रदेश को 10,725/- करोड़ रुपये का फ़ायदा होता। यह नुकसान केवल और केवल केन्द्र की कांग्रेस सरकार की वज़ह से हुआ है। ... (व्यवधान)

अध्यक्षः माननीय सदस्य, कृपया बैठे-बैठे न बोलें।

डॉ0 राजीव बिन्दलः मैं अपने आप को करैक्ट करता हूं। 13वें वित्तायोग में प्रदेश में प्रो0 प्रेम कुमार धूमल जी की सरकार थी। ... (व्यवधान) आप सुनिये। केन्द्र की सरकार ने हमारे प्रदेश के साथ ये अन्याय किया और उस समय भी हमने सैशन के दौरान यह बात रखी थी। 14वें वित्तायोग में केन्द्र में मोदी जी की सरकार आ गई थी, हिमाचल प्रदेश को 14,707/- करोड़ रुपया मिला और 50,000/- करोड़ रुपये का 5 साल के अंदर बेनिफिट मिला। ये होती है डबल इंज़न की सरकार। ... (व्यवधान)

अध्यक्षः माननीय सदस्य महोदय, आप अपनी कुर्सी से उठ कर क्यों बोल रहे हैं?

03.03.2020/1305/TCV/DC-2

डॉ0 राजीव बिन्दलः राष्ट्रीय स्तर पर 163 प्रतिशत इंक्रीज़ हुआ और प्रदेश के स्तर पर 232 प्रतिशत इंक्रीज़ हुआ है। हिमाचल प्रदेश को मोदी जी अपना दूसरा घर कहते हैं। ... (व्यवधान) मेरे पास डॉक्यूमैंट है और मैं इसको यहां पर ले करूंगा। हिमाचल प्रदेश और बाकी राज्यों का शेयर 32 प्रतिशत से बढ़ा करके 42 प्रतिशत किया गया। ... (व्यवधान) उसके बाद 15वां वित्तायोग आ गया और इसमें एक साल के लिए 19,309/- करोड़ रुपया किया गया और 5000 करोड़ रुपये का इजाफ़ा हुआ। ये डबल इंज़न की सरकार है और डबल इंज़न से विकास की गति आगे बढ़ी है। ... (व्यवधान) हमारे साथ क्या-क्या हुआ, दिल्ली के अंदर कांग्रेस की सरकार और हमारा विशेष स्टेटस, 90:10 का डाक्यूमैंट मेरे पास है।

एन0एस0 द्वारा .... जारी

03-03-2020/1310/NS/HK/1

डॉ0 राजीव बिन्दल .....जारी

यूनियन बज़ट इन ब्रीफ़ वर्ष 2015-16 दिनांक 15 फरवरी, 2015 को हिमाचल प्रदेश को 90:10 का स्टेट्स मोदी जी ने दिया और इसके कारण हज़ारों रुपये का लाभ हो रहा है। ...(व्यवधान) कहां-कहां जाओगे? आपने हिमाचल को जितने ज़ख्म दिए उसका हिसाब हिमाचल की ज़नता चुन-चुन करके आपसे लेगी। आप कहां हिसाब देंगे? साथियो, मैं अपनी बात को समाप्त करता हूं क्योंकि महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में बहुत सारी बातें हैं और उन पर न जाते हुए पन्ना एक व दो के ऊपर केवल एक इश्यू की चर्चा करूंगा। ...(व्यवधान) धरती पर रहना मेरा शौक है साथियो और अटल जी ने कहा था कि मुझे इतनी ऊंचाई कभी मत देना, अपनों को गले न लगा सकूं और परायों के साथ न रह सकूं। इसलिए नीचे आया हूं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, हमारा प्रदेश जहां देव भूमि है वहीं वीर भूमि भी है। मैं एक आंकड़ा देख रहा था। यहां पर धारा-370 के बारे में भी बात आई। यहां पर चर्चा हुई कि धारा-370 हटा दी, क्या मिला? अच्छा होता अगर हमारे विपक्ष के साथी खुल कर धारा-370 को हटाने के पक्ष में खड़े होते। मैंने पूरा आंकड़ा निकाला है। कश्मीर के अंदर जो लगातार किलिंग्ज़ हो रही थी उसका आंकड़ा मेरे पास है। धारा-370 हटने के बाद पिछले 10 वर्षों के अंदर आंकड़ा 500 से स्लैश करके 15 के ऊपर आ करके खड़ा हो गया है यानी वहां पर होने वाली मृत्यु दर में कमी आई है। ...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, हमारा पड़ौसी राज्य और जिस तरह से वहां पर कत्लेआम चला हुआ था उसके अंदर एकदम से शांति आई तथा भारत उत्तर से ले करके दक्षिण तक एक हुआ है। महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में लिखा था इसलिए मैंने थोड़ा-सा उद्धृत किया, समाप्त करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि हमारे साथियों को थोड़ा चिंतन करना चाहिए। कांग्रेस पार्टी भारत की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी रही है। 444 सीटें पार्लियामैंट के अंदर और 28 के 28 राज्यों के अंदर कांग्रेस की सरकारें रही हैं और आज इनको थोड़ा चिंतन करना चाहिए कि 4.5 प्रतिशत के ऊपर खड़े हो गए हैं। यह बहुत चिंता का विषय है। जब कभी आप नेशनल इश्यूज़ से किनारा करेंगे, राष्ट्रीय मुद्दों को दरकिनार करेंगे, विचारधारा से किनारा कर देंगे और पूजनीय गांधी जी की

विचारधारा से किनारा करने के कारण आज यह स्थिति विपक्ष की पार्टी की आ करके खड़ी हो गई है। भारतीय ज़नता पार्टी की राजनीतिक उपलब्धि की परिकाष्ठा मैं कहूंगा यह परिकाष्ठा है और 68 विधान सभा क्षेत्रों के अंदर पार्लियामैंट के चुनाव में 68 के 68 विधान सभा क्षेत्रों में लीड प्राप्त करना राजनीति की परिकाष्ठा है। " न भूतो, न भविष्यति" न पहले कभी हुआ और न बाद में कभी होगा। ...(व्यवधान) हमारी सरकार का जो एक साल का दस्तावेज़ है इसे महामहिम राज्यपाल महोदय ने यहां पर प्रस्तुत किया है और इसके ऊपर धन्यवाद ज्ञापन के लिए जो विषय यहां पर आए हैं उसके लिए

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

03.03.2020/1315/RKS/HK-1

डॉ0 राजीव बिन्दल... जारी

मेरी एक छोटी-सी राय है आप बड़े लोग हैं अगर आप इसे स्वीकार करेंगे तो इसमें आपका बड़पन है। अच्छी बात को स्वीकार कीजिए और जहां पर कटाक्ष करना है वहां पर कटाक्ष भी कीजिए। अगर आप कटाक्ष करेंगे तो यह सरकार को भी सहन करना चाहिए। मुझे केवल इतना कह कर अपनी बात को समाप्त करना है कि यह दो साल, विशेषरूप से पिछला एक साल जिसके बारे में महामहिम द्वारा अपना अभिभाषण प्रस्तुत किया गया व माननीय सदस्य, श्री बलबीर सिंह जी द्वारा उसके ऊपर धन्यवाद ज्ञापन दिया गया, यह वास्तव में काबिले तारीफ है। मैं महामहिम का इस भाषण के लिए धन्यवाद करता हूं और जय राम सरकार को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। अध्यक्ष महोदय, आपने महामहिम के अभिभाषण पर मुझे बोलने का समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

अध्यक्षः अब इस माननीय सदन की बैठक दोपहर के भोजन के लिए अपराह्न 02:15 बजे तक स्थगित की जाती है।

श्री बी.एस.द्वारा... ज

03.03.2020/1420/बी.एस./वाई.के./-1

(माननीय सदन की बैठक दोपहर के भोजनोवकाश उपरांत 02.20 बजे अपराह्न पुनः आरम्भ हुई)

अध्यक्ष : राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा के लिए अब श्रीमती आशा कुमारी जी हिस्सा लेंगी।

श्रीमती आशा कुमारी (डलहौजी) : माननीय अध्यक्ष महोदय, 25 फरवरी, 2020 को माननीय राज्यपाल महोदय ने अपना अभिभाषण इस माननीय सदन में रखा जिस पर 27 फरवरी, 2020 को आदरणीय सदस्य श्री बलबीर सिंह जी ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा और आदरणीय सदस्य श्री राकेश जम्वाल जी ने उसका अनुसमर्थन किया। इस चर्चा में भाग लेने के लिए आपने मुझे समय दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष महोदय, इससे पूर्व की में अभिभाषण पर बोलूं, 26 तारीख को मैं माननीय सदन में उपस्थित नहीं थी। उस दिन स्वर्गीय कृष्णा मोहिनी जी का शोकोद्गार यहां पर रखा गया था। उस समय मेरी माता जी के लिए भी माननीय मुख्य मंत्री जी एवं विपक्ष के नेता और अन्य माननीय सदन के सदस्यों ने अपने उद्गार व्यक्त किए थे। मैं आपका और इन सभी माननीय सदस्यों का धन्यवाद करना चाहती हूं। मेरी माता जी अविभाजित मध्य प्रदेश विधान सभा की सदस्य और कई मंत्रालयों में मंत्री भी रही है। वे मूलतः शिमला जिला के जुब्बल की रहने वाली थी। उस नाते उनका हिमाचल प्रदेश से ही संबंध रहा। आदरणीय बरागटा जी के चुनाव क्षेत्र के राजघराने से उनका संबंध था। उस दिन हमारी नैशनल कांग्रेस की मीटिंग थी इसलिए मैं यहां पर उपस्थित नहीं हो सकी। जितने भी माननीय सदस्यों ने शोगोद्गार में भाग लिया उनका और माननीय अध्यक्ष महोदय का ह्दय से आभार व्यक्त करती हूं कि जिन्होंने यह बात रखी कि यह शोकोद्गार हमारे तक पहुंचा दिए जाएंगे। मैंने इस बारे में अपने परिवार में बता दिया था। मैं फिर से सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहती हूं।

अध्यक्ष महोदय, आदरणीय राज्यपाल महोदय का अभिभाषण 02.15 घंटे तक पढ़ा गया। मुझे पता नहीं था परंतु माननीय राकेश पठानिया जी ने बताया कि उनके घुटनों का ऑपरेशन हुआ है। उसके बावजूद उन्हें सवा दो घंटे दस्तावेज पढ़ने के लिए यहां पर खड़े रखा। इसलिए मेरी पूरी सहानुभूति माननीय राज्यपाल महोदय के साथ है। राज्यपाल का

03.03.2020/1420/बी.एस./वाई.के./-2

अभिभाषण राज्यपाल महोदय स्वयं नहीं लिखते हैं। इसे मंत्रिमण्डल और नौकरशहों ने लिखा और उन्होंने आकर पढ़ लिया।

आदरणीय बिन्दल जी अभी हाउस में नहीं हैं और वे तो रहते ही नहीं हैं। अभी एक मात्र मंत्री यहां पर बैठे हैं मैं इनकी धन्यवादी हूं कि ये यहां पर बैठे हैं। बाकी मंत्री भी यहां पर उपस्थिति नहीं हैं और न यहां पर कैबिनेट न कोई अधिकारी बैठे हैं, वे सभी जानते हैं कि यह फालतू का दस्तावेज बनाया गया है। इसका कोई मतलब नहीं है इसलिए इस संबंध में क्या बात सुननी और क्या बात कहनी है। आदरणीय बिन्दल जी अब अपनी पार्टी के अध्यक्ष हो गए हैं। उन्होंने बड़ी चतुराई से अपना भाषण दिया। वित्तायोग को ले करके वे कुछ आकंड़े गलत बोल गए और कुछ को उन्होंने सही कहने का प्रयास भी किया और कुछ सही नहीं भी कर पाए। मैं शुरू करुंगी शुरूआत से ही।

श्री डी.टी. द्वारा जारी...

03.03.2020/1425/DT/YK-1

श्रीमती आशा कुमारी.... जारी

जो अभिभाषण के पहले और दूसरे पन्ने हैं, ये पढ़ने कैसे दिए गए? इसलिए नहीं कि यह हमारी विधान सभा से संबंधित नहीं हैं। जो राष्ट्र से संबंधित है वह हमसे भी संबंधित है। मगर विधानसभा के नियमानुसार जो मामले न्यायालय में चल रहे हों उसका जिक्र विधान सभा में नहीं होता। आर्टिकल 370 में तो आज भी सुनवाई हो रही है। आज सी.ए.ए. पर अलग से पीटिशन लगी हुई है, सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट सुनवाई कर रहा है और हम यहां पर इसको डिस्कस कर रहे हैं। क्या यह हमारे रूल्ज के मुताबिक प्रोपर है। यह सही बात है

कि हिमाचल प्रदेश की विधान सभा नियम से चलती है। आप तो अभिभाषण के दूसरे दिन अध्यक्ष बने इसलिए आपको जिम्मेवार नहीं ठहराया जा सकता। मगर विधान सभा सचिवालय को भी यह बात देखनी चाहिए कि अंडर रूल्ज क्या चीज परमिसिबल नहीं है? माननीय सदस्य जो वकालत करते हैं वे इस बात से सहमति रखेंगे that this matter is highly sub-judice. इसमें एक और चीज है इसमें लिखा है "by promulgating this order, Section-370 has been abolished". Who says it has been abolished? किसने कहा? Section-370 has not been abolished. Hon'ble Agriculture Minister, welcome, I am happy that you have also come. So nice of you. Section-370 has not been abolished. Some presidential order has been passed in this, for making changes to the presidential order which was passed earlier. It has been abrogated. Article 370 exists in the Constitution of India in an amended form, so, you cannot write that it has been abolished. …(Interruption) I am sorry. I know my English and if you don't know, it's not my problem. Okay. So, it is not abolished. Some portions of that have been abrogated, portions of that have been brought out differently. …(Interruption) What are you saying? आपका किसने नाम लिया? Mr. Ram Lal Markanda, what is derogatory? अध्यक्ष महोदय, मुझे बताइए what is derogatory? We will decide it right now, I am seating down. …(Interruption).

03.03.2020/1425/DT/YK-2

अध्यक्षः माननीय सदस्य, कृपया अपनी बात जारी रखिए।

श्रीमती आशा कुमारीः मैं जानती हूं कि महिलाओं के प्रति आपकी क्या मानसिकता है? But what is derogatory? Please, kindly explain it to me. Do you even know the meaning of the derogatory? …(Interruption).

अध्यक्षः माननीय सदस्य, कृपया चेयर को अड्रैस करें।

Smt. Asha Kumari : …(Interruption). I agree. This is not correct. यह मुझे बोल रहे हैं तो मैं इन्हीं को बोलूंगी। सर, मैं आपकी तरफ ही देख रही हूं। मैंने तो सिर्फ इनको यही कहा कि I am happy that he has come and we welcome him. So, what is derogatory? Anyways, Mr. Speaker, Sir, coming back to this document. It should be corrected. It has not been abolished but it has been changed and some provisions have been left out. वह ठीक है, वह किया है। उसके ऊपर कंस्टिट्यूशन बैंच और सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा है। उनका फैसला आएगा, जब फैसला आएगा तो उस पर चर्चा होगी। जहां तक अपैक्स कोर्ट के रिर्गाडिंग राम मंदिर की बात है, Ram Mandir is most welcome. अपैक्स कोर्ट के फैसले का हम समर्थन करते हैं। हम जिला चम्बा के रहने वाले हैं और हम शिव भक्त हैं। शिव का मंदिर बनेगा, माता का मंदिर बनेगा या कोई और धार्मिक चीज बनेगी तो भी हम धन्यवाद करेंगे। हम किसी धर्म के विरुद्ध नहीं हैं। We are for all religions, and for all Gods in our own religion. राम मंदिर, शिव मंदिर और माता का मंदिर बनेगा, हम उसका स्वागत करेंगे। हम सभी मंदिरों का स्वागत करेंगे। अध्यक्ष महोदय, जहां तक सी.ए.ए. की बात है I don't think 80 to 90 per cent of the people of India even understand what is CAA.

श्री एन.जी. द्वारा... जारी

03-03-2020/1430/ए.जी.-एन.जी./1

श्रीमती आशा कुमारी जारी.....

पहली बात यह एक Amendment है। Citizenship Amendment Act 1955 का है और उसके बाद इसमें Amendments हुई हैं। Amendment एक आडवानी जी ने मूव की थी, जब उनकी सरकार थी और एक उससे पहले मूव हुई थी। आडवानी जी के समय में यह define किया गया कि who is an illegal immigrant? जोकि original act में define नहीं था। उससे पहले जब एक्ट Amend हुआ it was to decide what is the naturalize citizenship. It means if you are born in India, you are Indian Citizen and who to give citizenship to, वह तो Government of India के पास पावर पहले से ही है और यदि पवार न होती तो अदनान सामी को किसने नागरिकता दी? Is Adnan Sami a Hindu; is he a Sikh; is he a

Budh; or is he a Christian? No, he is a Muslim. But from where that power came. That power comes from the Citizenship Act which is there already. This Act was only to posture this amendment. We are not against or for what has been done in the Act, but we are against the way the Constitution has been broken. Articles 14 and 15 of the Constitution of India say हिन्दुस्तान में रहने वाले हर हिन्दुस्तानी को उसके caste, creed or religion के हिसाब से नहीं बल्कि उसका हर चीज़ पर बराबरी का हक् है any person who is an Indian citizen. That is what we are opposed to that India does not work on caste, creed or religion. We oppose that. I am saying that on behalf of Congress Party. We oppose it. संविधान के साथ कोई भी छेड़छाड़ होगी तो कांग्रेस पार्टी उसका विरोध करती है और आगे भी करेगी, चाहे वह ये हो या कुछ और होगा। भारत वर्ष में आप इसके नतीजे देख रहे हैं, दिल्ली में आग लगी हुई है, मेघालय में आग लगी हुई है, आसाम में आग लगी हुई है, बंगाल में आग लगी हुई है, हिन्दुस्तान के कौने-कौने में बम्बई जैसी जगह पर लोग सड़कों पर उतरे हुए हैं।

03-03-2020/1430/ए.जी.-एन.जी./2

यह तो शुक्र है कि हमारी देवभूमि में ऐसा कुछ नहीं है जिससे इस तरह की स्थिती पैदा हो लेकिन जब आग लगती है तो वह ये नहीं देखती कि किसका, कहां और क्या जला देगी। अध्यक्ष महोदय, मैने बारमबार मुख्य मंत्री महोदय से कहा और आज आपके माध्यम से फिर कहूंगी कि वह दृष्टि पत्र कहां है, जिसको ये कहते हैं कि पूरा कर दिया गया है। मैंने पहले भी निवेदन किया था कि आपने मैनिफैस्टो तो बनाया नहीं था, आपने इन्टर्नल कोई दृष्टि पत्र बनाया था। Where is that document? मैंने पहले भी रिक्वेस्ट किया और आज भी रिक्वेस्ट कर रही हूं कि उस दृष्टि पत्र की एक प्रति को सभा पटल पर रखा जाए ताकि सभी माननीय सदस्यों को आपकी दृष्टि का पता चल सके कि दृष्टि थी क्या, जिसको ये कहते हैं कि पूर्ण हो गई। मेरे हिसाब से इन्होंने ऐसा कोई काम नहीं किया है जिससे यह अपनी पीठ थपथपा पाएं। Global Investors Meet पर बहुत चर्चा हुई। Global Investors Meet करना कोई नई बात भी नहीं है और कोई बुरी बात भी नहीं है। I concede the point करना भी चाहिए और हर स्टेट को करना चाहिए। आज हिन्दुस्तान के हालात क्या हैं, what is the actual condition

of the country? क्या कोई हिन्दुस्तान में इन्वेस्ट करने आ रहा है। आपने Invest in India चालु किया वह नहीं चला, आपने Make in India चालु किया वह नहीं चला उसके बाद आपने Assemble in India चालु किया वह भी नहीं चला और आज आपकी स्थिती यह है, अध्यक्ष महोदय आपके माध्यम से मैं याद दिलाना चाहूंगी कि हिन्दुस्तान की जी.डी.पी. आज गिर कर के 4.7 प्रतिशत रह गई है, which is lowest ever in the history of the country. अध्यक्ष महोदय, यदि माननीय सुब्रह्मण्यम् स्वामी जोकि भारतीय जनता पार्टी के सांसद हैं उनकी बात मानी जाए तो यह आंकड़ा केवल 2 प्रतिशत है। यह उनका कहना है, हमारा कहना नहीं है और न ही मैं इसको authenticate करती हूं। उनका कहना है कि यह फर्जी आंकड़ों से 4.7 प्रतिशत है actual जी.डी.पी. केवल 2 प्रतिशत है। आपकी industrial growth गिर गई, आपके exports और imports कम हो गए हैं, आपके auto sector में manufacturing कम हो गई है, There is no money in the market. Demonetization was the biggest *dhakka* to the Indian economy.

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

03/03/2020/1435/MS/AG/1

श्रीमती आशा कुमारी जारी-------

जब से नोटबंदी हुई है हिन्दुस्तान की इकॉनोमी अपने स्थान पर वापिस नहीं आई और जिनके पास पैसे थे; मेरे से पूर्व सदस्यों ने भी कहा, वे उसे लेकर विदेश भाग गये। उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। आज भी जो एन0पी0एज0 हैं वे बढ़ते जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, यदि गांव के किसी व्यक्ति के पास बैंक का 20000/-रुपये देने को हो जाता है तो बैंक वाले आकर उसकी कुर्की करवाने को खड़े हो जाते हैं। वह कौन सा सैक्शन है जिसमें बेदख़ल करते हैं; जगत सिंह नेगी जी अच्छे से जानते हैं। उस व्यक्ति को बेदख़ल करने की कार्रवाई शुरू कर देते हैं कि भई इसका 20000/-रुपये देने को है। जो 20 हजार करोड़ रुपये लेकर के भाग गए उनको पूछने वाला कोई नहीं है। एक-दो-तीन और चार नहीं बल्कि सैंकड़ों की तादाद में ऐसे लोग भागे हैं।

अध्यक्ष महोदय, दिल्ली में जब हमारी सरकार थी तो वहां मेरी सुषमा स्वराज जी से अच्छी जान-पहचान थी और मैं उनका बड़ा आदर भी करती थी। उन्होंने एक बार संसद में भाषण दिया। वे बहुत अच्छे तरीके से बोलती थीं । was a great fan of her. She was a

great speaker and very good human being. और उन्होंने संसद में यह कहा कि जैसे-जैसे डॉलर की साख गिरती है वैसे-वैसे देश की साख गिरती है और आज तो गिर कर पता नहीं कहां पाताल में पहुंच गई है। We are at Rs. 73/- to a dollar. The Rs. 73/- to a dollar कभी-कभी रुपया 74 तक पहुंच जाता है और कभी-कभी 72 पर गिरता है तो कितनी और साख गिराओगे? जब आपकी इकॉनोमी ही नहीं है, जब देश में पैसा ही नहीं है और जब आपने आर0बी0आई0 को खाली कर दिया तथा केंद्र सरकार के पास ही पैसा नहीं है तो आपको पैसा कहां से आएगा? From where you are going to get money. You have totally ruined the economy of the country. और जब अध्यक्ष महोदय, कन्ट्री की बात करते हैं तो हिमाचल प्रदेश हिन्दुस्तान का ही हिस्सा है। जो इकॉनोमी पूरे हिन्दुस्तान में है वही इकॉनोमी हमें भी यहां इफैक्ट करती है। विपक्ष के नेता ने अपने वक्तव्य में ठीक कहा कि जितने आपने करार बताए तो पहले कहा कि 97000 हजार करोड़ रुपये के आपने 736 मेमोरेंडम साइन कर दिए। इस बात को कोई बताए तो सही कि ये मेमोरेंडम कौन से थे? मैंने धर्मशाला में आयोजित पिछले विधान सभा सत्र में एक प्रश्न लगाया था कि जो यह इन्वैस्टर्ज मीट हुई है क्या इसमें चम्बा जिले से संबंधित भी कोई मेमोरेंडम हुआ है, तो उसमें जवाब आया कि कोई 6 करोड़ रुपये

03/03/2020/1435/MS/AG/2

का है और उसमें मैंने डिटेल्ज मांगी थी। उसमें डिटेल में तीन होटल दिखाए थे जो डलहौजी में बन रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, वे होटल तो पिछले चार सालों से बन रहे हैं और कम्पलीशन पर हैं। उन्होंने अपने आपको वहां रजिस्टर्ड करवाया इस उम्मीद में कि कोई सब्सिडी मिल जाए और सरकार ने करवाया क्योंकि वे होटल तो कम्पलीट होने की कगार पर हैं। मैं उन चारों को अच्छे से जानती हूं। इसी तरह से जो आपने सेंट्रल पी0एस0यूज0 के साथ कोई करार किया, उसको भी इन्वैस्टर मीट में डाल दिया। Is PSU the part of Investor Meet? पी0एस0यूज0 के साथ सरकार का अपना आदान-प्रदान चलता रहता है। चाहे वह एन0एच0पी0सी0 हो या एन0टी0पी0सी0 हो या कोई भी हो। It may be anything. एच0पी0सी0एल0 हो। फिर धारा-370 के बारे में जो डॉ0 राजीव बिन्दल जी ने बात रखी थी कि कितनी डैथ्स कम हो गई। I think he is sadly

misinformed. I don't think he knows at all know what is happening in Kashmir. For the simple reason, nobody knows. Nobody knows what is happening in Kashmir. There is complete clampdown in that State. अगर पूरे विश्व में सबसे ज्यादा इंटरनेट कहीं बन्द हुआ है तो वह इण्डिया है। The number of hours that internet has been closed.उसको आप नार्मल्सी बोलते हैं? आप आर्मी से हैं, उसको नार्मल्सी नहीं बोला जाता है। आपने तीन-तीन मुख्य मंत्रियों को सात महीने से for no fault of theirs आपने बन्द किया है और जो मैंने उमर अब्दुल्ला जी का देखा तो रिजन दिया है कि अगर आप बाहर जाएंगे तो you are capable of collecting people. What else leader is supposed to do my dear, may I ask. I am not joking. उनको जो पी0एस0ए0 में बन्द किया है उसमें कारण दिया है कि यदि आप बाहर जाएंगे तो आपके इर्द-गिर्द लोग इकट्ठे हो जाएंगे। अरे, राजनीतिक आदमी के इर्द-गिर्द लोग इकट्ठे होंगे या नहीं? How do you know who is rowdy and who is not? You mean to say that Kuldeep Sanger is a very sane element. Very good. Kuldeep Sanger is a very-very sane element. Leave it. By the way they have not used the word "rowdy". They have used the word "crowds will gather". The whole of Kashmir is rowdy. इन्द्र सिंह जी ऐसे मत बोलो आप बहुत शरीफ़ आदमी हैं। आपके मुख्य मंत्री यहां है नहीं तो अब क्या चर्चा करे।

जारी जे0के0 द्वारा----

03.03.2020/1440/जेके/AS /1

श्रीमती आशा कुमारीः-----जारी-----

अध्यक्ष महोदय, बहुत सारी हैल्प लाइन्ज़ यहां पर लाँच की गई। गुड़िया हैल्प लाइन, होशयार हैल्प लाइन और मुख्य मंत्री सेवा संकल्प हैल्प लाइन। मुझे नहीं लगता कि ये हैल्प लाइन्ज़ हैं, ये हैल्प लैस लाइन्ज़ हैं। In fact, they will turn out to be trouble lines. इसी तरह से आप बात करते हैं कि यह जो 1100 वाली हैल्प लाइन है, इसका नाम मुख्य मंत्री सेवा संकल्प है। आप जनमंच करते हैं और बोलते हैं कि वहां पर सारा कुछ हल हो जाता है। आप हर महीने करते हैं। हर महीने सारे दफ्तर खाली कर देते हैं। फिर कौन सी बात बच जाती है जो मुख्य मंत्री संकल्प हैल्प लाइन में जानी है। ऐसा क्या रह गया है? यानि

आपको अपने प्रोग्राम में ही भरोसा नहीं है। आपको अपने मंत्रियों पर ही भरोसा नहीं है। ... (Interruption). Please, don't speak, when I am talking, Okay. You want to speak.

अध्यक्षः माननीय कृषि मंत्री जी कुछ बोलना चाहते हैं।

Agriculture Minister: Hon'ble Speaker, Sir, Smt. Asha Kumari is referring to my Department. "मुख्य मंत्री सेवा संकल्प योजना" वह योजना है जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने घर बैठे अपनी समस्याओं को रख सकता है। लगभग 56 हजार शिकायतों में से 43 हजार समस्याओं को हमने 7 दिनों में निपटाया है। इसके लिए मैं, मुख्य मंत्री महोदय को बधाई देना चाहूंगा। जो समस्याएं लोगों ने मुख्य मंत्री सेवा संकल्प योजना में रखी हैं, उनका ज़वाब और निपटारा हमने 7 दिनों में किया है। यह आपकी सोच है। आपको नहीं लगता है। यह सेवा हमने क्यों शुरु की है मुकेश अग्निहोत्री जी, मैं आपको यह बता रहा हूं।

श्रीमती आशा कुमारीः अध्यक्ष महोदय, जो मैं सोच रही थी उससे मेरी सोच और दृढ़ होती है। क्योंकि हिमाचल प्रदेश के जितने भी विधायक हैं, चाहे इधर बैठे हैं, चाहे उधर बैठे हैं। हिमाचल प्रदेश के बारे में यह प्रसिद्ध है कि हिमाचल प्रदेश का विधायक अपने इलाके की समस्या के लिए फोन खुद उठाता है। ये नहीं उठाते होंगे इसलिए

03.03.2020/1440/जेके/AS /2

इनको मुख्य मंत्री संकल्प योजना लानी पड़ी। This is the reason. अध्यक्ष महोदय, आप भी फोन उठाते हैं। हमने भी आपको फोन किया है। ये सभी फोन को उठाते हैं लेकिन लगता है कि कुछेक नहीं उठाते हैं। तभी मुख्य मंत्री को फोन करना पड़ता है। कौन है यहां पर जिसको मुख्य मंत्री की जरुरत पड़ती है? श्री नरेन्द्र बरागटा जी, मैंने आपकी अनुपस्थिति में आपका धन्यवाद किया था कि for your condolences on the demise of my mother. इसलिए आपको हैल्प लाइन लगानी पड़ी क्योंकि आप सुनते नहीं है। हम तो सुनते हैं इसलिए हमें कोई दिक्कत नहीं है। अध्यक्ष महोदय, यह बार-बार नहीं होगा। एक

बार माननीय मंत्री जी ने मेरी शराफ़त का फायदा उठा लिया। अध्यक्ष महोदय ....(व्यवधान) I am not yielding. ....(Interruption).

अध्यक्षः माननीय सदस्य, प्लीज़ आप बैठिए। माननीय मंत्री महोदय कुछ कहना चाहते हैं।

Smt. Asha Kumari: I am not yielding. What is this? You are disturbing me in every two minutes. ....(Interruption). Why he should stand? I don't agree. मैं बिल्कुल भी नहीं मानती। ....(व्यवधान) मैंने बोलना है और मैं बोल रही हूं। ....(व्यवधान) My parliamentary procedure allows me not to yield. He is neither the Chief Minister nor he is a Parliamentary Affairs Minister and I am not talking about agriculture.

अध्यक्षः प्लीज़ आप बैठ जाएं। ....(व्यवधान)

श्रीमती आशा कुमारीः अध्यक्षः माननीय सदस्या, यह माननीय मंत्री जी के विभाग से सम्बन्धित है। माननीय सदस्य जी, आप बैठें। मुकेश अग्निहोत्री जी आप बोलें।

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः माननीय अध्यक्ष जी, हम भी इस माननीय सदन के मैम्बर्ज़ हैं। पहले माननीय सदस्या अपनी स्पीच कम्पलीट कर लें उसके बाद मंत्री जी अपना ज़वाब दे दें। यह क्या बात है कि मंत्री जी साथ-के-साथ अपना ज़वाब देंगे कि इनके विभाग का नाम आ गया। आप इस माननीय सदन के बहुत समय से सदस्य हैं।

03.03.2020/1440/जेके/AS /3

अध्यक्षः माननीय सदस्या प्लीज़ मेरी बात सुनें। आप सिर्फ एक बार बैठें।

कृषि मंत्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि माननीय सदस्या ने अधूरी बात रखी है, उसमें कोई भी सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि आप लोग फोन नहीं उठाते हैं। मुख्य मंत्री सेवा संकल्प हैल्प लाइन क्या चीज़ है? यह कोई फोन उठाने के लिए नहीं है, यह लोगों की समस्याओं को सुनने के लिए वहां पर एक विभाग रखा गया है। आप इसके

बारे में दूसरे तरीके से बात करना चाहते हैं। इसका आप उपहास उड़ाना चाहते हैं। मैं इसका समर्थन करना चाहता हूं कि अध्यक्ष महोदय यह जो मुख्य मंत्री हैल्प लाइन योजना है, ...(व्यवधान) मैं जानता हूं बैठना ....(व्यवधान) I know better.

श्री एस.एस. द्वारा जारी----

03.03.2020/1445/SS-AS/1

कृषि मंत्री के बाद..

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, एक मिनट के लिए सुने। मैं आपको समय दूंगा, आप बैठें।

कृषि मंत्री : अध्यक्ष महोदय, ...(व्यवधान)

अध्यक्ष : मैं इनको भी बोलने का मौका दूंगा और आपको भी दे रहा हूं।

कृषि मंत्री : अध्यक्ष महोदय, यहां मैं कहना चाहता हूं कि मुख्य मंत्री हैल्प लाइन जो है ...(व्यवधान) महोदय, मैं अपनी बात रख रहा हूं। क्या हम अपनी बात नहीं रख सकते? ...(व्यवधान)

(विपक्ष के सभी माननीय सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर नारेबाजी करने लगे।)

अध्यक्ष : माननीय मंत्री महोदय, क्या आपने बोल लिया है? ठीक है, अब माननीय सदस्या, श्रीमती आशा कुमारी जी चर्चा में हिस्सा लेंगी। बाकी सदस्य, बैठिये प्लीज़।

श्रीमती आशा कुमारी (डलहौजी) : अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बात की खुशी है कि यह सब सुनकर मुख्य मंत्री जी भी सदन में आ गए हैं। मुख्य मंत्री जी, आपके आने से पहले मैंने आपका धन्यवाद किया कि 26 तारीख को आपने शोकोद्गार में मेरी माँ के लिए कुछ बातें कहीं। आप इस माननीय सदन में नहीं थे तो शायद मारकण्डा जी को ऐसा लग रहा होगा कि ऐसा मौका बहुत कम मिलेगा। आगे कोई नहीं है इसलिए मैं ही मुख्य मंत्री बन जाऊं और सदन में बोलूं। अध्यक्ष महोदय, कोई बात नहीं। इससे हमें कोई मतलब नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश का एक बहुत ज्वलंत मसला है जिसकी यहां पर हमेशा चर्चा होती है। वह माइनिंग को लेकर होती है। आज माननीय सदन में सतपाल सिंह रायजादा जी नहीं हैं और यहां से हम सभी सदस्यों ने अपनी कंसर्न इल्लीगल माइनिंग के संदर्भ में शो की है। मुख्य मंत्री जी जब आप लोग विपक्ष में होते थे तो आपने भी इस पर अपना कंसर्न शो किया था। माइनिंग के बारे में अगर हम देखें तो सौ-सौ या हजार-हजार ट्रक्स एक-एक दिन में इल्लीगल जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी इजाज़त से कहना चाहती हूं क्योंकि मेरी एप पर आया हुआ है,

03.03.2020/1445/SS-AS/2

so I don't say something wrong. कुछ इन्होंने रूल्ज़ में चेजिज़ किये हैं। संबंधित मंत्री जी, यहां पर नहीं हैं। उसमें इन्होंने कुछ सख्ती करने की बात कही है। लेकिन साथ में यह भी कहा है कि ये माइनिंग मशीन से अलाउ करेंगे। हमारा सबसे बड़ा विरोध तो यही है। अगर आप रिवर बेड पर हिल साइड के नाम पर मशीन से माइनिंग अलाउ करेंगे तो आप कैसे प्रूव करेंगे कि वह जब इल्लीगल माइनिंग कर रहा था तो हिल साइड पर कर रहा था या रिवर बेड पर कर रहा था। Kindly explain me. मंत्री जी यहां पर नहीं हैं इसलिए मुख्य मंत्री जी आप इस बात को समझाने का प्रयास करेंगे। आज भी चम्बा में ऑक्शन है, उसमें जो टर्म्ज़ एंड कंडीशन्ज़ रखी गई हैं उसमें प्रथम बार यूज़ ऑफ मशीनरी यानी जे0सी0बी0 अलाउ कर रहे हैं। हम उसी का तो विरोध कर रहे हैं। इल्लीगल माइनिंग वाले पहले ही उसका प्रयोग कर रहे हैं और अब जो वहां पर इल्लीगल मशीनरी भी खड़ी होती हैं उनको आप कैसे रोकेंगे?

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से दूसरी बात क्योंकि मंत्री महोदय यहां पर नहीं हैं इसलिए मुख्य मंत्री जी को कह रही हूं कि आपकी इल्लीगल माइनिंग का ओवर लोडिंग भी एक बहुत बड़ा कारण है। 20-20 टन के 10 या 16 टायरी ट्राले, जिनको बड़े-बड़े घोड़े कहते हैं उसमें 60-60 टन माल जाता है। उसका कारण क्या है? जो M-Form दिया जाता है, जिसको एम-फॉर्म बोलते हैं, वह 9 टन का दिया जाता है। Tonnage, जब आप 60 टन की गाड़ी अलाउ कर रहे हो तो फॉर्म 9 टन का क्यों देते हैं? नुकसान किसको हो रहा है? यह नुकसान सरकार को हो रहा है। मैं तो आपको सुझाव दे रही हूं कि हमने अगर नहीं किया है तो हमने भी गलती की है। But 9 tonnes cannot be the maximum M-

Form that you give where you allowing vehicles which carry 120 tonnes. यह एनोमली है। मैं इसके लिए किसी को दोषी नहीं ठहराती। इस एनोमली को कॉरैक्ट करिये। कम-से-कम जो इल्लीगल माइनिंग है और जो आपको रेवेन्यू नहीं आ रहा है, फिर आपको वह रेवेन्यू आयेगा। क्योंकि जब वे सिर्फ 9 टन एम-फॉर्म पर पैसा देकर जा रहे हैं और 110 टन इल्लीगल ले जा रहे हैं तो even if it is from the legal mine that is also illegal mining. एम-फॉर्म लेकर इल्लीगल माइनिंग कर रहे हैं। आप इसको देखिये। मुख्य मंत्री महोदय, क्योंकि यह डलहौजी को बहुत ज्यादा इफैक्ट करता है,

जारी श्रीमती के0एस0

03.03.2020/1450/केएस/डीसी/1

श्रीमती आशा कुमारी जारी---

यह जो इलीगल कंस्ट्रक्शन्ज़ हो रही हैं, आपने कसौली में देखा है कि हमारी एक लेडी ऑफिसर की जान ही चली गई जो कि इलीगल कंस्ट्रक्शन की वजह से ही गई। डलहौजी में बेतहाशा अवैध कंस्ट्रक्शन्ज़ हो रही हैं।

अध्यक्षः माननीय सदस्या जी, कृपया अब वाइंड अप कर दें।

श्रीमती आशा कुमारीः अध्यक्ष महोदय, मैं तो 40 मिनट पर बंद करुंगी और जितना समय बिंदल जी ने लिया, उतना लूंगी। मैं विपक्ष से अकेली महिला हूं, मैं नहीं करने वाली वाइंड अप। बिंदल जी 42 मिनट तक बोले, आपने उनको नहीं टोका इसलिए आप मुझे भी नहीं टोक सकते।

अध्यक्षः कृपया वाइंड अप कर दें क्योंकि आपके बाद लगभग 14 सदस्यों ने और बोलना है।

श्रीमती आशा कुमारीः अध्यक्ष महोदय, वह तो बिंदल जी के बाद भी 15 ने ही बोलना था, आपको उनको भी रोकना चाहिए था। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी, आपसे कंस्ट्रक्शन के बारे में बात कर रही थी। माननीय मुख्य मंत्री जी मैं आपके ध्यान में यह बात भी लाना चाहती हूं कि डलहौजी में जैसे शिमला में कुछ पोर्शन रिस्ट्रिक्टड एरिया है और उसमें कमर्शियल

कंस्ट्रक्शन नहीं हो सकती आज तक जितनी सरकारें रही हैं, आपकी सरकार समेत डायरैक्टर टी.सी.पी. से, जिसका चार्ज डी.सी. चम्बा के पास होता है, कभी भी कोई नक्शा पास नहीं होता है। हाल ही में गवर्नमैंट लैवल से एक नक्शा वहां का पास हो कर आया है, मैं आपसे निवेदन करुंगी, मैं आपको फैक्ट्स भी दूंगी, मैंने क्वैश्चन भी लगाया है, आप इसको रुकवाएं। अगर आप एक पंजाब के आदमी को होटल बनाने की परमिशन देते हैं तो बाकियों ने क्या पाप किया होगा? वह रिस्ट्रिक्टिड एरिया है for commercial activities. I will bring it to your notice separately also.

अध्यक्ष महोदय, जॉब फेयर्ज़ किए गए। 9 जॉब फेयर्ज़ हुए और 98 इंटरव्यूज़ हुए जिसमें आपने 5,641 लोगों को प्राइवेट सैक्टर में तथाकथित इम्प्लॉयमैंट दी। मैं

03.03.2020/1450/केएस/डीसी/2

मैं, आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगी कि क्या आपने कोई फॉलो अप का सिस्टम रखा है कि जिनको ये कम्पनीज़ नौकरी देती हैं, आगे कितने दिन तक वे बच्चे वहां पर टिकते हैं और नहीं टिकते हैं तो क्यों नहीं टिकते? इतनी खराब कंडिशन्ज़, लो सैलरी, बैड लीविंग कंडिशन्ज़, आपने ये जो पांच हज़ार कुछ की फीगर्ज़ दी है, अगर आप आज पता करेंगे इसमें से आधे से ज्यादा जॉब छोड़कर जा चुके होंगे।

अध्यक्ष महोदय, शिक्षा के बारे में कहना चाहूंगी। शिक्षा मंत्री जी अभी यहां बैठे नहीं हैं। ये मुझसे नाराज़ हो जाते, ये मेरे मामा हैं, पता नहीं कहां चले गए, जब मेरी बारी आई तो यहां से उठकर चले गए लेकिन शिक्षा की अगर हम बात करें तो आप ही की अनुमति से हमारा प्रश्न यहां पर लगा। उसके जवाब में यह आया कि चम्बा में ऐसे भी प्राइमरी स्कूल हैं जिनमें एक भी टीचर नहीं है। और वे दोनों स्कूल ट्राईबल एरिया में हैं। 142 वहां पर ऐसे स्कूल हैं, जिनमें सिंगल टीचर है। हमारा बैकवर्ड एरिया है और मुख्य मंत्री जी हमारा और आपका एरिया एक जैसा ही है। बैकवर्ड एरिया में लोग जाना पसन्द नहीं करते। वहां से टीचर निकाल तो दिए जाते हैं लेकिन वहां जाना कोई नहीं चाहता। अध्यक्ष महोदय, मैं तो यह

जानना चाहती हूं कि हमारी सरकार के समय में जो सैंट्रल युनिवर्सिटी दी गई थी, उसका काम क्यों शुरू नहीं किया गया? शिक्षा मंत्री जी अभी बैठे नहीं हैं। उसका काम शुरू करने में क्या आपत्ति है? हमारी सरकार के समय में जो मैडिकल कॉलेजिज़ खुले और चम्बा मैडिकल कॉलेज के बारे में तो अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे भी निवेदन करती रही, अब आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से निवेदन करुंगी क्योंकि अब यह महकमा इनके पास है, जब तक नए मंत्री नहीं बनते । चम्बा मैडिकल कॉलेज की जमीन हमारे समय में ही ट्रांसफर हो चुकी है। पैसा आपके पास आ चुका है। किसी कम्पनी के साथ आप करार कर चुके हैं। आप उसको बनाते क्यों नहीं? मेरा एक प्रश्न लगा था, यहां कहा जाता है कि हैल्थ का स्तर बहुत अच्छा है। जवाहर लाल मैडिकल कॉलेज, चम्बा के बारे में इसी सैशन में पिछले कल एक प्रश्न संख्या 2426 लगा था। The reply says, '593 posts of different categories have been created for this College, out of which 235 are lying vacant'. अध्यक्ष महोदय, जब आप मंत्री थे, मैंने आपसे भी निवेदन

03.03.2020/1450/केएस/डीसी/3

किया था कि 36 की 36 या 32 की 32 सफाई कर्मचारियों की पोस्टें खाली पड़ी हुई हैं। सफाई कर्मचारी भर्ती करने में आपको क्या दिक्कत है? वे तो आपको आउटसोर्स पर भरने हैं लेकिन आपकी नीयत ही नहीं है, आपका इरादा ही नहीं है। इसी तरह से आई.आई.टी., आई.आई.एम., आई.आई.आई.टी. भी हमारे समय से ही खुली हुई हैं। इनकी बिल्डिंग्ज़ बनाने के लिए, इनमें और अधिक अच्छी सुविधाएं देने के लिए आपने क्या किया? अब एयरपोर्ट्स की बात करते हैं।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

03.03.2020/1455/av-dc/1

श्रीमती आशा कुमारी---------- जारी

...(व्यवधान) आपका (जल शक्ति मंत्री) मैं धन्यवाद करती हूं क्योंकि आपने मेरी एक बड़ी वाली स्कीम को बंद नहीं होने दिया। आपने उसका पैसा जारी रखा जिसका शिलान्यास माननीय वीरभद्र सिंह जी ने किया था और उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करती हूं। आपने उसको बंद नहीं होने दिया इसलिए मैं आपका धन्यवाद करती हूं क्योंकि यहां आपकी पार्टी के ही मेरे मित्र उसको बंद करवाने में लगे हुए थे मगर आपने उसको बंद नहीं होने दिया, आपका उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। वह एक अच्छी और बड़ी स्कीम है तथा उससे लोगों को राहत मिलेगी और वे आपका भी धन्यवाद करेंगे। मैं एयरपोर्ट्स की बात कर रही थी तो माननीय मुख्य मंत्री जी ने पहले कहा था कि मण्डी में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा बनेगा। यह अंतर्राष्ट्रीय अड्डा बनेगा या नहीं बनेगा यह तो बाद की बात है परंतु हमारे जो पहले तीन बने हुए हवाई अड्डे हैं उनके बारे में आपकी क्या सोच है? कुल्लू हवाई अड्डा जिसकी चर्चा माननीय सदस्य सुन्दर सिंह जी कर रहे थे। इसके अतिरिक्त शिमला और धर्मशाला हवाई अड्डा है, क्या आप इनके बारे में सिविल एविएशन मिनिस्टर श्री हरदीप पूरी जी से हिमाचल आने वाली फ्लाइट्स के बारे में बात करेंगे? मुख्य मंत्री जी, आप तो चॉपर में चले जाते हैं और उसकी बारी तो हमारी आती है। इन फ्लाइट्स का एक तरफ का किराया 17,000 रुपये, 20,000 रुपये या 21,000 रुपये होता है। अध्यक्ष महोदय, आप भी गगल एयरपोर्ट से आते-जाते हैं और आपको पता है कि कभी-कभी गगल से आने-जाने का किराया 45,000 रुपये भी होता है। हम फ्लाइट नहीं लेते क्योंकि 45,000 रुपये की टिकट हम नहीं खरीद सकते। वहां दलाईलामा जी की वजह से विदेशी आते हैं इसलिए आप पुरी जी से बात करके कुछ ऐसा समाधान कीजिए कि जो फॉरेन करंसी में पे करेंगे उनको कोई और रेट किए जाएं तथा बाकी टिकटें रिज़नेबल हों। ...(व्यवधान) आपने उलटा हवाई जहाज वाले को चप्पल में कर दिया और चप्पल वाले को तो हवाई जहाज में भेजा नहीं। आपने उड़ान-1 व उड़ान-2 के तहत शायद रामपुर तथा किसी एक और जगह से हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने की बात की थी। लेकिन मैं आपसे यह निवेदन जरूर करूंगी कि जब भी आप हेलीकॉप्टर से प्रदेश की राजधानी या चंडीगढ़ को जोड़ने

की बात करेंगे तो चम्बा को भी ध्यान में रखें। चम्बा सबसे पिछड़ा हुआ एरिया है और इस तरह की सुविधा प्रदान करने से चम्बा के लोग भी हेलीकॉप्टर से आ-जा सकेंगे। मैंने अखबार में पढ़ा था कि मुख्य मंत्री जी ने एक नया हैलीकॉप्टर लिया है जिसकी पहली उड़ान एक अप्रैल से शुरू होगी। ...(व्यवधान) मैंने अखबार में पढ़ा था, आप इसके बारे में क्लेरीफिकेशन दे सकते हैं। मैं तो केवल यह कहना चाहती हूं कि अगर ऐसा है तो आप इसकी पहली उड़ान दो अप्रैल को करना क्योंकि एक अप्रैल अच्छी तारीख नहीं होती। इसके अतिरिक्त मैं यह भी कहना चाहती हूं कि मुख्य मंत्री जी, आप आजकल गुस्सा बहुत जल्दी हो जाते हैं। ...(व्यवधान) वैसे भी पूरी दुनिया में जो कोरोना वायरस चला हुआ है उसका असर हमारी इण्डस्ट्री व टूरिज्म पर हो रहा है और आपके गुस्से के वायरस का असर माननीय महेन्द्र सिंह जी को चढ़ गया है। ये कभी नाराज़ नहीं होते थे मगर आजकल ये भी नाराज़ होने लग गये। मैं यहां पर यह जरूर कहना चाहूंगी कि अगर इस राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कुछ सही होता तो मैं इसका समर्थन जरूर करती। मैंने जैसे आपको कहा कि चाहे किसी भी ए या बी पार्टी की सरकार हो, यह एनश्योर किया जाए कि उसमें कोई भी सब-ज्युडिस मैटर नहीं होना चाहिए। ...(व्यवधान) आर्टिकल 370, सी0ए0ए0 इत्यादि ये सारे मैटर सब-ज्युडिस हैं। ...(व्यवधान) इसमें सी0ए0ए0 का जिक्र कैसे नहीं है, मुझे लगता है कि आपने (मुख्य मंत्री) खुद ही नहीं पढ़ा तभी राज्यपाल महोदय को आपने इतनी तकलीफ दी। आपने यह अभिभाषण खुद ही नहीं पढ़ा। ...(व्यवधान) आप छोड़ दो, आपने जिक्र किया है। अब आप फिर से गुस्सा हो जायेंगे। पहले यहां पर माननीय मुख्य मंत्री जी नहीं बैठे थे इसलिए मैं यहां पर फिर से यह कहना चाहूंगी कि जिस दृष्टिपत्र का आप जिक्र करते हैं उसको आप सदन के पटल पर जरूर रखेंगे और उसकी कॉपी हम सबको जरूर भेजेंगे। अंत में, मैं यह कहना चाहती हूं कि इस राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में ऐसा कुछ नहीं है जिसका समर्थन किया जाए इसलिए मैं इसका समर्थन करने में असमर्थ हूं। धन्यवाद।

समाप्त

03.03.2020/1455/av-dc/3

अध्यक्ष : अब इस चर्चा में माननीय सदस्य श्री रमेश चंद ध्वाला जी हिस्सा लेंगे।

श्री रमेश चंद ध्वाला जी टी सी द्वारा जारी

03.03.2020/1500/TCV/HK-1

श्री रमेश चंद ध्वाला: अध्यक्ष महोदय, इस माननीय सदन में माननीय सदस्य, श्री बलबीर सिंह जी ने राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर जो धन्यवाद प्रस्ताव रखा है और जिसका अनुसमर्थन श्री राकेश जम्वाल जी ने किया है, मैं भी उस पर चर्चा करने के लिए खड़ा हुआ हूं। यह ठीक है कि इस साइड में (सत्तापक्ष) बड़े विज़नरी लोग हैं इसलिए कुछ-न-कुछ कमियां तो जरूर निकालेंगे लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि मुख्य मंत्री जी ईमानदार है, शरीफ़ है, इनकी कार्यशैली पर कोई प्रश्नचिन्ह नहीं लगा सकता है। ये एक गरीब परिवार से उठकर हिमाचल प्रदेश के मुख्य मंत्री बने हैं इसलिए भी कुछ लोगों के पेट में दर्द हो रही है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने गांव के लोगों को बड़े नज़दीक से देखा है। गांव में जितनी समस्यायें होती हैं, उन पर बड़ी गम्भीरता से विचार-विर्मश करके, जो व्यक्ति पहली पौड़ी पर है, सबसे पीछे और सबसे नीचे हैं, उसको उठाने का प्रयास किया है ताकि वह भी अपनी जिंदगी गौरवपूर्ण तरीके से व्यतीत कर सकें। यहां इस सदन में बड़े विस्तार से हमारे मित्रों ने चर्चा की। डॉ0 राजीव बिन्दल जी ने आकंड़े भी प्रस्तुत किये परंतु विपक्ष का धर्म है, नुक्ताचीनी करना, अच्छे को भी बुरा कहना। मैं एक कहावत कई बार कह चुका हूं। एक आदमी ने बड़ा अच्छा मकान बनाया और गृह प्रवेश में सभी लोगों को बुलाया लेकिन एक पड़ोसी को नहीं बुलाया। सभी लोगों ने उस आदमी के मकान की बहुत प्रशंसा की और सभी ने आग्रह किया कि उस पड़ोसी को भी बुलाया जाये तो उसको भी बुला लिया गया। उसने उस आदमी के मकान का निरीक्षण किया और कहा कि और तो मकान अच्छा है लेकिन दरवाज़ा छोटा है। उस मकान मालिक ने कहा कि इसका दरवाज़ा बड़ा कर लेंगे तो उस पड़ोसी ने कहा कि आप इसको बड़ा करो या न करो आपकी मर्ज़ी लेकिन अगर अर्थी

निकालनी हो तो दिक्कत होती है इसलिए जिन्होंने बोलना ही बुरा है, उनका कुछ नहीं कर सकते हैं। मैं माननीय सदस्यों से यह कहना चाहूंगा कि हमारी सरकार जब-जब आई है, आज यहां पर आंकड़े प्रस्तुत किये जा रहे थे लेकिन वर्ष 1992 में सरकार पर कोई ओवर ड्राफ्ट नहीं था, एक रुपया कर्ज़ नहीं था। उस समय बिजली के प्रोजैक्टों की रॉयल्टी के लिए हमने दिल्ली तक पैदल मार्च किया और वह रॉयल्टी आज 12 प्रतिशत प्रदेश को मिल रही है। आज माननीय सदस्य, श्रीमती आशा कुमारी जी के इलाके से ही रॉयल्टी के तौर

03.03.2020/1500/TCV/HK-2

पर 2500-2600 करोड़ रुपये मिल रहे हैं। यदि दिन में किसी को दिखाई न दे तो सूर्य की किरणों का क्या दोष है।

एन0एस0 द्वारा .... जारी

03-03-2020/1505/NS/HK/1

श्री रमेश चंद ध्वाला .....

ऐसा कहना है कि आप करें तो सैर और दूसरा करे तो अवारागर्दी, यह बात शोभा नहीं देती है। माननीय शांता कुमार जी ने सीमैंट के प्रोजैक्ट लगाए। आज आपके सामने ही है कि रीसोर्सिज़ कैसे बढ़ेंगे? आज हमीरपुर और बिलासपुर के सैंकड़ों लोगों को इन कारखानों में रोज़गार मिला है। माननीय शांता कुमार जी ने पानी की स्कीमें बनाई, हैंडपंप लगाए और जब केंद्र सरकार में मंत्री बने तो उन्होंने डिपुओं में राशन उपलब्ध करवाया। आज एक दिन की मज़दूरी से एक महीने के लिए राशन आता है। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि क्या उन्होंने यह गलत किया? इसके अलावा माननीय धूमल जी मुख्य मंत्री बने तो सड़कों का ज़ाल प्रदेश में बना। उस समय केंद्र में हमारी सरकार थी। सड़कों की गुणवत्ता भी अच्छी थी और उस समय हज़ारों किलोमीटर सड़कें हिमाचल प्रदेश में बनी। सड़कें हमारी भाग्य रेखाएं हैं। 200 से 250 की जनसंख्या वाले जो गांव थे उस समय वहां पर सड़कें बनी हैं। आज भी हम केंद्र सरकार से यह चाहते हैं कि हमारी सड़कें अच्छी बनें। हमारे माननीय

प्रधान मंत्री जी सक्षम भारत बनाना चाहते हैं और माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी सक्षम हिमाचल प्रदेश बनाना चाहते हैं और इसलिए आपके सक्रिय सहयोग की जरूरत है। अध्यक्ष महोदय, हम तो यह भी कहते हैं कि आप दो दिन चर्चा के लिए रखें कि प्रदेश में रिसोर्सिज़ कैसे बढ़ सकते हैं? हमारी फिज़ूलखर्ची कहां-कहां हो रही है और इसको खत्म करने के लिए क्या-क्या प्रयास हो सकते हैं? ऐसे ही नुक्ताचीनी करना तो अच्छी बात नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, वैसे तो माननीय बिन्दल जी ने बड़े विस्तार से यहां पर बताया है। यहां पर जनमंच की बात भी कही गई है। आप एक आदमी पकड़ कर लाओ जिसको किसी मंत्री ने या माननीय मुख्य मंत्री ने इनकार किया हो कि आपकी बात हम नहीं सुन सकते हैं। जनमंच में पूरी पारदर्शिता के साथ काम किया जा रहा है, लोगों की समस्याओं का समाधान हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, अधिकारी को सब पता होता है। जब कोई घोड़े पर बैठता है तो घोड़ा देखता है कि छुआर कैसा है? जनमंच में अधिकारियों को जो काम बताया जाता है वह उस काम को करते हैं। जनमंच में लोगों की समस्याओं का समाधान होता है। अध्यक्ष महोदय, हमारे साथियों को ऐसा लगता है कि ये अगली बार ऐसा करेंगे और क्या पता हमें वोट मिलेंगे या नहीं इनको इसकी चिंता है। साथियो,

03-03-2020/1505/NS/HK/2

आप अच्छे काम करो। माननीय सदस्य श्री हर्षवर्धन चौहान जी यहां पर कह रहे थे कि प्रदेश में इतना भ्रष्टाचार हो रहा है। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि आप यहां पर किस लिए बैठे हैं? आप इसकी चर्चा करो। प्राक्कलन समिति में माननीय जगत सिंह नेगी जी भी सदस्य हैं और हमें किसी ने पत्र लिखा और हम वहां पर स्पोट पर कार्य देखने गए तो सड़क की सारी टारिंग उखड़ चुकी थी। विभाग वालों ने कुछ लीपा-पोती करके रिपोर्ट भेजी तो हमने अतिरिक्त मुख्य सचिव को कहा कि आप वहां जाईए और खुद जा करके देखें। अधिकारी वहां गए और उन अधिकारियों को जिन्होंने यह काम किया है 1.20 करोड़ रुपये की पैनल्टी डाली गई है। उस कंस्ट्रक्शन पर प्रश्न चिन्ह लगा और उसके बाद उनको चार्ज़शीट किया गया है। अरे भाई, डर चाहिए, आप भी जन प्रतिनिधि हैं और आप भी इसे देख सकते हैं। अगर गलत काम हुआ है तो you have to inspect the spot. आप अपने आपको निःसहाय क्यों समझते हैं? माननीय वीरभद्र जी ने सारी कसरत पूरी कर दी है। आपको बढ़िया सैलरी,

(कर्नल इन्द्र सिंह , **माननीय सभापति पदासीन हुए।**)

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

03.03.2020/1510/RKS/YK-1

श्री रमेश चंद ध्वाला... जारी

यह पैसा लेकर क्रप्शन नहीं है। जब आप काम नहीं करते हैं तो वह भी क्रप्शन है। इसे रोकना आपका और हमारा दायित्व बनता है। आप सभी मुद्दों को यहां पर लाइए। हम यहां पर सभी मुद्दों पर डिस्कस करेंगे। रिसोर्सिज कैसे बढ़ सकते हैं, फिजूलखर्ची कैस रुक सकती है, हम इस पर विस्तार से चर्चा करेंगे। आप हमें इसके लिए दो दिन का समय दीजिए। लेकिन यहां पर वही बात आई कि- एक भैंस सूखा घास नहीं खाती थी। किसी ने सलाह दी कि उस भैंस को हरा चश्मा लगा दीजिए ताकि उसको सूखा घास हरा दिखे। हरा चश्मा लगाने के बाद उसे घास हरा-हरा दिखने लगा। इस तरह आपको भी हरा चश्मा लगाने की जरूरत है। ...(व्यवधान) जो कुछ धरातल पर हो रहा है वह आपको कुछ नहीं दिखाई दे रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में आपने 4-4 बच्चों के लिए स्कूल खोल दिए।...(व्यवधान) वे स्कूल किसने खोले? क्या केंद्र सरकार या राज्य सरकार के कोई मापदंड या गाइडलाइन्स थी कि स्कूल में चार बच्चे, चार मास्टर या एक बच्चा, एक मास्टर हो? यह क्या है? अगर हम इन स्कूलों को बंद करने की बात करेंगे तो आप बाद में यह कहेंगे कि हमने स्कूल खोले थे और इन्होंने बंद कर दिए। आज की तारीख में कोई भी टीचर 70,000/- रुपये से कम सैलरी नहीं ले रहा है। लेकिन स्कूल में एक टीचर और एक बच्चा हो तो यह बात ठीक नहीं है। मेरे विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के एक स्कूल में दो टीचर और दो ही बच्चे थे। मैंने युवा मोर्चा के बच्चों को समझाया कि यह स्कूल बंद हो जाएगा। जिस व्यक्ति ने उस स्कूल के लिए जमीन दी है उस जमीन की कीमत करोड़ों रुपये है। मैंने और युवा मोर्चा के बच्चों ने इस स्कूल को चलाने के लिए कंट्रिब्यूशन दी और दो वर्षो के

अंतराल में उस स्कूल में बच्चों की स्ट्रेंथ 67 हो गई। मेरा कहने का मतलब है कि यदि आप और हम प्रयास करेंगे तो क्या नहीं हो सकता। मेरे विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र की एक पंचायत में 6 प्राइमरी स्कूल हैं। उन स्कूलों में कहीं 5 और कहीं 6 बच्चे पढ़ते हैं। अब आप मुझे बताइए कि इसमें सरकार क्या कर सकती है?...(व्यवधान) अगर हम इन स्कूलों को बंद करने की बात करेंगे तो आप शोर मचाएंग कि स्कूल बंद कर दिए।

03.03.2020/1510/RKS/YK-2

प्रारंभिक शिक्षा विभाग में 4050 शिक्षकों के पदों को भरा गया है। एस.एम.सी. शिक्षकों के मानदेय पर 20 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई है। 'अटल वर्दी योजना' के तहत 8,30,945 विद्यार्थी लाभान्वित हुए हैं। 2,56,000 विद्यार्थियों को निःशुल्क बैग वितरित किए गए हैं। 'प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना'- आयुष्मान भारत के तहत 3,12,000 परिवारों को गोल्डन कार्ड जारी किए गए हैं। हिमाचल प्रदेश हैल्थ केयर स्कीम के तहत चालू वित्त वर्ष में 3,93,609 परिवारों का पंजीकरण किया गया है। 'मुख्य मंत्री निःशुल्क दवाई योजना', 'मुख्य मंत्री निरोग योजना' और 'अटल आशीर्वाद योजना' लोगों की सेहत के लिए मील का पत्थर साबित हो रही है। चालू वित्त वर्ष में 538 डॉक्टर्ज, 311 पद पैरा-मैडिकल स्टाफ, 256 पद स्टाफ नर्स, 80 पद पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता और 81 पद मिनिस्ट्रिअल स्टाफ के भरे गए हैं। 3,56,563 वृद्धजनों को सामाजिक सुरक्षा पैंशन दी जा रही है जिसमें वद्धजनों की आयु को 80 वर्ष से घटाकर 70 वर्ष किया गया है। जबकि अन्य को मिलाकर कुल 5,34, 578 पात्र व्यक्तियों को सामाजिक सुरक्षा पैंशन दी जा रही है। सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पैंशन के लिए पात्रता की आयु 80 वर्ष से घटाकर 70 वर्ष की है।

श्री बी.एस.द्वारा... जारी

03.03.2020/1515/बी.एस./वाई.के./-1

श्री रमेश चंद ध्वाला जारी...

पूर्व सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पैंशन के लिए पात्रता हेतु आयु 80 वर्ष की थी जिसे घटा कर हमारी सराकर ने 70 वर्ष किया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से जनवरी, 2020 तक 8,46,784 परिवार लाभांन्वित हुए हैं। कुल 597 करोड़ रुपए की धनराशि प्रदान की गई है। स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत 9,085 प्राकृतिक एवं पारंपरिक पेयजल स्त्रोतों की सफाई की गई है। 252 पंचायतों में 568 सामुदायिक शौचालयों का निर्माण किया गया है। इसके अतिरिक्त 14,116 जल भण्डारण टैंकों की सफाई की गई। सहारा योजना के अन्तर्गत जो गरीब बिस्तर पर हैं उनको 2000 रुपए की राशि प्रदान की जा रही है। आप अवश्य यह सोच रहे होंगे कि इतने सारे काम यह सरकार कर रही है इसलिए हमें अगली बार कोई पूछने वाला नहीं होगा। आपको केवल कार्य में खराबी निकालने की आदत है। प्रदेश में जो गरीबों के कार्य हो रहे हैं उनकी प्रदेश में प्रशंसा हो रही है। यहां पर माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा हो रही है लेकिन कुछ हमारे मित्रों ने जो कुछ किया और जो आजकल हो रहा है यह नहीं होना चाहिए। वैसे ये साम्प्रदायिक ताकतें देश को तोड़ना चाह रही है। देश और प्रदेश रहेगा तो हम लोग रहेंगे यदि देश ही नहीं रहा तो हम कहां से रहेंगे। मैडम जी, जख्म को धोने का कार्य तो सभी करते हैं परंतु उसे सीलने वाला कोई नहीं होते। यदि मनुष्यों को जोड़ने का कार्य किया जाए तो इस तरह के दंगे नहीं हो सकते। हमारी राष्ट्रीय स्तर की नेता वहां पर जा करके लोगों को कहे कि आर-पार की लड़ाई लड़ो, यह क्या बात है। जे.एन.यू. में नारे लगते हैं कि भारत माता तेरे टुकड़े हों हजार, इस तरह की बातें कही जाती है। मैं माननीय सदस्य का मान सम्मान करता हूं लेकिन ये सारे-के-सारे केजरीवाल और राहुल गांधी जैसे व्यक्ति भी वहां पर उनकी मदद कर रहे थे। ...(व्यवधान)

Chairman : Hon'ble Member, please address to the Chair.

श्री रमेश चंद ध्वाला : आप सभी जानते हैं कि हमारे मुसलमान भाइयों को राष्ट्रपति बनाया, मुसलमान भाइयों को उपराष्ट्रपति भी बनाया और मुसलमान भाइयों को गृह मंत्री भी बनाया। गृह मंत्री बनाने पर जो कुछ हुआ वह आप सभी जानते हैं। आप सभी भली-भांति

03.03.2020/1515/बी.एस./वाई.के./-2

जानते हैं। मैं आपसे कह रहा हूं उन्होंने 1989 में आतंक के समर्थन में क्या फैसला लिया? उनकी बेटी किडनैप हुई या क्या हुआ? उसके बाद वहां पर 27 आतंकवादियों को छोड़ा गया। उसके बाद जो हुआ उसकी जितनी निंदा की जाए उतनी कम है। हमारे कश्मीरी पंडितों के घरों में पोस्टर लगा दिए गए कि अपना सामान निकालो और यहां से जाइए। हमारे प्रैस रिपोर्टर ऐसी बातें बता रहे थे। मैं भी तीन वर्ष पहले वहां गया था मेरी गाड़ी भी तोड़ी गई। पाकिस्तान लोगों को पत्थर मारने के पैसे देता था। हमारे बच्चे जो फौज में भर्ती होते थे क्या हमने उन्हें इसलिए भेजा कि उन्हें वहां पर पत्थर खाने पड़े। फिर भी आप कल कह रहे थे कि वहां पर अन्याय हो रहा है। उस वक्त के राष्ट्रपति डॉ0 राधा कृष्ण जी से यह लिखाया गया कि आप इस अध्यादेश को जारी करो।

श्री डी.टी. द्वारा जारी...

03.03.2020/1520/DT/AG-1

श्री रमेश चन्द ध्वाला जारी.....

सन् 1954 में यह अध्यादेश जारी हुआ। 35A और धारा 370 के अन्तर्गत कोई भी बाहर का व्यक्ति वहां नौकरी नही कर सकता है। वहां पर कोई जमीन नहीं खरीद सकता है। जो यह 35A सन् 1944 से लागू की गई है और सन् 1954 में अध्यादेश जारी होता है तो वे लोग कहां जाएगे? उन 5 लाख लोगों को मैंने एक टैंट में रहकर अपने कपड़े बदलते हुए देखा है। मैं वहां जाकर देख आया हूं कि उनके लिए कोई काम धंधा नही है। आज जम्मू कश्मीर के लोग किसी को दौड़ा -दौड़ा करके मार रहे हैं, किसी को गाड़ी के नीचे मार रहे हैं तो किसी को स्कूटर के नीचे मारा जा रहा है। यह कौन-सा न्याय था? वहां वहां गृह मंत्री थे? इसलिए मैं अभी की बात करने जा रहा हूं वे न हमारे संविधान को मानते थे, न हमारा संविधान वहां लागू होता था। अलग विधान, अलग निशान और उनका अपना ही बोलबोला था। क्या हुआ, क्या नहीं हुआ वह हमारे लेह लद्दाख के माननीय सांसद जी ने एक -एक बात का लोकसभा में जिक्र किया है।

Chairman (Col. Inder Singh): Dhawalaji, please wind up.

रमेश चन्द ध्वालाः सर, मैं वाईंड-अप कर रहा हूं। अब जो ट्रंप जी यहां आए तो तो वह मोका तलास कर रहे थे की हमारा दाव कब लगे। यह जो ताहीर हुषैन पार्षद है उसका पांच मंजिला मकान है। आप टैलिविज और मोबाइल पर देखना कि उसने वहां पर क्या-क्या रखा है? उसने क्या-क्या असला वहां पर रखा हुआ है। उस बात को देखना कि नेशलन और अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारिता होगी और वहां सारे- के- सारे लोग आएंगे और पूरे वर्ल्ड में यह बात दिखाई जाएगी कि हिन्दुस्तान में मुसलमान सुरक्षित नहीं है। वे इतने दिनों तक क्यों नहीं बोले? उन्होंने रात को ऐसे-ऐसे निंदनीय कृत्य किये और अंकित शर्मा जो कि आई0बी0 का ऑफिसर था उसको चाकू मार कर उसकी हत्या कर दी गई । जो हमें यहां मिल रहा है, वह उनको भी मिल रहा है। हमारे लोग हिन्दुस्तान से कहां जाएं? जो पाकिस्तान ,अफगानिस्तान,बांग्लादेश, के हिन्दु हैं, वह कहां जाएंगे? ...(व्यवधान) क्या उनको निकाल रहे हैं? मैडम आशा जी, सी.ए.ए.में ऐसा कोई प्रोविजन नहीं है की यहां के लोगो निकाले जा रहा है। ऐसा नहीं है।...(व्यवधान)

03.03.2020/1520/DT/AG-2

Chairman (Col. Inder Singh): Dhawalaji, please wind up.

रमेश चन्द ध्वालाः यह बिल्कुल गलत है। ...(व्यवधान) यह आपकी तरह नहीं है कि बंगालदेश से 6 करोड़ रुपये लाये। वोटो की खातीर लाये। ...(व्यवधान) असम में और बाकी जगह अब क्या हो रहा है? 6 करोड़ रुपये वे किस लिए लाए? वह मैडम जी चम्बा में चले गये, चम्बा में क्या हो रहा है यह आप सब जानते हैं।

Chairman (Col. Inder Singh): Dhawalaji, please wind up.

रमेश चन्द ध्वालाः सर मैं, वाइंड-अप कर रहा हूं। वैसे तो बहुत बातें थी ...(व्यवधान) मैं पहले भी मंत्री था आज भी मंत्री हूं। यह ठीक है no work no worry. आपने मुझे समय

दिया मैं आपका धन्यवाद करता हूं और राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का धन्यवाद करता हूं। जय हिन्द

श्री एन.जी. द्वारा... जारी

03-03-2020/1525/ए.जी.-एन.जी./1

श्री रमेश चंद ध्वाला के पश्चात...

सभापतिः अब इस चर्चा में माननीय सदस्य श्री विनय कुमार जी भाग लेंगे।

श्री विनय कुमार (श्री रेणुकाजी)ः अध्यक्ष महोदय, दिनांक 25 फरवरी, 2020 को माननीय राज्यपाल महोदय ने अपना अभिभाषण इस माननीय सदन में रखा और जिस पर माननीय सदस्य श्री बलबीर जी धन्यवाद प्रस्ताव लेकर आए हैं, मैं उसकी चर्चा में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। सभापति महोदय, मेरे खड़े होते ही माननीय मंत्री जी मुझे थोड़ा डिस्टर्ब कर रहे थे। मुझ से पूर्व माननीय सदस्य श्री ध्वाला जी ने भाषण दिया और ऐसा लग रहा था कि वह राज्यसभा जाने की पूरी तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने अपने भाषण में पहला शब्द भी राज्यसभा बोला तो शायद इन्हें लग गया है कि इनको राज्यसभा भेजने की तैयारी हो रही है। सभापति महोदय, हमने माननीय राज्यपाल जी के अभिभाषण को पूरा पढ़ा है। मैं मानता हूं कि बहुत सारे तथ्य इसमें नहीं दर्शाए गए और बहुत सारी चीजों को छुपाया गया है। माननीय सदस्य श्री राकेश सिंघा जी ने अपने भाषण में वे सभी चीजें बताई जिनका इस अभिभाषण में जिक्र नहीं किया गया था। सभापति महोदय, मुझ से पूर्व वक्ता बहुत सारी चीजों की बात कर रहे थे लेकिन मैं केवल अपने चुनाव क्षेत्र और अपने जिले के बारे में ही बोलना चाहूंगा। सत्तापक्ष के लोग 'जनमंच' की बात कर रहे थे इसके लिए मैं कहना चाहता हूं कि यह जनमंच अधिकारियों को नीचा दिखाने और इलैक्टड लोगों की बेइज्ज़ती करने के लिए बनाया गया है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि माननीय सदन में माननीय कृषि मंत्री जी बैठे हैं और यह मेरे चुनाव क्षेत्र के बेचड़ का बाग में जो जनमंच हुआ था उसमें आए

थे। जैसे कुछ दिन पहले शिलाई के जनमंच में बासा खाना परोसा गया था वैसे ही मेरे चुनाव क्षेत्र के जनमंच में भी बहुत सारे लोगों के पेट खराब हुए थे।...(व्यवधान)

Chairman (Col. Inder Singh): May I request the Hon'ble Members please don't interrupt in-between.

03-03-2020/1525/ए.जी.-एन.जी./2

श्री विनय कुमारः सभापति महोदय, हमने प्रयास किया था कि जनमंच में विधायक को जाना चाहिए। बेचड़ का बाग में माननीय श्री मारकण्डा जी आए थे और वहां पर जो हारे-पीटे लोग थे उनको भाषण देने के लिए खड़ा किया गया था। उन्होंने मंच से बोला कि अधिकारीगण विधायक के साथ जाते हैं तो मैं माननीय मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि अधिकारियों को आदेश दिया जाए कि विधायक के साथ और इलैक्टड लोगों के साथ न जाएं। हारे-पीटे लोग मंच से भाषण दे रहे थे, माननीय मंत्री जी सुन रहे थे और इन्होंने ने उन्हें रोका भी नहीं। यह सब माननीय मंत्री जी के सामने की ही बात है और यदि यह अब मुकर जाएं तो अलग बात है। फिर आप सभी कहते हैं कि जनमंच में सभी की सुनी जाती है और समस्याओं का समाधान किया जाता है। मैंने 1-2 बार डी.सी. साहब को पर्सनली भी बताया कि किन-किन लोगों को जनमंच में आगे जाने से रोका गया।

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी....

03/03/2020/1530/MS/AG/1
श्री विनय कुमार जारी-----

किन-किन बुजुर्ग लोगों को वहां तक नहीं जाने दिया और अपनी समस्या नहीं रखने दी। ये चीजें रिकॉर्ड में हैं। ...(व्यवधान) यह जनमंच नहीं है बल्कि झण्डमंच है जो कि चुने हुए प्रतिनिधियों और अधिकारियों की झण्ड करने के लिए बनाया गया है। ...(व्यवधान) उनके द्वारा तो कुछ असंसदीय शब्द बोले गए थे परन्तु मैं वैसा नहीं कहूंगा। जो मुख्य मंत्री महोदय का इससे पहले का बजट था उसमें लोक भवन की बात की गई थी। जो वह लोक

भवन बनाने की बात की गई थी क्या किसी भी चुनाव क्षेत्र में वे लोक भवन बने हैं? ...(व्यवधान) कहीं नहीं बने हैं। हमारे वहां लोक भवन के लिए जगह भी नहीं मिल रही है। अब मुख्य मंत्री जी का तीसरा बजट आ रहा है और अभी एक-दो बजट आने बाकी हैं। मुझे नहीं लगता है कि तब तक भी इनका काम शुरू हो जाएगा क्योंकि अभी तक कोई लोक भवन नहीं बना है।

सबसे बड़ी बात जो यहां सरकार लेकर आती है, वह यह है कि सरकार बोलती है कि हम पर्यटन को बढ़ावा दे रहे हैं और पर्यटन के क्षेत्र में बहुत कुछ कर रहे हैं। मेरा जो चुनाव क्षेत्र है उसमें धार्मिक पर्यटन बहुत ज्यादा है। मैंने अपने चुनाव क्षेत्र के बारे में मुख्य मंत्री जी से कई बार बातचीत की और कई बार उनको लिखित में भी दिया। जो प्लानिंग की मीटिंग हुई थी उसमें गलत आंकड़े पेश किए गए। मैं आपको बताना चाहूंगा कि मैंने अपने चुनाव क्षेत्र की सड़कों, मंदिरों और चूड़धार के लिए ट्रैक बनाने की बात की थी और उस संदर्भ में कई जगह यह बोला गया कि पर्यटन विभाग इसकी डी0पी0आर0 बना रहा है। जिस जगह के लिए बोला गया कि पर्यटन विभाग इसकी डी0पी0आर0 बना रहा है, वहां सड़क बनकर तैयार हो चुकी थी और विभाग को पता नहीं था। मैंने मुख्य मंत्री जी के संज्ञान में लाया है कि गलत चीजें आपको बताई जा रही हैं और आप उसको वैसे ही प्रेजेंट कर देते हैं। यह बात मैंने प्लानिंग की मीटिंग में बताई थी।

सभापति महोदय, हमारा जो मुख्य मुद्दा है वह पूरे सिरमौर जिले का भी है और प्रदेश का भी है। खासकर मेरे रेणुका क्षेत्र के रेणुका डैम का वह विषय है। इस डैम का ऐस्टीमेट बनाया गया था और जो लोग वहां उजड़ रहे हैं, उनकी बहुत सारी समस्याएं हैं। मैंने बार-बार इस सदन में प्रश्न भी लगाया था कि कई लोग ऐसे हैं जिनकी भूमि डैम में जा रही है परन्तु उनके मकान बच रहे हैं तो उनको किस परिभाषा में लाया गया है तथा उनके लिए सरकार क्या करेगी? जो वहां से उजड़ कर जा रहे हैं उनके लिए कहां ज़मीन ढूंढी गई है

03/03/2020/1530/MS/AG/2

और कितने वर्ष इस डैम को बनाने में लगेंगे? सारे एम0ओ0यू0 साइन हो गए हैं। दिल्ली, हरियाणा, यू0पी0, उत्तराखण्ड और राजस्थान सरकार से एम0ओ0यू0 साइन हो गए हैं और अब हिमाचल प्रदेश का शेयर है तो अब इसके शेयर का क्या हो रहा है, यह मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा? इसका ऐस्टीमेट जब शुरुआत की गई थी तो

5000 करोड़ रुपये के करीब था और अब 7000 करोड़ रुपये के करीब है। अब यदि इसमें ऐसे ही डिले होता रहेगा तो यह 8 या 10000 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। यह बहुत ज्वलन्त मुद्दा है। बाकी डिलिमिटेशन के बाद हमने रि-ऑर्गेनाइजेशन की अपने चुनाव क्षेत्र की बात की थी। मेरे चुनाव क्षेत्र में तीन सब-डिवीजन्ज हैं जिसमें आई0पी0एच0 और पी0डब्ल्यू0डी0 के अलग-अलग डिवीजन्ज हैं तथा इलैक्ट्रिसिटी के भी अलग-अलग डिवीजन्ज हैं जिनके कारण कारण लोगों को बहुत सारी समस्या आ रही है। मैंने कहा था कि इन्हें रि-ऑर्गेनाइज करके एक ही जगह पर लाया जाए। यह भी बहुत अहम मुद्दा था। बड़ी बात यह है कि मैंने प्रश्न के माध्यम से भी पूछा था जिसका उत्तर आज लगा हुआ है कि पूरे हिमाचल प्रदेश में किसी भी विधान सभा क्षेत्र में सात हैलिपैड नहीं होंगे जबकि मेरे चुनाव क्षेत्र में सात हैलिपैड हैं।

जारी जे0के0 द्वारा----

03.03.2020/1535/जेके/AS /1

श्री विनय कुमार जारी---

माननीय जल शक्ति मंत्री जी आप भी बहुत सारी झूठी घोषणाएं मेरे चुनाव क्षेत्र में करके आए हैं। मुझे पता है, मैं यहां पर बताना नहीं चाह रहा हूं। 7 हैलीपैड सिर्फ रेणुका चुनाव क्षेत्र में हैं। मेरे ख्याल से मुख्य मंत्री जी के चुनाव क्षेत्र में भी इतने हैलीपैड नहीं होंगे। इसका आज यहां पर प्रश्न भी लगा था, क्योंकि जो फ्री के हैलीपैड हैं, वे आपको पसंद नहीं हैं। अपने लोगों को अकमोडेट करने के लिए हैलीपैड बनाए जा रहे हैं। उनमें पैसा दिया जा रहा है, उनकी कटिंग करवाई जा रही है, उनको सीधा किया जा रहा है। मैंने यह बार-बार प्रश्न उठाया और मुख्य मंत्री जी को भी कहा कि एक हैलीपैड आपको मुफ्त में मिल रहा है, जिस पर आपने एक रुपया भी खर्च नहीं किया है, आप वहां पर उतरना पसंद नहीं करते। मैं यहां पर यह ज़िक्र इसलिए कर रहा हूं कि इतनी ज़रुरत नहीं है। आप एक तरफ तो एक्सपैंसिज़ करटेल करना चाह रहे हैं कि हमारे जितने भी एक्स्ट्रा खर्चे हैं, उनको रोका जाए। क्या यह एक्स्ट्रा खर्चा नहीं है? नौराधार में हैलीपैड है। नौराधार से बोगधार के बीच में 11 किलोमीटर के अन्दर आपने दूसरा हैलीपैड बना दिया, उसकी क्या ज़रुरत थी?

सिर्फ अपने लोगों को एडजस्ट करने के लिए इतना बजट दिया जा रहा है, उनसे पहाड़ कटाए जा रहे हैं, उनको सीधा किया जा रहा है ताकि उन लोगों को उसमें एडजस्ट किया जा सके। बिना पैसे खर्च किए हुए जिस हैलीपैड पर मुख्य मंत्री जी उतरते थे, उस पर सरकार ने कोई भी पैसा खर्च नहीं किया है।

अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहता हूं कि "गृहिणी सुविधा योजना" की यहां पर बार-बार बात की जाती है। आप हमें यह बताएं कि जितने लोगों को यह गृहिणी सुविधा दी है, क्या उनके घर में गैस जलती है या चूल्हें जलते हैं? जिन लोगों को सिलैंडर गैस दी गई है।

03.03.2020/1535/जेके/AS /2

सभापतिः विनय कुमार जी, प्लीज़ एक मिनट के लिए बैठ जाएं। माननीय सदस्यगण अभी श्री विनय कुमार जी के साथ 13 सदस्य और बोलने वाले हैं। अगर 15-15 मिनट सभी को दे दें तो साढ़े तीन घण्टे लग जाएंगे। अगर आप कहें तो 10 मिनट में ....(व्यवधान) you have already taken the prescribed time. माननीय सदस्य आप बैठिए।

श्री विनय कुमारः माननीय अध्यक्ष जी, ऐसा है जब हम आपको बोल रहे थे तो सभी सदस्य 25-25 मिनट ले रहे थे। हम भी इतना ही बोलेंगे। ....(व्यवधान)

सभापतिः मैं अभी की व्यवस्था दे रहा हूं। अभी अगर 15 मिनट हरेक सदस्य को दिए जाएं तो बोलने के लिए तीन घण्टे चाहिए। अगर 10 मिनट दें तो दो घण्टे चाहिए। ....(व्यवधान) अगर माननीय सदन सहमत हैं तो 10 मिनट में प्रत्येक सदस्य बोलें। श्री विनय कुमार जी, आप बोलें।

श्री विनय कुमारः माननीय सभापति जी, जो "गृहिणी सुविधा योजना" है, जिन-जिन को सिलैंडर दिए गए, उनके घर में लकड़ियों के चूल्हे जल रहे हैं क्योंकि उनके पास दूसरा सिलैंडर खरीदने के लिए पैसे नहीं है। ...(व्यवधान) यह हकीकत है। सरकार हमें इसके

आंकड़ें निकाल कर दें कि कितने लोग ऐसे हैं, जिनको आपने सिलैंडर दिए और उनके घर में लकड़ी के चूल्हे जल रहे हैं।

आप नेशनल हाई-वे की बात करते हैं। चार नेशनल हाई-वे मेरे चुनाव क्षेत्र में डिक्लेयर किए। उन चार नेशनल हाई-वे में से एक की भी प्रोजैक्ट रिपोर्ट नहीं बन रही है। आप बात करते हैं नेशनल हाई-वेज़ बनने हैं, वे कहां बनने हैं? ये सारी की सारी बातें आप लोगों ने यहां पर बोली हैं। मैंने अभी शिक्षा विभाग का प्रश्न किया था जिसमें 700 पोस्टें हैं, जिसमें से 280 पद खाली हैं। वहां पर बच्चे क्या पढ़ रहे होंगे? एक-दो स्कूल तो मेरे चुनाव क्षेत्र में ऐसे हैं जिनमें एक सीनियर सैकंडरी स्कूल है जो कि एस.एम.सी. द्वारा पीरियड बेसिज़ पर चल रहा है।

श्री एस.एस. द्वारा जारी-----

03.03.2020/1540/SS-DC/1

श्री विनय कुमार क्रमागत :

दो-तीन प्राइमरी स्कूल्ज़ ऐसे हैं जोकि बिना टीचर के चल रहे हैं। मैंने बार-बार प्रश्न किया और बोला लेकिन फिर भी स्थिति वही बनी हुई है। मैं जल शक्ति मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि मैंने पिछले दो साल में अपनी विधायक प्राथमिकता में जो स्कीमें दीं क्या आपके डिपार्टमैंट ने एक भी स्कीम की डी0पी0आर0 बनाई? उसमें से कोई स्कीम नहीं बनी। फिर आपने कैबिनेट में नौहराधार में व्हाइट सीमेंट प्लांट पास किया। जब मैंने प्रश्न किया तो इन्होंने उत्तर दिया कि सवाल ही उत्पन्न नहीं होता। अब आप बताईये कि क्या आपका कैबिनेट का डिसीजन ठीक है या फिर यह प्रश्न का उत्तर ठीक है? मंत्री महोदय, आप यह बताईये कि यह भिन्नता क्यों है?

कर्नल इन्द्र सिंह, सभापति : विनय जी, कृपया समाप्त करिये।

श्री विनय कुमार : सभापति महोदय, मैं पांच मिनट और लूंगा। मेरे चुनाव क्षेत्र में 6-7 बड़ी-बड़ी सड़कें जोकि 4 से 5 करोड़ रुपये की हैं उनके काम बंद पड़े हैं। ठेकेदार काम छोड़कर भाग गए हैं। डिपार्टमैंट हाथ-पर-हाथ रखकर बैठा है। हमारे समय में सारे काम चल रहे थे,

सिर्फ आप लोगों के समय में ही ये सारे काम बंद हुए। आपकी सरकार भेदभाव कर रही है। मैंने बार-बार ज़िक्र किया। हमारी जो सबसे अच्छी पर्यटन नगरी रेणुकाजी है वहां के लिए हमारी जू लॉयन सफ़ारी बहुत सालों से चलती आ रही थी। यहां पर संबंधित मंत्री महोदय नहीं बैठे हैं। मैंने बार-बार प्रश्न भी किये और इसके ऊपर बात भी की। एक हमारे बाद की जो लॉयन सफ़ारी गोपालपुर में है वहां तो टाईगर का पेयर आ गया। मैं दो-तीन साल से विधान सभा में प्रश्न कर रहा हूं और हर वर्ष यही उत्तर आता है कि अगली बार टाईगर का पेयर आयेगा। मंत्री महोदय, आश्वासन देते हैं लेकिन उसके बाद कुछ नहीं होता। कुछ नहीं आता, जिसके लिए टूरिस्ट्स इतनी दूर से चलकर आता है। और तो और माननीय वीरभद्र सिंह जी की सरकार में हमने वहां पर दो बैटरी कारें उसकी परिक्रमा के लिए लाई थीं। वे भी ठप पड़ी हैं। वे भी आप लोगों से नहीं चल रहीं। कुछ सैंक्चुअरी एरिया था। जो हमारे मंदिर हैं, झील है, उसके इर्द-गिर्द का जो एरिया है हमने बार-बार यहां प्रस्ताव लाया और प्लानिंग की मीटिंग में रखा तो सैक्रेटरी फॉरैस्ट ने बोला कि हम आपसे बात करेंगे। कुछ एरिया सैंक्चुअरी एरिया से डिलीट होना था ताकि लोग अपने कार्य कर सकें। जहां

03.03.2020/1540/SS-DC/2

हमारा मेला लगता है, इंटरनेशनल फेयर लगता है, उस एरिया को डिलीट नहीं किया गया। ऐसी बहुत सारी प्रॉब्लम्ज़ हैं। हमारे एच0पी0टी0डी0सी0 के होटल्ज़ में टूरिस्ट आना पसन्द नहीं करता है क्योंकि वहां स्टाफ नहीं है। वहां पर टूरिस्ट्स को खाने-पीने के लिए चीज़ें चाहिएं, वे नहीं मिलती हैं। ...(व्यवधान) आपको मैंने किसी दिन ट्रैकिंग के लिए चूड़धार ले जाना है और आपको पता लगेगा कि वह कितना दूर है और कैसे लोग ट्रैक करके जाते हैं। ...(घण्टी)...

कर्नल इन्द्र सिंह, सभापति : विनय जी, कृपया समाप्त करिये।

श्री विनय कुमार : सर, मैं समाप्त कर रहा हूं। यहां पर मेरे एक मित्र बोल रहे थे कि मुख्य मंत्री की कोई एक स्कीम बताओ जोकि मुख्य मंत्री के उद्घाटन के बाद नहीं चली। मैं रिकॉर्ड में इस स्कीम को बताना चाहता हूं। मुख्य मंत्री जी, मेले के लिए रेणुकाजी आए थे और उन्होंने सब-डिवीजन, ददाहू का उद्घाटन किया। जिस दिन आई0पी0एच0 सब-डिवीजन, ददाहू का उद्घाटन किया उस दिन से लेकर जिस दिन तक हमारी प्लानिंग की मीटिंग थी उसमें ताला लगा हुआ था। यह पहली स्कीम है, यह आपकी स्कीम है। यह फैक्ट

है। इसको आप झुठला नहीं सकते। हमारे पास इसका प्रूफ है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने एक पुल का शिलान्यास किया, दो साल हो गए, हमारा सी0आर0एफ0 का पैसा है जोकि माननीय वीरभद्र सिंह जी की सरकार में आया था, उसको आप यूटिलाइज नहीं कर सके। आप वह पुल नहीं बना पा रहे। टेंडर हो गए, सब कुछ हो गया लेकिन पुल का काम स्टार्ट नहीं हुआ।

जारी श्रीमती के0एस0

03.03.2020/1545/केएस/डीसी/1

श्री विनय कुमार जारी---

आपने मिनी सचिवालय की बिल्डिंग का उद्घाटन किया जो हमारी सरकार ने 7 करोड़ रुपये की बनाई थी। उसमें लिफ्ट नहीं चलती। जब मैंने इसका कारण पूछा तो मुझे बताया गया कि इसमें कोई फंस जाएगा। अरे, कोई कैसे फंस जाएगा? आजकल सभी को लिफ्ट संचालित करनी आती है। ... (व्यवधान) आपके मुख्य मंत्री जी द्वारा इनोग्रेट की हुई चीजें हैं जिनके बारे में मैं बता रहा हूं। सभापति महोदय, संगडाह में हॉस्पिटल की बिल्डिंग बन कर तैयार हुई लेकिन उसमें लिफ्ट का प्रावधान नहीं है।

सभापतिः माननीय सदस्य, कृपया अब बैठ जाएं।

श्री विनय कुमारः सभापति महोदय, ये बहुत ज्वलंत मुद्दे हैं। इनको यहां नहीं तो कहां पर उठाएं? अगर माननीय मुख्य मंत्री महोदय स्वयं इस वक्त इस माननीय सदन में होते तो मैं उनके सामने अपनी बात रखना चाहता था परन्तु जल शक्ति मंत्री जी भी बैठे हैं, इनके ध्यान में भी कई चीजें मैंने लाई हैं। आशा है कि ये उन पर विचार करेंगे।

सभापतिः माननीय सदस्य, अभी आप बैठ जाएं। इस सम्बन्ध में इनके चैम्बर में जा कर बात कर लेना।

श्री विनय कुमारः अध्यक्ष महोदय, इस अभिभाषण में ऐसा कुछ नहीं है जिसका समर्थन किया जाए। इसलिए मैं इसका समर्थन नहीं करता। सभापति महोदय, आपने समय दिया, आपका धन्यवाद।

Chairman: Now there are twelve Members to speak. अगर प्रत्येक सदस्य 12-12 मिनट भी लेंगे तो भी दो घंटे से ज्यादा समय लग जाएगा। अब माननीय सदस्य श्री विनोद कुमार जी चर्चा में भाग लेंगे।

03.03.2020/1545/केएस/डीसी/2

श्री विनोद कुमार (नाचन): सभापति महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने 25 फरवरी, 2020 को इस सदन में जो अभिभाषण पढ़ा और उसका समर्थन, उसका धन्यवाद प्रस्ताव हमारे बड़े भाई बलवीर सिंह जी, भाई राकेश जम्वाल जी ले कर आए, मैं भी खुद को उसमें शामिल करता हूं। आपने समय दिया, आपका भी बहुत-बहुत धन्यवाद और साथ में मैं इस धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन भी करता हूं।

सभापति महोदय, वैसे तो इस अभिभाषण पर माननीय सदस्यों ने काफी विस्तार में अपने-अपने विचार यहां पर रखे हैं और मैं सभी माननीय सदस्यों को बड़े ध्यान से सुन रहा था, विशेषकर विपक्ष की ओर से इस अभिभाषण के बारे में अनेकों सदस्यों ने कहा कि यह अभिभाषण जो यहां पर पढ़ा गया, इसमें पहले कम पन्ने थे, बाद में ज्यादा पन्ने हुए। मैं कहना चाहूंगा कि प्रदेश के मुख्य मंत्री आदरणीय जय राम ठाकुर जी ने पिछले दो वर्षों से लगातार हिमाचल प्रदेश की जनता के लिए एक नहीं अनेकों काम किए हैं, यही कारण है कि इन पन्नों की संख्या बढ़ गई है।

सभापति महोदय, प्रदेश सरकार द्वारा सभी विधान सभा क्षेत्रों को लोक भवन केन्द्र दिए गए लेकिन यह सुन कर हैरानी होती है कि एक माननीय सदस्य इस बात को कहे कि माननीय मुख्य मंत्री जी की ओर से हमारे विधान सभा क्षेत्र को एक लोक भवन दिया गया लेकिन उसके लिए अभी तक अगर जमीन का चयन नहीं हुआ है तो इसमें उस माननीय

सदस्य की विफलता है। मैं कहना चाहूंगा प्रदेश के मुख्य मंत्री आदरणीय जय राम ठाकुर जी ने अपने पहले बजट भाषण में इस बात को सुनिश्चित किया था कि

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

03.03.2020/1550/av-dc/1

श्री विनोद कुमार---------- जारी

हिमाचल प्रदेश के हर विधान सभा क्षेत्र के अंदर लोक भवन केंद्र बनाए जायेंगे जिसके लिए माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा 30-30 लाख रुपये की राशि दी गई। मेरे विधान सभा क्षेत्र में माननीय मुख्य मंत्री जी के आशीर्वाद से जिस मुख्य मंत्री लोक भवन केंद्र के लिए पैसे दिए गए थे उसके लिए विभाग के नाम जगह भी स्थानांतरित कर दी गई है और मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि वह लोक भवन केंद्र 30 लाख रुपये की राशि से नहीं बल्कि 72 लाख रुपये की राशि से बनकर तैयार हो रहा है। उसमें 30 लाख रुपये मुख्य मंत्री लोक भवन केंद्र के माध्यम से मिले हैं और बाकी की राशि हमने उसमें मनरेगा कंवर्ज़ेंस के तहत डाली है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि माननीय मुख्य मंत्री जी के आशीर्वाद से हिमाचल प्रदेश के नाचन विधान सभा क्षेत्र का वह ऐसा पहला लोक भवन केंद्र बनने वाला है। यहां पर एक सचिवालय का जिक्र किया गया और यहां पर जोर-जोर से कहा गया कि उस सचिवालय के लिए हमारी सरकार के समय में पैसा दिया गया तथा हमारी सरकार के समय में ही तैयार किया गया व साथ में उसकी लिफ्ट का जिक्र भी किया गया। आप लोगों ने कहा कि उस सचिवालय को पैसा आपने दिया और उसको बनाया भी आपने, अगर उसकी लिफ्ट खराब होती है तो वह कमी आपकी सरकार की है या हमारी सरकार की है। मैं यह कहना चाहता हूं कि यह कमी आपकी सरकार की थी क्योंकि यह काम आपकी सरकार के कार्यकाल में हुआ था। अगर उस सचिवालय में कोई काम ठीक नहीं हो रहा था तो उस समय आप कहां सोए थे क्योंकि आप उस समय इस विधान सभा के सदस्य के साथ-साथ सी0पी0एस0 भी थे और आपके पास लोक निर्माण विभाग था। यहां पर सड़कों

को लेकर बात की गई। हद हो गई, हम जब विपक्ष में थे तो अपनी बात एक बार नहीं बल्कि बार-बार कहते थे मगर यहां पर बैठी हुई सरकार किसी की बात सुनने के लिए तैयार नहीं थी। मैं तो यह कहना चाहता हूं कि आदरणीय श्री जय राम जी की सरकार के दो साल के कार्यकाल में हिमाचल प्रदेश में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं जिसके लिए मैं प्रदेश के मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा। इसके साथ-साथ, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी और

03.03.2020/1550/av-dc/2

माननीय जल शक्ति मंत्री जी को भी बधाई देना चाहता हूं क्योंकि आप अपने सामूहिक प्रयासों से जल जीवन मिशन के अंतर्गत 2896 करोड़ रुपये की 327 योजनाओं को लेकर आए हैं। अगर मैं पिछली सरकार की बात करूं तो मैं यह कहना चाहूंगा कि पिछली सरकार खुद तो सोयी हुई थी मगर साथ में आपका सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग भी सोया हुआ था और उस दौरान आई0पी0एच0 डिपार्टमैंट द्वारा कोई भी काम नहीं किया गया। आप जल जीवन मिशन के तहत इतनी बड़ी योजना लेकर आए, मुझे हंसी आती है जब यहां पर मेरे कुछ मित्र यह बात कहते हैं कि कोई काम नहीं हुआ। यार, शर्म करो। प्रदेश की जनता जानती है कि प्रदेश के मुख्य मंत्री आदरणीय जय राम ठाकुर जी के अथक प्रयत्नों के कारण कितने काम हो रहे हैं। आप कहते हैं कि कुछ नहीं हुआ। मैं आपको बताना चाहूंगा कि इसी जल जीवन मिशन के तहत मेरे नाचन विधान सभा क्षेत्र में प्रदेश के मुख्य मंत्री आदरणीय जय राम ठाकुर जी और माननीय जल शक्ति मंत्री जी के आशीर्वाद से पीने के पानी की लगभग 50 करोड़ रुपये की योजनाएं स्वीकृत की गई हैं जिसके लिए मैं पूरे नाचन विधान सभा क्षेत्र की जनता की ओर से इनका दिल की गहराई से धन्यवाद करना चाहूंगा। मैं माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि आपने मेरे सामने बैठे मित्रों की जितनी-जितनी स्कीमें जल जीवन मिशन के तहत स्वीकृत की हैं उनकी पूरी सूची कल इन सभी माननीय सदस्यों को दी जाए ताकि इनकी आंखें खुलें। यहां पर जैसे आदरणीय ध्वाला जी ने कहा कि कोई गाय या भैंस थी जिसको सूखा घास खाने की आदत नहीं थी। मैं यहां यह कहना चाहूंगा कि इनको भी अब उस हरे चश्मे की आदत पड़ गई है

जिसका जिक्र यहां पर ध्वाला जी ने किया है। हो सकता है कि हमारी सरकार ने कुछ काम ठीक नहीं किए होंगे परंतु मैं इस सदन के माध्यम से कहना चाहूंगा कि प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री जी ने अपने इस दो वर्ष के कार्यकाल में बहुत सारे ऐतिहासिक कार्य किए हैं।

टी सी द्वारा जारी

03.03.2020/1555/TCV/HK-1

श्री विनोद कुमार ... जारी

इसके साथ-साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा, माननीय सदस्य कह रहे थे कि केन्द्र की ओर से कोई काम नहीं किये जा रहे हैं। केन्द्र सरकार ने इस देश और प्रदेश में कोई काम नहीं किया है, 'प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि योजना' का ज़िक्र यहां पर अनेकों माननीय विधायकों ने किया है। 21 जनवरी, 2020 तक हिमाचल प्रदेश में लगभग 597 करोड़ रुपये की राशि से 8,46,784 किसानों को इस योजना से जोड़ा गया है। उसमें यह नहीं देखा गया कि कौन-सा किसान भारतीय जनता पार्टी या कांग्रेस पार्टी का है और कौन-सा किसान किस जाति-धर्म से हैं। सभी किसानों को इस योजना के साथ जोड़ने का काम हमारी केन्द्र की सरकार ने किया है। नाचन विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में भी अनेकों ऐसे किसान है, जिनको इस योजना के साथ जोड़ा गया है। मेरे सामने जो मित्र (विपक्ष) बैठें हैं, आप अपनी विधान सभा के अंदर जाइये और लोगों को पूछिये कि 'प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि योजना' के तहत कितने किसानों को इस योजना के साथ जोड़ा गया है? आपको आज अपने विधान सभा चुनाव क्षेत्र में घूमने की आवश्यकता है अन्यथा आने वाले समय में, पिछली बार 21 सीटें आई थीं, अगली बार 21 आने की भी उम्मीद नहीं है, यह मैं कहना चाहूंगा। आपने कहा कि केन्द्र सरकार कुछ नहीं कर रही है। मुझे आज भी याद है, हम विपक्ष में होते थे, आप सत्तापक्ष में होते थे और उस व़क्त के माननीय मुख्य जी हमारे विपक्ष के नेता और सब लोगों से इस बात को कहते थे कि आपकी सरकार केन्द्र में आ गई है। आप इस हिमाचल प्रदेश के विकास के लिए, इसके उत्थान के लिए कुछ नया करें ताकि

हिमाचल प्रदेश में विकास की गति को बढ़ाया जा सकें, इस बात को आपके साथी लोग यहां पर कहते थे। मैं देश के प्रधान मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा और हमारी उस व़क्त की पूरी टीम का धन्यवाद करना चाहूंगा। यहां से उस व़क्त हमारे सभी सदस्य प्रधान मंत्री जी से मिलने गये और

03.03.2020/1555/TCV/HK-2

सब लोगों ने निवेदन किया कि हिमाचल प्रदेश को विशेष राज्य का दर्ज़ा दिया जाये क्योंकि पहले हिमाचल प्रदेश को विशेष राज्य का दर्ज़ा मिला हुआ था। जब प्रदेश में आपकी सरकार थी और केन्द्र में भी आपकी सरकार थी तो उस दर्ज़े को हिमाचल प्रदेश से छिन लिया गया। केन्द्र में जब फिर से हमारी सरकार बनी तो हिमाचल प्रदेश को भी विशेष राज्य का दर्ज़ा दिया गया जिसके तहत 10:90 की रेशों से हमें पैसा मिलता है। यदि 1,00,000/- रुपये हमें मिलता है तो उसमें 90,000/- रुपये केन्द्र की सरकार देती और 10,000/- रुपये राज्य की सरकार खर्च करती है। इससे पहले 50 प्रतिशत केन्द्र की सरकार देती थी और 50 प्रतिशत हमें खर्च करना पड़ता था। चाहे केन्द्र की बात हो या प्रदेश की बात हो, ये काम यदि किये हैं तो भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किये हैं। हिमाचल प्रदेश में माननीय जय राम ठाकुर जी के नेतृत्व में और हमारे पूर्व में रहे स्वास्थ्य मंत्री, श्री विपिन सिंह परमार जी के नेतृत्व में बहुत अच्छा कार्य स्वास्थ्य के क्षेत्र में हुआ है। विश्व की सबसे बड़ी योजना 'आयुष्मान भारत योजना' को हमारी सरकार ले करके आई और उस योजना के तहत हिमाचल प्रदेश के 22 लाख लोगों को उस योजना के साथ जोड़ा गया लेकिन मुख्य मंत्री जी के पास सब विधायक मिलने गये और इस बात को लेकर चिंता व्यक्त की कि हमारे प्रदेश की जनसंख्या लगभग 70 लाख के करीब है। इसमें से 22 लाख लोगों को आयुष्मान भारत योजना के साथ जोड़ा गया है बाकी जो और लोग बच गये हैं, उनका इलाज किस तरीके से किया जाये? कोई ऐसी योजना लाई जाये ताकि हर वर्ग को उस योजना का लाभ मिल सके। मैं प्रदेश के मुख्य मंत्री आदरणीय जय राम ठाकुर जी और परमार जी को बधाई देना चाहूंगा, वे गरीब लोगों के लिए, गरीब लोगों के उत्थान के

लिए 'हिम केयर योजना' लेकर आये। इस हिम केयर योजना के माध्यम से 5.50 लाख परिवारों को पंजीकृत किया गया है।

एन0एस0 द्वारा .... जारी

03-03-2020/1600/NS/YK/1

श्री विनोद कुमार ..... जारी

अभी तक 65,807 लाभार्थियों को 07.91 करोड़ रुपये की निःशुल्क चिकित्सा का लाभ इस योजना के माध्यम से दिया गया है। माननीय सभापति महोदय, 4-5 दिन पहले की बात है। एक कार्यकर्ता ने मुझे फोन किया कि मैं शिमला आया हूं और मुझे यहां पर रूकना है। शाम को जब मैंने उसको बुलाया तो पता चला कि उसकी पत्नी का स्टोन का यहां पर आपरेशन होना था। यह स्वभाविक है कि जब मुझसे मिलने आया तो मैंने कहा कि मेरे लायक किसी मदद या सहयोग की आवश्यकता होगी तो बताना। वैसे तो माननीय मुख्य मंत्री जी ने बहुत-सी स्कीमें शुरू की हैं लेकिन अगर आप फिर भी किसी योजना से नहीं जुड़े हैं तो मैं चाहूंगा कि आप बिल ले लें, अगर आपरेशन होना है तो उसका एस्टिमेट ले लें ताकि मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से बात कर सकूं। मुझे आज यहां बताते हुए प्रसन्नता हो रही है जब उसने कहा कि माननीय मुख्य मंत्री जी के आशीर्वाद से "हिमकेयर योजना" शुरू की गई है और एमरजैंसी में मैंने उसी समय उसका कार्ड बनवा करके इस स्कीम के तहत इलाज़ हो रहा है। मैं कहना चाहूंगा कि एक नहीं बल्कि अनेकों ऐसे गरीब परिवार होंगे जिन परिवारों को इस योजना के माध्यम से जोड़ा जा रहा है और इस योजना के माध्यम से उन परिवारों को लाभ हो रहा है।

सभापति महोदय, एक बहुत अच्छी योजना प्रदेश के मुख्य मंत्री आदरणीय जय राम ठाकुर जी ले करके आए और वह योजना "मुख्य मंत्री सहायता चिकित्सा योजना" है। माननीय मुख्य मंत्री जी के अथक प्रयासों से "मुख्य मंत्री चिकित्सा सहायता कोष" का गठन बज़ट अभिभाषण वर्ष 2018-19 के अनुरूप 20 अक्तूबर, 2018 को किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद और गरीब लोग जो गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं को सहायता प्रदान करना था। मैं आपको कहना चाहूंगा कि अभी तक इस योजना के माध्यम से 327 परिवारों को 05.75 करोड़ रुपये की राशि प्रदेश के मुख्य मंत्री आदरणीय जय राम ठाकुर जी द्वारा

दी गई है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहूंगा कि ऐसे गरीब लोगों की मदद करने का काम आपने शुरू किया है। मैं यहां पर मेरे विधान सभा क्षेत्र की इसी तरह की घटना का ज़िक्र करना चाहूंगा। एक बेटी सीमा जिसको ब्लड कैंसर हो गया था और आई0आर0डी0पी0 परिवार से संबंध रखने वाली बेटी जब अपना इलाज करवाने पी0जी0आई0, चंडीगढ़ गई और जब डॉक्टर ने उसको

03-03-2020/1600/NS/YK/2

इलाज का लगभग 5 लाख रुपये का एस्टिमेट दिया तो उसके परिवार वाले हैरान हो गए कि पैसों की व्यवस्था कैसे की जाएगी? जब वह परिवार मेरे पास आया तो मैंने कहा कि मैं निश्चित तौर पर माननीय मुख्य मंत्री जी से इस बारे में बात करूंगा। मैं, माननीय मुख्य मंत्री जी का उस बेटी सीमा के परिवार की ओर से और नाचन विधान सभा क्षेत्र के हर व्यक्ति की ओर से धन्यवाद करना चाहूंगा कि माननीय मुख्य मंत्री जी ने पूरे 5 लाख रुपये की मदद की। आज उस बेटी का उपचार पी0जी0आई0, चंडीगढ़ में हो रहा है।

सभापति : माननननीय विनोद जी, कृपया वाइंड अप करें। You have taken seventeen minutes. Please wind-up.

श्री विनोद कुमार : नहीं, सर, मैंने अपनी बात पूरी करनी है। दस मिनट और दे दीजिए। इसके अलावा मैं "सहारा योजना" की बात करना चाहता हूं। मैं कहना चाहूंगा कि प्रदेश के मुख्य मंत्री आदरणीय जय राम ठाकुर जी ने उनकी सहायता की है जिनका कोई सहारा नहीं होता है। बहुत से ऐसे परिवारों में कुछ लोगों को पैरालाइज़ हो जाता है, किडनी का मरीज़ हो जाता है, कैंसर और हार्ट का मरीज़ हो जाता है और जिसको हर महीने दवाई लेनी पड़ती है लेकिन उसके पास पैसे नहीं होते हैं। माननीय मुख्य मंत्री जी ने उन बेसहारा लोगों का सहारा बनने का काम किया है। इस योजना के माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी ने 3,700 लाभार्थियों को वित्तीय सहायता देने का काम किया है।

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

03.03.2020/1605/RKS/YK-1

श्री विनोद कुमार... जारी

इसके लिए मैं प्रदेश के मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी को बधाई देना चाहूंगा। हिमाचल प्रदेश में किडनी के पेशैंट आये दिन बढ़ रहे हैं। किडनी के पेशैंट को डायलिसिस करवाने में जितना पैसा खर्च करना पड़ता है उतना उसे ट्रांसप्लांट कराने में खर्च नहीं करना पड़ता। हमने माननीय मुख्य मंत्री जी से आग्रह किया कि आप सरकारी अस्पतालों में डायलिसिस की मशीनें उपलब्ध करवायें। माननीय मुख्य मंत्री जी के अथक प्रयासों से आज प्रदेश के हर जोनल होस्पिटल में डायलिसिस की मशीनें स्थापित हुई हैं जिनका लाभ हिमाचल प्रदेश में रहने वाले लाखों लोगों को मिल रहा है। सिविल अस्पताल, सुन्दरनगर, पालमपुर और हिमाचल प्रदेश के अनेकों अस्पतालों में सरकार द्वारा डायलिसिस की मशीनें मुफ्त में स्थापित की गई हैं।

सभापतिः माननीय सदस्य कृपया वाइंड-अप करें।

श्री विनोद कुमारः सर, मैं अपनी बात समाप्त कर रहा हूं। मेरे छोटे भाई श्री विक्रमादित्य सिंह जी इस अभिभाषण पर चर्चा करते समय जोर-जोर से कह रहे थे कि हिमाचल प्रदेश में कोई भी काम नहीं हो रहा है। मैं 22 फरवरी की अखबार में पढ़ रहा था कि 11 फरवरी को माननीय सदस्य, माननीय मुख्य मंत्री जी मिलने गए और माननीय मुख्य मंत्री जी से आग्रह किया कि आप मेरे विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र का दौरा कीजिए क्योंकि आपके आशीर्वाद से 65 करोड़ रुपये की स्कीमें मेरे विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में बनकर तैयार हुई हैं। माननीय विक्रमादित्य जी यह आपकी दोहरी मानसिकता अच्छी नहीं है। इस अभिभाषण पर काफी विस्तार से चर्चा हुई है लेकिन जनता जानती है कि प्रदेश में कितने विकास के कार्य हुए। चाहे जनमंच हो, गृहिणी सुविधा योजना हो, इस तरह के अनकों काम सरकार द्वारा किए गए हैं। अंत में मैं यही कहना चाहूंगा कि हमारे मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी का दो वर्ष का कार्यकाल आराम करते-करते नहीं बल्कि हिमाचल प्रदेश की जनता का काम करते-करते बीता है और जो अभूतपूर्व काम माननीय मुख्य मंत्री जी ने किए हैं उसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। मैं माननीय राज्यपाल महोदय के इस अभिभाषण का समर्थन करता हूं। सभापति जी, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका धन्यवाद।

03.03.2020/1605/RKS/YK-2

सभापतिः अब माननीय सदस्य श्री होशयार सिंह जी चर्चा में भाग लेंगे। माननीय सदस्य कृपया 15 मिनट में अपनी बात पूरी करें।

श्री होशयार सिंह(देहरा)ः सभापति महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने का मौका दिया, आपका धन्यवाद। मैं 20 मिनट में अपनी बात पूरी करने की कोशिश करूंगा। इस अभिभाषण पर बहुत चर्चा हुई है। सत्तापक्ष और विपक्ष की ओर से किसी ने इसकी तारीफ की है और किसी ने इसके खिलाफ कहा है। कुछ बातें ऐसी थी जो इस अभिभाषण में नहीं है परंतु उन बातों का होना इसमें जरूरी था। पहले मैं अपने देश के बारे में चार बातें कहूंगा और उसके बाद मैं अपने प्रदेश के बारे में कुछ कहूंगा। जो इस अभिभाषण में लिखा है वह बहुत अच्छा है।

श्री बी.एस.द्वारा... जारी

03.03.2020/1610/बी.एस./ए.जी./-1

श्री होशयार सिंह जारी...

मेरे से वरिष्ठ माननीय मंत्री एवं माननीय सदन के माननीय सदस्य यहां पर बैठे हैं उन्होंने भी काफी सारी बातें रखी परंतु मैं आज इस माननीय सदन में कुछ ऐसी बातें रखना चाहूंगा जिनसे हमारा सर गर्व से ऊंचा उठता है। आज जब हम विदेश जाते हैं तो हमारा सिर गर्व से ऊंचा जो जाता है। क्यों हमारा सिर गर्व से ऊंचा होता है? इसलिए ऊंचा होता है कि हमारे प्रधान मंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी ही विश्व में सिर्फ एक ऐसे प्रधान मंत्री है जिन्हें पूरे विश्व में सबसे ज्यादा अवार्ड से नवाजा गया है। जिन अवार्ड के बारे में मैं आपको विस्तार से बताना चाहूंगा, शायद आप में से कइयों को पता न हो। हमारे माननीय प्रधान मंत्री जी को 03 अप्रैल, 2016 को अब्दुल अजीज अल साउद सबसे ऊंचा highest honour of Saudi Arab अवार्ड का मिला, वह अवार्ड पहली बार किसी गैर मुस्लिम को प्राप्त हुआ। इसके बाद Order of Ghazi Amir, अफगानीस्तान ने 04 जून, 2016 को highest civilian honour of Afghanistan का अवार्ड मोदी जी को दिया गया। आदरणीय मोदी

जी विश्व के आठवें ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें यह अवार्ड दिया गया। तीसरा Grand Collar of the State of Palestine Award 10 फरवरी, 2018 को हमारे प्रधान मंत्री मोदी जी को दिया गया। माननीय प्रधान मंत्री जी चौथे recipient of this award in the world. This is the highest honour Palestinian Award to be given to any foreign country. Order of Zayed Award, U.A.E. ने 04 अप्रैल, 2019 को हमारे प्रधान मंत्री मोदी जी को दिया गयाI And this is the highest civilian award of the U.A.E. India is the first country to get this award. Order of St. Andrew Award, highest civilian award of Russia was given to Modiji. Modiji is the first Indian to receive this award in the world. Order of Distinguished Rule of Nishanizzuddin, country Maldives. On 8th June ,2019 highest honour of the Maldives awarded to our Hon'ble Prime Minister, Modiji. He is the seventh recipient of this award. Champions of the Earth Award, United Nations Environment Programme अक्तूबर, 2018 को हमारे देश हिन्दुस्तान के प्रधान मंत्री जी को यह अवार्ड प्रदान किया गया। Global Goalkeeper Award awarded by Bill Gates and Melinda Gates Foundation Award for "Swachh Bharat" का जो अवार्ड है यह सितम्बर, 2019 को हमारे देश को दिया गया। इतने सारे अवार्ड अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारे देश को मिल रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं, यह गर्व की बात है। विदेशी कहते हैं कि आपके देश को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर इतने

03.03.2020/1610/बी.एस./ए.जी./-2

अवार्ड मिले हैं। Modiji is the 3rd most followed Head of the State on Twitter. पूरे विश्व के तीसरे नम्बर पर आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी को फोलो किया जा रहा है। Forbes Magazine Ranked as 9th most powerful person in the world in the year 2015, 2016 and 2018. यह गर्व का विषय है। इसी के कारण आज India has become the 5th largest economy in the world with the nominal GDP of 2.94 trillion dollar. हमारे देश ने यू.के. और फ्रांस को भी ओवर टेक कर लिया है। अब हम पांचवे स्थान पर पहुंच चुके हैं। मैं बधाई देना चाहता हूं कि यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। वर्ष 2023 तक हम जर्मन को भी पीछे करेंगे और हम विश्व में तीसरा स्थान हासिल करेंगे। यह बात हमारे देश की हुई।

मैं कुछ बात अपने प्रदेश की भी करना चाहूंगा कि कौन से अवार्ड हमारे प्रदेश ने किस क्षेत्र में हासिल किए हैं। Himachal Pradesh has begged three award of the Indian Today Tourism Awards of 2019. The State received three runner up awards for "Best Adventure Destination", for "Best Mountain Destination", and for "Most Scenic Road" during the India Today Tourism Survey and Awards 2019.

श्री डी.टी. द्वारा जारी...

03.03.2020/1615/DT/AG-1

Shri Hoshyar Singh Continues. . . .

Union Minister of State of Tourism K.J. Alfonso presented this award to the State. Paragliding Bir Billing was presented as the best runner up award under "Best Adventure Destination". Sangla in Kinnaur District begged runner up award in "Best Mountain Destination" category whereas Shimla ' Jispa via Kaza was chosen as runner up award in the "Most Scenic Road" category. तो यह जो इलाके हैं इन इलाकों को विकसित किया जाए ताकि यहां पर टूरिज्म की अपार संभावना हो। According to the Survey conducted by Economic Times on December 26, 2019 Himachal Pradesh was ranked as 1st State for Good Governance index.हिमाचल प्रदेश पुरे देश का पहला प्रदेश बना है जो GGI in the North East and Hill Category States. हमारा हिमाचल नं0 एक है। Himachal Pradesh has been ranked as 1st in "Human Resource and Development Sector" in North East and Hill Category States. Himachal Pradesh and Chandigarh have ranked 1st in Infrastructure and Utility Sector in the North East and Hill Category States. Again Himachal and Chandigarh have ranked 1st in

Judicial and Public Security Sector in the North East and Hill Category States तो हमारा प्रदेश आज कहां जा रहा है? यह बातें जो बतानी चाहिए थी वह नहीं बाताई गई हैं। Himachal was again declared as the best performing States in the Education and Health Care by India Today Group in November, 2019. हर जगह हम आगे बढ़ रहे हैं। कुछ सैक्टर है जहां अभी भी हमें थोड़ी कमियां नजर आएगी जिसे हम अप्रूव कर रहे हैं। Agriculture Sector, Education Sector, Health Sector, Law and Order, Governance, Inclusive Development, Entrepreneurship, Environment, Cleanliness and Tourism इसमें अभी भी बहुत सारी आवश्कता है, जहां हमे आगे बढ़ना है। मैं माननीय मुख्यमंत्री और माननीय जल शक्ति मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं। मेरे विधान सभा क्षेत्र में सात स्कीमें अंडर एस.सी.एस.पी. की मंजूर हुई हैं। 5 करोड़ 25 लाख रुपये का कार्य चालू है और वहीं नाबार्ड की भी पांच स्कीमें मंजूर कि गई हैं जो 14 करोड़

03.03.2020/1615/DT/AG-2

की स्कीम है जिनका कार्य जोर-शोर से चला हुआ है। जल जीवन मिशन में अभी -अभी थोड़े दिन पहले 32 करोड़ की और एक 7.50 लाख की स्कीमों का शिलान्यास रखा गया और इसका कार्य भी शुरू हो गया है। मैं धन्यवाद करता हूं माननीय मुख्यमंत्री जी और माननीय महेन्द्र सिंह ठाकुर जी का जिन्होंने इस कार्य को गति दी और यह कार्य शुरू हुए I would like to thank the Hon'ble Chief Minister and Jal Shakti Minister, जिन्होंने चैनेलाइजेशन स्कीम के लिए 2.31 करोड़ रुपये सैंक्शन किए हैं। This is for the scheme of Ranta to Sour Kallan Bridge which was in my constituency and of Arun Kumar's constituency. मैं यह भी बताना चाहता हूं that after my visit to Central Water Commission, Pune and with the high efforts of Hon'ble Chief Minister and Thakur Mahender Singh ji, हमारी दो विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र की 11 खड्डु जो है यह final scrutinizing का कार्य CWCन्यू दिल्ली में शुरू हो गया है। जिसके लिए बहुत जल्द 708 करोड़ रुपये की मंजूरी मिलने वाली है। In Education Matters, I would like to thank the Hon'ble Chief Minister as well as Education Minister, Shri Bhardwajji for granting MSc in Physics and Chemistry and M.Com in

Government Degree College, Dhaliara which falls in my constituency. In the Health Sector, again I would like to thank the Hon'ble Chief Minister and former Health Minister, Shri Vipin Singh Parmarji for sanctioning one PHC in Dhaliara and providing funds for the CHC in Haripur. I would also like to thank the Hon'ble Chief Minister for sanctioning sub division at Haripur and three new sections at Haripur as well as for upgradation of 12 roads under MMGSY costing Rs. 18.00 crores. इतनी सारी सौगातें मुझे दो सालो में मेरे विधान सभा क्षेत्र को मिली है। देहरा एक ऐसा विधान सभा क्षेत्र है जो 30 साल से विपक्ष में बैठा। पहली बार मैं धन्यवाद करूंगा माननीय मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर जी की हमे पक्ष में बिठाया। बिना भेदभाव के, बिना किसी कमी के हमें सारी जरूरतें पूरी की है, मैं बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं I would like the great decision of our Government and the State taken up by Shri Jai Ram Thakurji for the starting and

Continued by AS in English . . .

03-03-2020/1620/ए.एस.-एन.जी./1

श्री होशयार सिंह जारी...

the work of expansion of the International Airport at Kangra जिससे हमारे स्टेट को बहुत फायदा होगा और truism को भी बहुत लाभ होगा। मैं बधाई देना चाहता हूं for Global Investors Meet और इसके बारे में मैं कहना चाहूंगा कि जो हमारे पार्टनर्स थे that was U.A.E.

सभापति महोदय, U.A.E. एक ऐसा देश है जहां पर केवल रेगिस्तान है और मैं चाहता हूं कि हमारे प्रदेश में एक ऐसी पोलिसी बने जिससे U.A.E. का टूरिस्ट रेगिस्तान से हमारे हिमाचल के बफ्रिस्तान में बर्फ देखने के लिए आए और ठंड का आंनद ले, इससे हमारे टूरिज्म को बहुत भारी लाभ मिलेगा। Industry के माध्यम से ऐसे उद्योग यहां पर लाएं और जो हमारे अपने रिसोर्स हैं जैसे Forest Based Plywood Industry को यहां पर ज्यादा-से-ज्यादा लाया जाए। पानी के लिए Bislery Water Plant यहां पर लाया जाए

क्योंकि यहां पर 2 करोड़ टूरिस्ट आता है और लगभग 10 करोड़ पानी की बोतलें बिकती हैं। ऐसे प्लांटों को यहां पर लाया जाए जिससे हमारे यहां पर रोज़गार बढ़े और हमारे यहां पर इतना अच्छा पानी है जिससे बिसलेरी पानी को हम बाकि राज्यों को भी बेच सकते हैं। Poultry Farms and other Industries should be promoted, so that the tourists those who are coming to Himachal Pradesh. बेसिक इण्डस्ट्रीज़ उनको यह सप्लाई करें क्योंकि आज जो भी Poultry या eggs हैं वे दूसरे प्रदेशों से हमारे यहां पर आ रहे हैं तो हमारी लोकल इण्डस्ट्रीज़ को बढ़ावा देना चाहिए जिससे हमारे लोकल लोगों को रोज़गार मिले।

सभापति महोदय, रेवन्यू के क्षेत्र में मैं कहना चाहूंगा और हमारे आदरणीय बिन्दल जी ने भी कहा कि हमारे हिमाचल प्रदेश को हर वर्ष 7,750 करोड़ Repayment of interest and principal amount देना पड़ रहा है। वाकई यह बहुत चिन्ताजनक बात है। हमारे यहां बहुत बड़े-बड़े सीमेंट प्लांट हैं, माइनिंग है और हमारे प्रदेश से सीमेंट अन्य प्रदेशों में export करते हैं। दुःख की बात यह है कि जो 18 प्रतिशत IGST collect किया जाता है उसमें से 9 प्रतिशत केन्द्र सरकार को और 9 प्रतिशत उन प्रदेशों को जाता है जो इसे consume करते हैं। (घण्टी) हमारे स्टेट को कुछ नहीं मिलता।

03-03-2020/1620/ए.एस.-एन.जी./2

Chairman: Hon'ble Member, please, wind-up now.

Sh. Hoshyar Singh: Hon'ble Chairman, Sir, this is a very importance issue of Revenue. Sir, हमारा प्रदेश कर्ज में डूब रहा है। कृपया इसके बारे में चार शब्द बोलने दें।

Chairman: Hon'ble Member, please, wind-up now.

श्री होशयार सिंहः सभापति महोदय, प्रदेश में एक पोलिसी बनाई जाए, to tax the Cement Industry and Mining Industry and special taxes should be levied on these industries, so that we get revenue and that revenue should be used for the benefit of our State. साथ ही कुछ burning issues हैं जो पहली विधान सभा में रखे गए थे लेकिन आज तक हल नहीं हुए हैं। burning issues में से एक पोंग डैम आउसटीज़

है। आज भी हमारे लोग घरसाणा में भूख हड़ताल पर बैठे हैं और वे जनवरी में भी एक माह के लिए बैठे थे और आज फिर 2 तारीख़ से भूख हड़ताल पर बैठे हैं। राज्यस्थान सरकार द्वारा उन्हें आज भी प्रताड़ित किया जा रहा है और इसके ऊपर सरकार गम्भीर होनी चाहिए और जो पोंग डैम आउसटीज़ के मुद्दे को जल्द-से-जल्द सुलझाने की कोशिश की जाए। हमें इस पर माननीय मुख्य मंत्री जी का ब्यान भी चाहिए कि घरसाणा में हमारे लोग जो भूख हड़ताल पर बैठे हैं उनकी समस्या के समधान के लिए क्या करेंगे? At the end, I would say B.B.M.B. जो हमारी जमीन, हमारा पानी और हमारा सबकुछ इस्तेमाल कर रहा व उससे बिजली बना रहा है, they should be charged heavily and there should be cess on our water what we are supplying them and as well as on electricity, जिससे हमारे प्रदेश को रेवन्यू मिले और इससे हमारे प्रदेश का कर्ज़ा दूर हो सकता है। आपने मुझे 15 मिनट का मौका दिया इसी समय में मैं वाइंड-अप करता हूं। यहां पर जो अभिभाषण प्रस्तुत हुआ है मैं इसका समर्थन करता हूं और जो बातें हमनें यहां पर रखी है उसके लिए उम्मीद करता हूं कि सरकार इन पर गम्भीरता से विचार करेगी। धन्यवाद।

अगला वक्ता श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

03/03/2020/1625/MS/AS/1

सभापति(कर्नल इन्द्र सिंह): अब चर्चा में माननीय सदस्य श्री पवन काजल जी भाग लेंगे।

श्री पवन काजल: सभापति महोदय, जो महामहिम राज्यपाल महोदय ने 25 फरवरी, 2020 को यहां पर अभिभाषण रखा, उस पर हो रही चर्चा में भाग लेने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।
सबसे पहले मैं यह कहना चाहूंगा कि मेरे विधान सभा क्षेत्र कांगड़ा में पिछले दिनों माननीय मुख्य मंत्री जी का प्रवास कार्यक्रम रहा। जितने भी वहां शिलान्यास और उद्घाटन हुए, वे सारे एम0एल0ए0 प्रायोरिटी के थे। इससे पहले भी जब माननीय मुख्य मंत्री जी वहां गए और जितनी भी सड़कों के उद्घाटन किए, वे सब एम0एल0ए0 प्रायोरिटी के थे। मुझे कहते हुए भी शर्म लग रही है कि वहां के जन-प्रतिनिधि होने के नाते मुझे वहां बुलाना भी उचित नहीं समझा गया। जितने भी नाबार्ड से संबंधित शिलान्यास किए थे, वे एम0एल0ए0 प्रायोरिटी के थे। सभापति जी, जो मुख्य मंत्री जी ने उद्घाटन किए, उसमें जो एक

उद्घाटन किया उसका काम दो वर्ष पहले पूरा हो चुका था। उस सड़क का नाम डुगैहरी-सनौरा है। उस काम को कम्पलीट हुए दो वर्ष का समय हो गया था। माननीय मुख्य मंत्री जी ने उसका उद्घाटन कर दिया। ठीक है, माननीय मुख्य मंत्री जी की इसमें कोई गलती नहीं है क्योंकि उनको मिसगाइड या मिसलीड किया जा रहा है। मैं यह कहना चाहता हूं कि मुझे वहां बुलाया तक नहीं गया। मैं यहां यह भी बताना चाहता हूं कि मुख्य मंत्री जी से उन-उन कामों के शिलान्यास करवा दिए जिनका 80 फीसदी काम पूरा हो चुका है बल्कि चार सड़कें तो ऐसी थीं जिनका काम 80 फीसदी कम्पलीट हो चुका है, उनका शिलान्यास करवा दिया। मैं आगे बताता हूं कि हुआ क्या कि माननीय मुख्य मंत्री जी शरीफ हैं तो इनसे 10 लाख रुपये की लिफ्ट का मिनी सैक्रेटेरियेट में उद्घाटन करवा दिया। सभापति जी, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से यह कहना चाहूंगा कि मेरे कांगड़ा विधान सभा क्षेत्र में दो कॉलेज खुले जिनमें से एक का तो उन्होंने तकीपुर में उद्घाटन किया जिसके लिए हमने इनका स्वागत भी किया क्योंकि तकीपुर में उन्होंने साइंसकी कक्षाएं चलाने की घोषणा की। इसके अलावा जो मटौर में कॉलेज है उसमें लगभग 900 बच्चे पढ़ रहे हैं। इस सरकार के द्वारा उन 900 बच्चों को वहां पढ़ाने के लिए एक भी ईंट नहीं लगाई गई है। जो तकीपुर में कांग्रेस के समय का भवन बना हुआ था उसका तो उद्घाटन मुख्य मंत्री जी ने कर दिया लेकिन जो दूसरा कॉलेज था जिसमें 900 बच्चे पढ़ रहे हैं, उसमें आज तक एक ईंट भी नहीं लगी और एक रुपया भी नहीं दिया गया जबकि बजट में प्रावधान है।

03/03/2020/1625/MS/AS/2

यहां पर बड़ी-बड़ी बातें हो रही हैं कि जे0जे0एम0 में 2800 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। यह बड़ी अच्छी बात है। हमारे मंत्री जी कैपेबल भी है और उनमें कपैस्टी भी है लेकिन यह सारी कैपेस्टी मण्डी के लिए न हो। मैं सदन के ध्यान में लाना चाहता हूं कि लगभग 1000 करोड़ रुपये के टैण्डर हुए हैं उसमें 600 करोड़ रुपये जिला मण्डी के लिए हैं और बाकी 400 करोड़ रुपये सब आपस में बांट लो। इतना नहीं होना चाहिए। हम मण्डी वालों या किसी और के विरूद्ध नहीं है लेकिन जो हिस्सा सबका बनता है उसको बराबर-बराबर बांटना चाहिए। ठीक है, आपकी कपैस्टी है कि आप पैसा केन्द्र से ले आए हैं। लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए कि वहां से ले आए और अपने-अपने विधान सभा क्षेत्र में लगा दिया।

इसके अलावा मैं एक और बात बताना चाहता हूं। एक मेरी गालियां-ठाकरद्वारा-रानीताल सड़क की डी0पी0आर0 बनी है। 7 करोड़ रुपये की वह डी0पी0आर0 नाबार्ड में पड़ी हुई है जिसको अढ़ाई साल का समय हो गया है और जो पिछली सरकार का नाबार्ड से 18 करोड़ रुपये सैंक्शन था उसमें से 17 करोड़ रुपये का काम अब जाकर शुरू हुआ है। इनको अढ़ाई वर्षों तक कोई याद नहीं आई। पता नहीं आप कैसे कह रहे हैं कि हम अच्छी सरकार चला रहे हैं। भाई विनोद जी कह रहे थे कि अगली बार यहां विपक्ष में 21 भी नहीं होंगे। ये बिल्कुल ठीक बोल रहे थे कि हम यहां 21 नहीं बल्कि 45 होंगे और पक्ष में बैठेंगे क्योंकि आपके और प्रदेश के हालात से ऐसा लग रहा है।

सभापति जी, ये रोज़गार की बात करते हैं। मैं इनको पूछना चाहता हूं कि कांग्रेस के समय जो आई0टी0 पार्क गग्गल में सैंक्शन हुआ था उसको आप क्यों नहीं बना रहे हैं? क्या इसलिए नहीं बना रहे हैं कि वहां 5000 लोगों को रोज़गार मिलना है? इसलिए आपने वहां पर आज तक उसका शिलान्यास नहीं किया और काम शुरू नहीं किया?

जारी जे0के0 द्वारा-----

03.03.2020/1630/जेके/डीसी/1

श्री पवन कुमार काजलः--------**जारी**------

सभापति महोदय, मैं यहां पर एक बात और बताना चाहूंगा, मुख्य मंत्री जी अभी यहां पर नहीं है। नये एयरपोर्ट की बात चली । गग्गल में जो एयरपोर्ट बनने जा रहा है उसमें माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि मेरा सपना है कि बड़े जहाज़ वहां पर उतरें। मैं, माननीय मुख्य मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहूंगा कि । am not against it पर ऐसा भी नहीं है कि हज़ारों गरीब आदमियों को उजाड़ कर आप अपना सपना कामयाब करें। ऐसा मैं होने नहीं दूंगा। मैं बड़े साफ शब्दों में कह रहा हूं कि जो वह एयरपोर्ट है, जहां-जहां पर उन्होंने जमीन की पैमाइश की है, उसमें 900 से 1000 परिवार उजड़ रहे हैं। एक विकसित गग्गल जिसमें 500 से 600 एस्टेब्लिश्ड फर्नीचर का काम है, वर्कशॉप्स हैं और वहां पर हार्डवेयर्ज़ का भी काम हैं। मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी को कहना चाहूंगा कि मैं वहां का विधायक हूं। मैं अपने रहते हुए उन गरीब परिवारों को उजड़ने नहीं दूंगा। आप उसका दोबारा से रिव्यू करें। हमने कांगड़ा विधान सभा क्षेत्र में और भी जमीन देखी है। यदि आपने

ऐयरपोर्ट बनाना ही है तो हम आपको जमीन देते हैं। एक जगह 8-10 किलोमीटर जमीन है। वहां पर विस्थापन भी नहीं होगा, वहां पर कोई उजड़ेगा भी नहीं। मैं आपके माध्यम से सरकार को कहना चाहूंगा कि यह जो एयरपोर्ट की बात आप कर रहे हैं ऐसा आपका कौन सा सपना है कि आप गरीब आदमी को उजाड़ देंगे? क्या आप लोगों के साथ बड़े लोग हैं जिनके वहां पर होटल्ज़ हैं? क्या उनके होटल्ज़ का काम नहीं चल रहा है? होटल्ज़ का अगर काम नहीं चल रहा है तो क्या गरीबों को उजाड़ देंगे? यह ठीक है यदि एयरपोर्ट बनता है तो यह पर्यटन की दृष्टि से भी विकसित होगा, जिला कांगड़ा भी विकसित होगा। हिमाचल प्रदेश भी विकसित होगा। सबसे ज्यादा फायदा मुझे होगा लेकिन यह कैसी विडंमना है कि वहां से गरीब आदमियों को उजाड़ दें और हम एयरपोर्ट बना दें? इसी के ऊपर मैं, माननीय मुख्य मंत्री जी को एक शेर भी कहना चाहूंगा किः-

"आशियाना किसी का भी रोशन करना

पर कसम है तुमको उसको कभी भी उजाड़ न करना

इधर फलक को है जिद्द, बिजलियां गिराने की

उधर हमें भी है धुन, आशियाना बचाने की "

03.03.2020/1630/जेके/डीसी/2

माननीय सभापति महोदय, आदरणीय मुख्य मंत्री जी ठीक है, शरीफ़ हैं, ये इस मामले को दोबारा से रिव्यू करें। जहां पर ज्यादा विस्थापन न हों। एयरपोर्ट कहीं दूसरी जगह लेकर जाएं, क्योंकि 800-900 परिवारों को हम उजड़ने नहीं देंगे। सभापति महोदय, ये इलैक्शन से पहले बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। एक तो ठीक है कि भारतीय जनता पार्टी के जितने भी लीडर हैं वे ऑर्गेनाइजेशन से आते हैं और इनका बड़ी-बड़ी बातें करने का फर्ज़ भी है। इन्होंने बहुत ज्यादा शोर मचाया कि यहां पर फोर लेन बनेंगी। पठानकोट से मण्डी तक फोर लेन बनेंगी। धर्मशाला से शिमला तक फोर लेन बनेंगी। आपने इसका शिलान्यास भी किया। वह फोर लेन अब कहां गई? कहां गए वे 56 नेशनल हाई-वेज़? क्या आप लोगों ने

जनता को बेवकूफ बनाने का ठेका लिया है? जब इलैक्शन आते हैं तो ये बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। आपको याद होगा सभापति महोदय, आपने पंचायतों में घर-घर जा करके जियो-टैगिंग करवाई कि गरीब आदमी को आशियाना मिलेगा, एक-एक पंचायत में डेढ़ सौ घर मिलेंगे, दो सौ घर मिलेंगे। इलैक्शन हो गए क्या अब जियो टैगिंग घर मिल गए? ऐसे-ऐसे शगूफ़े आप छोड़ते हैं यह जनता सब जानती है। आप दो साल तक वर्दी नहीं दे सके। दो सालों के बाद जब आपने वर्दी दी उसको एक बार पानी में डुबाओ तो पूरा रंग बाहर निकल जाता है। आज तक आप लैपटॉप नहीं दे सके। बड़ी-बड़ी बातें आपने इस अभिभाषण में कही हैं। सभापति महोदय कांगड़ा की बात करते हैं। मैं इस मंच के माध्यम से बताना चाहूंगा कि जो पिछली सरकार ने जिला कांगड़ा के धर्मशाला में कैपिटल बनाई थी, उसकी नोटिफिकेशन की थी, उसके बारे में भी आपने मुझे बताना है, कांगड़ा की जनता को बताना है।

श्री एस.एस. द्वारा जारी----

03.03.2020/1635/SS-DC/1

श्री पवन कुमार काजल क्रमागत :

उनको अवगत करवाना कि उसके बारे में आप क्या कर रहे हो। कांगड़ा की अनदेखी नहीं हो सकती। यह ठीक है कि मंडी वाले भी हमारे भाई हैं। मंडी में भी काम करो परन्तु कांगड़ा की अनदेखी मत करो। एक प्रोजैक्ट आपने विश्व बैंक के द्वारा किया। यह इंटेग्रेटिड डवलपमैंट प्रोजैक्ट है उसमें आपने 700 करोड़ रुपया खर्च करना है। 700 करोड़ रुपये में आपने जिला कांगड़ा की सिर्फ 20 पंचायतें दीं, बाकी सारे प्रदेश की दीं। कांगड़ा ने क्या गुनाह कर दिया? कांगड़ा निर्वाचन क्षेत्र ने क्या गुनाह कर दिया? शाहपुर वालों ने क्या गुनाह कर दिया? इसीलिए सभापति महोदय, मैं आपसे कहना चाहूंगा कि टूरिज्म की दृष्टि से आप हर बार कांगड़ा को इग्नोर करके मंडी की बात करते हैं। यह सी0आर0एफ0 का जितना पैसा आया, वह ठीक है। आप कम्पैरीजन करते हैं। हमारी सरकार में 150 करोड़ रुपया आया और आपने 400 करोड़ रुपया लाया। मगर 400 करोड़ रुपये में आप

ऐसा मत करो कि आप सारा मंडी को ले जाओ। बाकी जिले भी तो हैं। पता नहीं, वे क्यों नहीं बोलते हैं। आपको बोलना पड़ेगा। जनता आपसे जवाब मांगेगी।

इसी तरह से प्लानिंग का पैसा डी0सी0 ऑफिस में आता है। आप कम्पैरीजन करना, मुकेश जी, आपने आर0टी0आई0 के तहत रिपोर्ट मंगवाना। जितना पैसा है, वह सारा मंडी को जा रहा है। मैं आदरणीय मुख्य मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि आप बड़े खुश हो रहे थे कि मैं पौने पांच लाख वोटों से हारा। मैं इस बात को मानता हूं लेकिन कैसे हारा, यह सब आपको पता है। अगर आप यह सोचेंगे कि यह आप सबकी मेहनत है तो वह आपकी मेहनत नहीं है। वह आदरणीय मोदी जी ने जो अपनी पर्सनैलिटी उभारने के लिए 5 हजार करोड़ रुपया खर्चा है, यह आने वाले चुनावों में समझ आयेगा। ठीक है कि इलैक्ट्रोनिक मीडिया की अपनी मजबूरी है। उनको भी अपना सिस्टम चलाने के लिए कुछ-न-कुछ चाहिए। हम दिल्ली के इलैक्शन की बात करते हैं। अब आदरणीय मोदी युग चला गया। अब अर्थव्यवस्था कहां चली गई? ...(व्यवधान) रोज़गार की बात की। सभापति महोदय, आदरणीय मोदी जी ने एक साल में दो करोड़ नौकरियां देने का वायदा किया। ये आंकड़े हैं, जुलाई, 2011 में जब केन्द्र में यू0पी0ए0 की सरकार थी तो उस वक्त एक साल में 13 लाख नौकरियां मिलती थीं।

03.03.2020/1635/SS-DC/2

आर0टी0आई0 के तहत ये आंकड़े आए हैं। मैंने नैट में पढ़ा है कि आज वह आंकड़ा डेढ़ और दो लाख रह गया है। आप बड़ी-बड़ी आंक रहे हैं। बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, यह सारा आदरणीय मोदी जी आपने देख लिया। ...(व्यवधान)

कर्नल इन्द्र सिंह, सभापति : माननीय सदस्य, कृपया समाप्त करिये।

श्री पवन कुमार काजल : सभापति महोदय, मैं दो मिनट में समाप्त कर रहा हूं। यह ठीक है कि दिल्ली इलैक्शन में कांग्रेस पार्टी हारी। हमने ज्यादा जोर भी नहीं लगाया, हम इलैक्शन कम्पेन के लिए नहीं गए थे। आप लोग तो सारे गए थे। आदरणीय मुख्य मंत्री जी गए थे तो मैं आपको बताना चाहूंगा कि दिल्ली वालों ने आपको आईना दिखा दिया है। आपके 323 एम0पी0 वहां पर थे, मुख्य मंत्री वहां पर थे, फिर भी दिल्ली की जनता ने आपको आईना दिखाया है। अब आने वाले टाइम में हिमाचल की बारी है।

सभापति महोदय, मैं अंत में एक बात और कहना चाहूंगा। ये सारे नशे के बारे में बात करते हैं। ठीक है यहां पर जितने भी विधायक जीतकर आए हैं वे सभी चाहते हैं कि नशा दूर हो। मेरा सुझाव रहेगा कि हम माइनिंग के चक्कर में नशे वालों को भूल रहे हैं। इल्लीगल माइनिंग रोकने के लिए एस0डी0एम0 भी रात को 3 या 4 बजे छापे मारता है। सबसे पहले अगर प्रदेश को सम्भालना है तो हमें चिट्टे के बारे में कुछ प्रावधान करना पड़ेगा। इसके बारे में सख्ती करनी पड़ेगी। जल शक्ति मंत्री जी सदन में आ गए हैं, मैं इनसे चाहूंगा कि हमें भी एक-दो स्कीमें दे दो। मंत्री जी, हमारे जो डाटा एंटरी ऑपरेटर हैं वे मेरे कांगड़ा में भी आए, नगरोटा में भी आए, वहां भी आए और वहां (आउटसोर्स) से आए। यह छोटी-सी बात है, आप बड़े हैं इसलिए भविष्य में हमारा भी ख्याल रख लिया करो। ये सारा दस्तावेज़ जो मैंने पढ़ा और देखा, मैं पहले सोच रहा था कि इसका समर्थन करूं। ...(व्यवधान)

कर्नल इन्द्र सिंह, सभापति : माननीय सदस्य, आप कृपया समाप्त करिये।

श्री पवन कुमार काजल : ये कह रहे हैं कि एक शेर हो जाए। इसलिए मैं एक शेर पढ़ना चाहूंगा।

जारी श्रीमती के0एस

03.03.2020/1640/केएस/डीसी/1

श्री पवन कुमार काजल जारी---

आशियाना किसी का भी हो रोशन करना,
पर कसम है तुमको उसकी, कभी बेजार न करना।
इधर फलक को है जिद बिजलियां गिराने की,
उधर हमें भी है धुन आशियाना बचाने की।

तो हमारी कब्र खोदकर आपका सपना साकार नहीं होगा। सभापति महोदय, इन सारी बातों को देखते हुए मैं इस अभिभाषण का समर्थन नहीं कर सकता। धन्यवाद, जय हिंद।

03.03.2020/1640/केएस/डीसी/2

सभापतिः अब माननीय सदस्य, हीरा लाल जी चर्चा में भाग लेंगे। माननीय सदस्य, कृपया 15 मिनट में अपनी बात समाप्त करने की कोशिश करें।

श्री हीरा लाल (करसोग): माननीय सभापति महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण प्रस्ताव पर जो चर्चा चली है, जिसे माननीय सदस्य श्री बलबीर सिंह द्वारा प्रस्तुत तथा माननीय सदस्य श्री राकेश जमवाल द्वारा अनुसमर्थित किया गया, मैं भी इस चर्चा में अपने आप को शामिल करता हूं। आपने समय दिया, आपका धन्यवाद।

नज़रें बदलो तो नज़ारे बदल जाते हैं,
पलके बदलो तो सितारे बदल जाते हैं,
कश्ती की ज़रूरत नहीं,
हिम्मत रखो तो किनारे बदल जाते हैं।

माननीय सभापति महोदय, हिमाचल प्रदेश की वर्तमान सरकार ने माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी के नेतृत्व में दो वर्षों में प्रदेश में अभूतपूर्व विकास किया है। प्रदेश सरकार ईमानदारी और समर्पण भाव के साथ प्रदेशवासियों के जीवन को खुशहाल बनाने के लिए कड़ी मेहनत व अथक प्रयास के लिए वचनबद्ध है। मैं हृदय की गहराइयों से माननीय मुख्य मंत्री जी का आभार व्यक्त करना चाहूंगा कि इन दो वर्षों में राजनीतिक क्षेत्र को सेवा क्षेत्र मानकर समर्पण भाव से आम जनता को कुशल, स्वच्छ एवं पारदर्शी शासन प्रदान किया गया। जन-समस्याओं के शीघ्र निपटारे हेतु यहां पर बहुत चर्चा हुई है। इसी तरह से महत्वकांक्षी कार्यक्रम जनमंच की यहां पर बहुत चर्चा हुई है जिसके माध्यम से मौके पर ही शिकायतों का निपटारा किया गया। आज इस जनमंच के माध्यम से 45,000 शिकायतों में से 41,000 शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया जा चुका है और यह प्रैक्टिकल है। मेरे चुनाव क्षेत्र में माननीय शिक्षा मंत्री जी जनमंच में आए थे। कई वर्षों से पिछली सरकार ने बसें रोक रखी थीं क्योंकि वो शिमला डिपो की थी, चार दिन के अंदर जनमंच के माध्यम से वे बसें चालू हुई हैं।

03.03.2020/1640/केएस/डीसी/3

सभापित महोदय, जनहित में लोगों की शिकायतों का शीघ्र निपटारा करने के लिए "मुख्य मंत्री सेवा संकल्प हैल्पलाइन परियोजना" जो टोल फ्री नम्बर 1100 डायल करता है, उसमें 33,275 शिकायतों का समाधान आज तक किया गया है।

सभापति महोदय, माननीय सदस्या श्रीमती आशा जी ने कहा कि यह फालतू दस्तावेज है, परन्तु इसमें वे आंकड़े हैं, जो हमारी सरकार ने दो वर्षों में कार्य किया है और मैं केन्द्र सरकार और प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का भी आभार प्रकट करना चाहूंगा,

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

03.03.2020/1645/av-dc/1

श्री हीरा लाल---------- जारी

जिन्होंने यह ऐतिहासिक और साहसिक निर्णय लिया। यहां पर अभी धारा 370, नागरिक संशोधन अधिनियम और राम मंदिर के मुद्दे की चर्चा हो रही थी। यहां पर इस बारे में माननीय सदस्या श्रीमती आशा कुमारी जी कह रही थी इसलिए मैं यह पूछना चाहता हूं कि जहां पर किसी माता का मंदिर या शिव मंदिर होगा और हमें उसमें आस्था होगी तो क्या वह मंदिर वहीं नहीं बनना चाहिए? इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि जहां पर श्री राम जी का मंदिर है वह वहीं पर बनेगा यानी अयोध्या में ही बनेगा। आज इतिहास इस बात का गवाह है कि बाबर आक्रमणकारी था। वहां पर बाबर ने राम मंदिर को गिराकर बाबरी मस्जिद बनाई जिसके लिए इतिहास ने कहा कि बाबर महान् है, अकबर महान् है। लेकिन हम कहते हैं कि महाराणा प्रताप महान् है, शिवाजी महान् है, रानी झांसी महान् है। जिस राम मंदिर के निर्माण के लिए आज सुप्रीम कोर्ट ने जो निर्णय लिया है तो हम कहना चाहेंगे कि नरेन्द्र मोदी जी भी महान् है। ...(व्यवधान) सी0ए0ए0 की बात हो रही है, आज देश जल रहा है। नागरिक संशोधन अधिनियम की चर्चा हुई, यहां पर माननीय सदस्या श्रीमती आशा कुमारी जी कह रही थी कि आज यह देश जल रहा है। लेकिन मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या आपको वर्ष 1947 और वर्ष 1984 के दंगे याद है? क्या आपको जम्मू-कश्मीर से हिन्दू पंडितों का पलायन याद है? आज हिन्दुस्तान की जनता और युवा इस बात को भूले नहीं

है, उन्हें सारी बातें स्मरण हैं इसलिए उन्होंने नरेन्द्र मोदी जी को पूरा बहुमत दिया है। आप क्या भूल चुके हैं जो मुसलमानों के लिए किया गया है, क्या आप तीन तलाक भूल चुके हैं? इस देश में अगर किसी ने मातृ शक्ति का सम्मान रखा है तो वह माननीय नरेन्द्र मोदी जी ने रखा है। ...(व्यवधान) मैं यहां पर माननीय मुख्य मंत्री जी और माननीय जल शक्ति मंत्री जी का भी धन्यवाद करना चाहूंगा क्योंकि इनके सामूहिक प्रयासों से प्रधान मंत्री जल जीवन मिशन के अंतर्गत 2896 करोड़ रुपये की 327 योजनाएं स्वीकृत हुई हैं। इसके तहत अपने करसोग विधान सभा क्षेत्र के अंदर भी 45 करोड़ रुपये की पांच योजनाएं स्वीकृत की गई हैं और उसके अंतर्गत 35 पंचायतों को लाभ मिलेगा तथा यह कार्य शुरू हो चुका है। राम युग में जिस प्रकार से श्री राम चन्द्र जी

03.03.2020/1645/av-dc/2

ने अहिल्या और शबरी जी का उद्धार किया था उसी प्रकार हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने हिमाचल प्रदेश को पर्यटन और पर्यावरण की दृष्टि से साफ-सुथरा व धुआं रहित बनाने के लिए प्रयास किए हैं। मुख्य मंत्री जी ने प्रदेश में मातृ शक्ति को सम्मान देने के लिए गृहिणी सुविधा योजना और उज्ज्वला योजना के तहत 2.76 लाख पात्र महिलाओं को गैस कनैक्शन वितरित किए हैं। यहां पर कृषि योजनाओं के बारे में भी बातें की गईं और ये आंकड़े तथ्यों पर आधारित हैं। किसान हमारे देश व प्रदेश की रीढ़ की हड्डी हैं इसलिए हमारे प्रधान मंत्री जी ने पूरे देश के किसानों के लिए प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि योजना को लागू किया है और

टी सी द्वारा जारी

03.03.2020/1650/TCV/YK-1

श्री हीरा लाल---------- जारी

इसके तहत हिमाचल प्रदेश में भी 8,46,784 किसानों को 5.97 करोड़ रुपये वितरित किया जा चुके हैं जिससे हमारे किसानों का सम्मान बढ़ा है। हिमाचल प्रदेश के किसानों की आय दोगुनी करने के लिए 2 वर्षों में कई ऐसी योनानाएं चलाई गईं हैं, जिससे अनेक किसानों को उनका लाभ पहुंचा है। 'प्राकृतिक खेती, खुशहाल किसान योजना' से 62,161 कृषकों ने लाभ उठाया है और 2,114 हैक्टेयर भूमि को इसके अंतर्गत लाया गया है। फसलों को बचाने के लिए 'मुख्य मंत्री खेत संरक्षण योजना' एक बहुत ही महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना से 1230 किसानों को लाभ पहुंचा है। हमारे करसोग क्षेत्र के शाकरा गांव में 2500 मीटर में सोलर फैंसिंग लगाई गई है। यहां पर दो योजनाएं स्वीकृत हुई है जिनमें से 10,96,787/- रुपये की एक 1250 मीटर की योजना है और दूसरी योजना भी इतनी ही लागत की है। इसमें कुल मिलाकर 18,64,538/- लाख रुपये खर्च किये जा रहे हैं। पिछले 2 हफ़्ते पहले मैंने शाकरा गांव का दौरा किया था, वहां पर युद्ध स्तर पर फैंसिंग का कार्य चला हुआ है। इसके लिए मैं मुख्य मंत्री जी का करसोग क्षेत्र के शाकरा गांव के लोगों की ओर से धन्यवाद करना चाहूंगा। कृषि क्षेत्र को और बढ़ावा मिले इसके लिए जल संरक्षण की बहुत आवश्यकता है और इसके लिए 285 जल संरक्षण टैंकों का निर्माण किया गया है जिससे 7125 घनमीटर जल क्षमता विकसित हुई है। इस योजना के तहत 22.50 करोड़ रुपये खर्च किये जा चुके हैं। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हमारे करसोग क्षेत्र का धार्मिक स्थल, तातापानी आस्था का केन्द्र है। वहां पर गर्म पानी के चश्में हैं, हजारों श्रद्धालू वहां पर स्नान करते हैं और वहां पर खिचड़ी बनाई जाती है व दान की जाती है। तातापानी धार्मिक स्थल को बढ़ावा देने के लिए और पर्यटक को आकर्षित करने के लिए 1995 किलोग्राम की खिचड़ी एक ही बर्तन में बनाई गई। ये एक विश्व रिकॉर्ड स्थापित हुआ है। कोलडैम बनने से उसका जलाश्य पीछे तक बढ़ा है, उसमें खेलों को महत्व देने के लिए और युवाओं को रोज़गार देने के लिए वहां पर जल-क्रीड़ाएं शुरू हो चुकी हैं। इसके लिए भी मैं मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा।

03.03.2020/1650/TCV/YK-2

(माननीय अध्यक्ष पदासीन हुए)

मेरे करसोग क्षेत्र में, जब हम बच्चे थे तब से कांग्रेस सरकार ने करसोग बस स्टैंड का 4 बार शिलान्यास किया। मैंने यह बात माननीय मुख्य मंत्री जी और परिवहन मंत्री जी के ध्यान में लाई। ये मार्च, 2019 में वहां पर गये और उस बस स्टैंड का निर्माण कार्य शुरू करवाया। आज एक साल के अंदर 4 मंजिला करसोग का बस स्टैंड कंप्लीट हो चुका है और यह कार्य बहुत ही तीव्र गति से हुआ है। जहां तक केन्द्र सरकार की बात है, प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क योजना की बात है, पिछले 5 सालों से योजनाएं तो चलीं थीं लेकिन कछुआ चाल से चली थी परंतु अभी 2 वर्ष के अंदर 'प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना' के अंतर्गत करसोग में शाकरा से बिंदला तक 5 किलोमीटर सड़क कंप्लीट की जा चुकी है।

न0एस0 द्वारा .... जारी

03-03-2020/1655/NS/YK/1

श्री हीरा लाल ..... जारी

माहौटा से तलैहण सड़क 4 किलोमीटर कंपलीट हो चुकी है। माहुनाग से सरयोला सड़क का काम युद्ध स्तर पर चला है और केवल 500 मीटर बाकी है और दो-तीन महीनों के अंदर कंपलीट कर दी जाएगी। करसोग-परलोग सड़क नाबार्ड के अंतर्गत बन रही है यह 13 किलोमीटर सड़क बननी थी और वर्ष 2007 से 2012 तक केवल चार किलोमीटर सड़क ही बनी थी लेकिन अभी जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी और माननीय जय राम ठाकुर जी मुख्य मंत्री बने तो यह सड़क 9 किलोमीटर बन करके तैयार हुई है। इसके लिए मैं, माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, "प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना" के तहत फेज़-II में मेरे क्षेत्र की चार नई सड़कें स्वीकृत हो करके आई हैं और 10 सड़कों का पहले से ही काम चला हुआ है। मैं समझता हूं कि वर्ष 2021 तक ये सड़कें बन कर पूर्ण हो जाएगी। करसोग क्षेत्र में टारिंग और मैटलिंग का कार्य चला हुआ है जिससे लोगों को आने-जाने की सुविधा होगी। धरमोड़-शलाणी बाया वगशाड़, सपनोट-धारकांडलु सड़क, मैहरण सड़क और माहुनाग-धैणी शैंदल सड़क का टारिंग व मैटलिंग

का कार्य युद्ध स्तर पर चला है। इसके लिए मैं माननीय प्रधान मंत्री और माननीय मुख्य मंत्री का आभार प्रकट करता हूं और धन्यवाद करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि मेरे क्षेत्र में एन0टी0पी0सी0 का जो कौल डैम बना है इसके पानी का स्तर बहुत बढ़ा है। यह पानी शाकरा तक आ गया है। शाकरा का पुल दो बार पहले भी बाढ़ में बह चुका है और यह पुल पिछली बरसात में भी बह गया है। कौल डैम में पुल से पानी खतरे के निशान से 10 फुट नीचे है। इस बार भी यह पुल बह गया है और वहां पर टैंपोरेरी एक झूला लगाया गया है। मैं निवेदन करना चाहूंगा कि इस पुल का मोटरेबल निर्माण किया जाए ताकि लोगों को सुविधा मिल सके। इसके साथ-साथ शाकरा की उठाऊ पेयजल योजना, उठाऊ सिंचाई योजना से शाकरा की ज़मीन की सिंचाई होनी थी तो वे मोटरें पिछली बरसात में बह गई हैं और इसके लिए मैं, माननीय जल शक्ति मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि वहां पर शीघ्रातिशीघ्र नई मोटरें लगाई जाएं क्योंकि वहां पर ये योजनाएं बन कर तैयार हो गई हैं। मोटरें बह गई हैं अगर मोटरें लग जाएं तो सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

03-03-2020/1655/NS/YK/2

अध्यक्ष महोदय, करसोग क्षेत्र में चाहे सड़क का मामला हो या स्वास्थ्य का मामला हो पहले मेरे क्षेत्र में डॉक्टरों की कमी थी लेकिन अब सारे डॉक्टर आ गए हैं। विशेषज्ञ आने वाले हैं क्योंकि अभी उनकी ट्रेनिंग हो रही है। शिक्षा के क्षेत्र में जो अध्यापकों की कमी थी, प्राईमरी, मिडल, हाई और सीनियर सेकैंडरी स्कूलों में अध्यापकों की भर्ती की गई है और मेरे क्षेत्र में बहुत से स्कूलों में अध्यापक आ गए हैं केवल थोड़े-ही स्कूलों में अध्यापक कम है तथा मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में यह कमी भी पूरी हो जाएगी। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा। विकास के मसीहा हैं आप माननीय जय राम ठाकुर जी, हृदय से विशाल हैं आप, ईमानदारी व मिलनसारी की मिसाल हैं आप। अंत में, इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं और अध्यक्ष महोदय जी का धन्यवाद करता हूं कि आपने बोलने का समय दिया।

अध्यक्ष : माननीय सदन का समय आज 05.00 बजे तक था परन्तु अभी आठ माननीय सदस्य और बोलने वाले हैं। अगर 15 मिनट का समय एक सदस्य लेता है तो दो घंटे और

लगेंगे। अगर माननीय सदन की अनुमति हो तो बैठक का समय 06.30 बजे सांयकाल तक बढ़ाया जाए।

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

03.03.2020/1700/RKS/AG-1

अध्यक्ष... जारी

(माननीय सदन की बैठक सांय 6:30 बजे तक बढ़ाई गई।)

जिन माननीय सदस्यों ने इस चर्चा में हिस्सा लेना है वे कृपया अपनी बातों को बार-बार न दोहराएं और निर्धारित समय में ही अपनी बात पूरी करें। अब माननीय सदस्य, श्री अनिरूद्ध सिंह जी चर्चा में भाग लेंगे।

श्री अनिरूद्ध सिंह (कसुम्पटी): माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया, आपका धन्यवाद। हमें गवर्नर अड्रैस पर ही बात करनी चाहिए। हमें राम मंदिर, सी.ए.ए. या धारा-370 पर बात नहीं करनी चाहिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्षः माननीय सदस्य कृपया चेयर को अड्रैस करें ताकि आप अपना विषय निर्धारित समय में पूरा कर सकें।

श्री अनिरूद्ध सिंहः अध्यक्ष जी, मैं निर्धारित समय में ही अपनी बात समाप्त करूंगा। जो जनता को गुमराह करने का फॉर्मूला बनाया गया है, वह ठीक नहीं है। अगर हमें अपने देश के बारे में बात करनी है तो हमें जी.डी.पी., बेरोजगारी और देश की आर्थिकी पर बात करनी चाहिए न कि राम मंदिर, हिन्दु-मुस्लिम, सी.ए.ए., नोटबंदी, जी.एस.टी. या मन की बात पर बोलना चाहिए। मन की बात तो दूसरों की सुननी चाहिए। आज एयर इंडिया, एल.आई.सी, रेलवेज, बी.एस.एन.एल. और भारत पेट्रोलियम पर कोई बात नहीं कर रहा है। यहां पर जनमंच के बारे में बात की गई। मैं आपसे यह जानना चाहूंगा कि जनमंच में

आज तक कितने पैसे खर्च किए गए और वह पैसे कहां से आए? ...(व्यवधान) मैं जनता की बात बोल रहा हूं। सरकारी अधिकारियों को ह्रास किया जा रहा है और मंत्रियों द्वारा जनता के सामने उनकी बेचती की जा रही है। उनके वीडियोज वायरल हो रहे हैं और उन्हें मैंटली ह्रास किया जा रहा है। इसके लिए सरकार को संज्ञान लेने की आवश्यकता है। ग्लोबल इन्वैस्टर मीट में अनावश्यक कितना पैसा खर्च कर दिया गया। हमारे राज्य में जिन्होंने पैसे

03.03.2020/1700/RKS/AG-2

इन्वैस्ट किए हैं, वे लोग तो खड़े थे परंतु वर्कर्स बैठे हुए थे। इस पर सदन में चर्चा करने की आवश्यकता है। हमारे प्रदेश में जो इन्वैस्टमैंट हुई है उस पर भी विचार करने की आवश्यकता है। कितने प्रोजैक्ट्स स्वीकृत हुए इस बारे में भी सदन को अवगत करवाया जाए क्योंकि अधिकतर प्रोजैक्ट कागजों में ही स्वीकृत हुए हैं। अभी मैं होर्टिकल्चर और एग्रीकल्चर की बात करूंगा। इस अभिभाषण में लिखा है कि हमने 'इतने करोड़ रुपये की सब्सिडी दे दी।' परंतु मशीनें, ट्रैक्टर्ज़, नेट्स, पोली हाउसिज, बाउंडरी वॉल्स या टैंक्स की बात करें तो इसके लिए अधिकारी कहते हैं कि अभी हमारे पास बजट ही नहीं है। मैं यह प्रैक्टिकल बात कह रहा हूं। एंटी हेलगन के बारे में मैंने प्रश्न लगाया था और यह बात अखबारों में भी छपी थी परंतु इस पर यह उत्तर आया कि 'एंटी हेलगन लगाने का अभी कोई विचार ही नहीं है'। जबकि इन मुद्दों पर चर्चा करने की आवश्यकता है। स्वच्छ भारत सिर्फ़ कागज़ों में ही सीमित है। मैं यह जानना चाहूंगा कि कसुम्पटी, निर्वाचन क्षेत्र में कितने सार्वजनिक शौचालय बनाए गए हैं? मनरेगा के बारे में माननीय हर्षवर्धन चौहान जी ने सही बात की है।

श्री बी.एस.द्वारा... जार

03.03.2020/1705/बी.एस./वाई.के./-1

श्री अनुरूद्ध सिंह जारी...

मैं न केवल शिलाई की बात करूंगा अपितु मैं 12 के 12 जिलों और 68 विधान सभा चुनाव क्षेत्रों की बात करूंगा। यह एक भ्रष्टाचार का मेन सोर्स बन गया है। पंचातों में पंचायत सचिव और सहायक भ्रष्टाचार करने में लगे हुए हैं। मनरेगा में भी ऐसा ही हो रहा है क्योंकि उन्हीं के द्वारा सारा कार्य प्रोसैस होता है। वहां पर फर्जी मस्ट्रोल भरे जा रहे हैं और पैसा उनकी जेब में जा रहा है।

नशे की बात करना चाहूंगा, यहां पर नशा निवारण केन्द्र की बात कही गई है परंतु बात करना ही काफी नहीं है। हिमाचल प्रदेश ने पंजाब को नशे के बारे में पीछे छोड़ दिया है। इस वक्त नम्बर वन पूरे भारत में हिमाचल का नाम आ रहा है। जब तक हम एक्ट में अमैंडमैंट नहीं करेंगे तब तक इसमें रोक नहीं लग सकती। अभी एन.डी.पी.एस. कुछ ग्राम तक जमानत दे देते हैं। चिट्टे में हमें विशेष रूप से मैन्शन करना पड़ेगा कि जो चिट्टे में पकड़ा जाता है चाहे वह एक ग्राम है या ज्यादा उसे जमानत नहीं मिलनी चाहिए। आप सभी केसों में देखेंगे 4-5 ग्राम के नीचे के सभी केस हैं। इसमें कड़ा कानून बनाना पड़ेगा तभी इसमें अकुंश लग सकता है। मैं रोजगार की बात करना चाहूंगा नम्बर 57 पृष्ठ 22 पर दिया है। सरकार कहती है कि हमने इतने रोजगार दे दिए यह सोचने वाली बात है कि यदि आपने कमर्शियल व्हीकल को परमिट दिए तो गाड़ी के लिए मार्जिन मनी वह अपनी जेब से दे रहा है चाहे उसे अपनी जमीन बेचनी पड़े। बैंग गारंटी अपनी देता है वह जमीन की वैल्यू उसमें लगाता है। उसे सरकार नहीं देती। इसलिए इसमें सरकार को यह कहने का कोई हम नहीं है कि उसने उसकी सहायता की।

उद्योग की बात करना चाहूंगा, यदि कोई उद्योग लगाएगा उसमें भी मार्जिन मनी खुद लगाएगा, जमीन खुद खरीदेगा, पैसे खुद लगाएगा और खुद ही आगे इसे बेचेगा। उसमें भी सरकार का कोई हाथ नहीं है। जी.एस.टी. भी उसे देना पड़ेगा।

03.03.2020/1705/बी.एस./वाई.के./-2

आई.पी.एच. विभाग की बात भी मैं यहां पर कहना चाहता हूं। यहां पर माननीय जल शक्ति मंत्री महोदय यहां बैठे हुए हैं। विभाग के अधिकारी हमें बोलते हैं कि पाइपें हमारे पास नहीं हैं। दो साल से यही बात बोल रहे हैं। मंत्री जी अधिकारी यह भी बोल रहे हैं कि सब पाइपों

को मंत्री जी मण्डी ले गए हैं। यह मैं सच्चाई बोल रहा हूं और यही बात सबको बोली जा रही है। कृपा करके अधिकारियों को भी बोलें कि वे सभी क्षेत्रों को बराबर -बराबर बंटवारा करें। मैं दो वर्षों की बात नहीं कर रहा हूं इससे भी पीछे की बात कर रहा हूं मेरे चुनाव क्षेत्र में अभी तक एक भी डी.पी.आर. नहीं बनी है। डी.पी.आरें. कार्यालयों में ही फंस कर रह गई हैं। ये एक अधिकारी के कार्यालय से दूसरे अधिकारी के कार्यालय में घूमती रहती हैं। वहां जो बाबू हैं वे एस.डी.ओ. से पैसे खा रहे हैं। विभाग के अधिकारी भी अपने काम के लिए बाबुओं को पैसे दे रहे हैं। उनका कहना होता है कि हमारे डीविजन की फाइल निकाल दो। यह सच्चाई है इस पर भी नजर रखी जाए। टैंकों की मरम्मत नहीं हो पा रही है या रुक गई हैं। हम जब भी प्रश्न लगाते हैं यहां कहा जाता है कि दो महीने में काम हो जाएगा परंतु कुछ नही होता। अधिकारियों का कहना होता है कि हमारे पास बजट ही नहीं है। उनका कहना होता है कि बजट भी मण्डी चला गया। मैं बिजली की बात करूंगा। एक भी सब स्टेशन मेरे चुनाव क्षेत्र में दो वर्षों में नहीं लगा। एक कमयाना में ही प्रपोजल है। उसके लिए में निवेदन करूंगा कि वह समय पर लगे।

पर्यटन विभाग की बात करूंगा। जैसा कि मैंने प्लानिंग की मीटिंग में भी बोला था कि पर्यटन बहुत ही दयनीय स्थिति में है। उसका कारण केवल एक है कि यह विभाग माननीय मुख्य मंत्री जी के पास है क्योंकि कोई भी मुख्य मंत्री हो मैं पिछले मुख्य मंत्री जी की भी बात करूंगा। माननीय मुख्य मंत्री के पास समय नहीं होता कि वे इस पर पूरा ध्यान दे सके। मैंने पहले निवेदन किया था कि इस बारे में हम कुछ सोचें। अखबार के माध्यम से कई बार खबर लगती है कि सड़कें बंद हैं, बारिश ज्यादा हो गई, पानी नहीं है और ट्रैफिक ज्यादा है। जिस वजह से पर्यटक यहांनहीं आता। इस पर अंकुश लगाया जाए। आपने रोप वे का विभाग तो खोल दिया है परंतु पूरे हिमाचल में एक भी स्कीम सिरे नहीं चढ़ी है।

श्री डी.टी. द्वारा जारी...

03.03.2020/1710/DT/AS-1

श्री अनुरूद्ध सिंह .... जारी

एन0एच0 कैथलीघाट-शिमला का कार्य भी रुका हुआ है। उसका कार्य रुके हुए एक साल हो गया है। कोई भी एन0एच0 भाषण बाजी, अभिभाषण या बजट में करने के लिए बताया जा रहा है। एक का भी सर्वे पूरा नहीं हुआ है, डी0पी0आर0 तो दूर की बात है। जहां तक हेलीपैड और एयरपोर्ट की बात है, ढली में कांग्रेस के समय के एक हैलीपोर्ट के लिए बजट भी आया था और सैंक्शन भी हो चुका था परंतु वह अभी तक पूरा नहीं हुआ है। उसका काम बहुत ढीला है, उसमें तेजी लानी चाहिए। स्कूलों में वर्दियां देर से आ रही है, 2-2 सालों के बाद वर्दियां मिल रही है। आदर्श स्कूल बनाने के लिए और प्राइवेट स्कूलों से कंप्टीशन करने के लिए विद्यार्थियों को ट्रैक सूट बनाने के लिए कहा जा रहा है जो कि 900 रुपये में पड़ रहा है। उसके बारे में सरकार को जरूर सोचना चाहिए क्योंकि कुछ लोग इसको अफोर्ड नहीं कर पा रहे हैं। मेरी निर्वाचन क्षेत्र में स्कूल बिल्डिंग के लिए या स्कूल बिल्डिंग की रिपेयर के लिए एक भी पैसा नहीं आया है। चाहे वह क्यार कोटि, धरेच या चयोग का स्कूल है, ऐसे कई स्कूल हैं। एक भी स्कूल का कोई कमरा या बिल्डिंग नहीं बनी है। स्कूलों में कोई स्टॉफ नहीं है। डुबलू स्कूल की बात करूंगा, हररोज़ अख़बारों में आ रहा है, लोग वहां पर ताले लगाने को तैयार है। एक कॉलेज के लिए नगर निगम ने भी एन0ओ0सी0 दे दिया है, उसकी शिक्षा विभाग को लैंड ट्रांस्फर होनी है। यह स्कूल मल्याणा में है। मेरा माननीय मुख्य मंत्री और शिक्षा मंत्री जी से निवेदन है कि मल्याणा में शीघ्रातिशीघ्र कॉलेज खोला जाये ताकि कम-से-कम कहने के लिए तो हो जाएगा कि 5 सालों में एक काम तो किया। जहां तक हैल्थ की बात है, डॉक्टर्ज़ चाहे पी0एच0सीज0 हैं, सी0एच0सीज0 हैं या डिस्पैंसरी है, उनमें डॉक्टर्ज़ नहीं हैं। अपग्रेडेशन या मैंटेनेंस के नाम पर हैल्थ में भी कोई पैसा नहीं है। आई0जी0एम0सी0 में एक बैड के ऊपर 3 से 4

03.03.2020/1710/DT/AS-2

पेशैंट्स हैं। नया स्पेशियलिटी हॉस्पिटल जो मल्याणा में बन रहा है, उसके कार्य में तेजी लाई जाये और कैंसर अस्पताल शीघ्र शिफ्ट किया जाये। आख़िर में मैं यही कहना चाहूंगा

कि सरकार को बने हुए 2 साल हो गये हैं और 3 साल और बचे हैं। लोगों को गुमराह मत करो और जो सच्चाई है, वह बताओ। इसमें जो यह लिखा है कि '2 साल विश्वास के प्रगति और विकास के' यह सही नहीं है। यह भी बताना चाहिए कि कर्ज़े की सरकार के 2 साल विश्वास, प्रगति और विकास के बीत गये हैं। सरकार तो कर्ज़े से चल रही है। लोगों को यह भी बताना चाहिए कि फील्ड में कितने काम हुए हैं? यह नहीं कहा जाना चाहिए कि राम मन्दिर बन रहा है, महंगाई बहुत हो गई है । अभी सी0ए0ए0 लाये है और देश से मुसलमानों को भगा रहे हैं। ये सब गुमराह करने वाली बातें हैं। ...(व्यवधान) हमें मुद्दे की बात करनी चाहिए जिससे स्टेट का भला हो न कि आपमें लड़ाने की बात करनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

अध्यक्षः अब माननीय सदस्य, श्री राजेन्द्र गर्ग जी इस चर्चा में हिस्सा लेंगे।

श्री राजेन्द्र गर्गः अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर चर्चा के लिए आपने मुझे समय दिया, इसके मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं। मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी के नेतृत्व में सरकार का जो 2 वर्ष कार्यकाल रहा है, वह वास्तव में बहुत ही सराहनीय कार्यकाल रहा है। जिस मानसिकता से, जिस गति व तेजी से माननीय मुख्य मंत्री जी प्रदेश के विकास को आगे बढ़ा रहे हैं, उसमें आज हम यह दावे साथ कह सकते हैं कि जो हम बात सुनते थे कि जनता के द्वारा चुनी हुई सरकार और वह जनता के लिए के लिए समर्पित हो, अगर यह उदाहरण किसी ने पेश किया है तो श्री जय राम ठाकुर जी ने पेश किया है। महोदय, यह बात मैं कहने के लिए नहीं कह रहा हूं।

श्री एन0जी0 द्वारा ... जारी ।

03-03-2020/1715/ए.एस.-एन.जी./1

श्री राजिन्द्र गर्ग जारी...

महोदय, मैं यह बात केवल कहने के लिए नहीं कह रहा हूं। मैं इस बात के पीछे जो बल और ताकत है व जो काम प्रदेश में हुए हैं उसके आधार पर यह बात इस माननीय सदन में आपके माध्यम से रख रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, जनता के द्वारा चुनी हुई सरकार, सत्ता हासिल करने के बाद वास्तव में जनता की सुध कैसे लेनी चाहिए उसका बेहतरीन उदाहरण आज हिमाचल प्रदेश में प्रस्तुत हुआ है। एक आम आदमी वोट देता है और वोट देने के बाद उसको अपनी बात कहने का स्थान नहीं मिलता, समय नहीं मिलता और वह मंत्री, मुख्य मंत्री से मिलने के लिए व उनके पास अपनी अरदास, अपने दर्द को रखने के लिए तड़पता रहता है। आज उस आम आदमी को अपना दर्द, अपनी समस्या को सरकार के, मंत्री जी के और मुख्य मंत्री जी के समक्ष जिस मंच पर रखने का अवसर मिला है तो वह सबसे बड़ा मंच है 'जनमंच'। इसके माध्यम से आज प्रदेश की जनता कोई भी समस्या, चाहे पीने के पानी की, सड़क की, बिजली की, रेवन्यू की या अन्य कोई भी समस्या हो उन्हें रख सकती है। जनता को वहां पर उस समस्या के समाधान का रास्ता मिलता है और समस्या का हल मिलता है। इसके लिए हम माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत आभार व्यक्त करते हैं। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी ने 2 वर्ष के कार्यकाल में हिमाचल प्रदेश में एक work culture develop किया है। सरकार और प्रशासन आज जनता के अभिमुख हुए हैं और जनता की तरफ उनका पूरा ध्यान है। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी के नेतृत्व में पिछले 2 वर्षों के दौरान प्रदेश में जिस प्रकार जनता की सेवा की जा रही है उसके कारण हिमाचल प्रदेश आज बदल चुका है। श्री जय राम ठाकुर जी के कठिन परिश्रम, सोच के कारण आम आदमी का जीवन स्तर उपर उठा है और इसके लिए जो योजनाएं चलाई हैं वे सभी अतुल्य हैं। जनमंच जैसी योजना जिससे हमारे विपक्षी मित्रों को बहुत कठनाइयों का सामना करना पड़ रहा है परन्तु जनमंच में विपक्ष के लोग भी जाते हैं,

03-03-2020/1715/ए.एस.-एन.जी./2

वहां पर समस्याएं भी रखते हैं और उन समस्याओं का हल भी करवाते हैं लेकिन इस सदन में उसका विरोध करते हैं। अध्यक्ष महोदय, जनमंच के कारण प्रदेश की तस्वीर बदली है, आम जनता को राहत मिली है और आम जनता आज यह महसूस कर रही है कि हिमाचल प्रदेश में मेरी अपनी सरकार है और जिसके समक्ष मैं अपनी बात को रख सकता हूं। जनमंच के माध्यम से यदि किसी समस्या का हल नहीं हुआ या जनमंच तो एक माह के बाद आएगा तो इसके लिए माननीय मुख्य मंत्री जी ने 'मुख्य मन्त्री सेवा संकल्प हेल्पलाईन-1100' शुरू की है ताकि

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी.....

03/03/2020/1720/MS/AG/1

श्री राजिन्द्र गर्ग जारी-----

जनमंच के माध्यम से यदि किसी समस्या का हल नहीं हुआ या एक महीने के बाद जनमंच आता है तो उसके लिए माननीय मुख्य मंत्री जी ने "मुख्य मंत्री सेवा संकल्प हैल्पलाइन" के रूप में शुरू की है ताकि अगर जनमंच के माध्यम से भी समस्या हल नहीं हुई तो उसके लिए वह व्यक्ति अपने घर में बिस्तर पर चाय की चुस्कियां लेते हुए 1100 नम्बर के ऊपर बता सकता है कि साहब मेरे घर में 10 दिन से पानी नहीं आ रहा है या मेरी सड़क टूटी-फूटी है, इसकी रिपेयर नहीं हो रही है तो तुरन्त हमारे अधिकारी वहां जाएंगे। पहले जनता अधिकारियों और कार्यालयों के चक्कर लगाती थी लेकिन आज इस प्रदेश में यह बदलाव आया है कि हमारे प्रशासन और शासन स्वयं जनता के घर-द्वार जा रहे हैं और जनता को पूछ रहे हैं कि बताइये आपकी समस्या क्या है। इससे अच्छा प्रशासन और सुशासन क्या हो सकता है? मैं इसके लिए मुख्य मंत्री जी को बधाई देता हूं कि जो लोग पहले शासन और प्रशासन का दरवाजा खटखटाते थे, गांवों से उठकर मीलों दूर जाते थे और वहां जाकर पता लगता था कि आगे साहब नहीं है फिर उनको बैरंग घर वापिस जाना पड़ता था लेकिन आज वही साहब उनके दरवाजे के ऊपर खड़े होते हैं। जनमंच का दिन तो एक अलग दिन होता है लेकिन जनमंच के अलावा जो प्रि-मंच होता है उसमें सारे जिला और मण्डल स्तर के अधिकारी गांव-गांव में जाकर लोगों से पूछते हैं कि आपकी क्या समस्या है। अगर यह

जमाना आया है और हिमाचल की यह तस्वीर बदली है तो माननीय मुख्य मंत्री जी की सोच और उनके कठिन परिश्रम के कारण बदली है।

महोदय, हिमाचल प्रदेश आज बदला है और हम अनेक और भी बातों में देखते हैं कि आज जनमंच के अलावा एक बहुत बड़ा प्रोजैक्ट "जल जीवन मिशन" हमारे देश और प्रदेश के अंदर माननीय प्रधान मंत्री जी के आशीर्वाद से आया है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी और जल शक्ति विभाग के मंत्री जी का जिन्होंने इस प्रोजैक्ट के ऊपर बहुत ही तत्परता से काम किया, धन्यवाद करना चाहता हूं। इन्होंने मेहनत की और प्रदेश में घूम-घूमकर सारे अधिकारियों को बुलाकर उनके सामने यह सारा विषय रखते हुए कि इस प्रोजैक्ट का हम हिमाचल प्रदेश के लिए कैसे लाभ ले सकते हैं और आज हिमाचल प्रदेश को अगर इतना सारा पैसा इस प्रोजैक्ट के अंदर मिला है तो

03/03/2020/1720/MS/AG/2

उसके लिए हमारे मुख्य मंत्री जी और हमारे जल शक्ति मंत्री जी बधाई के पात्र हैं। इस प्रदेश के लिए 3200 करोड़ रुपये के माध्यम से 327 योजनाएं आज हिमाचल प्रदेश के अंदर "जल जीवन मिशन" के तहत चल रही हैं और मैं बताना चाहूंगा कि हमारे घुमारवीं विधान सभा चुनाव क्षेत्र में भी 32 करोड़ रुपये "जल जीवन मिशन" से स्वीकृत हुए हैं और इसका काम भी शुरू हो गया है। महोदय, इस प्रकार मैंने जो कहा कि हिमाचल प्रदेश अब बदल गया है उसका दूसरा उदाहरण यह है कि पहले लोग गांव से उठकर आते थे कि साहब हमारा नलका लगवा दीजिए, इतने सालों से हमारा नलका नहीं लग रहा है। इसके लिए कभी उनको एफेडेविट भी बनाना पड़ता था। वे गांव के गरीब लोग कई बार अनपढ़ भी होते हैं और उनको पता नहीं लगता था इसलिए कई बार उनको इधर-से-उधर धक्के खाने पड़ते थे। लेकिन आदरणीय प्रधान मंत्री जी के आशीर्वाद से और माननीय मुख्य मंत्री और माननीय मंत्री जी के माध्यम से इनकी कड़ी मेहनत के कारण "जल जीवन मिशन" के काम ने अब हिमाचल प्रदेश में तेजी पकड़ी है और आज लोगों को नलके की मांग नहीं करनी पड़ रही है। सरकार और हमारा विभाग लोगों के पास जा रहा है कि बताओ आपके पास नलका है या नहीं है। हम आपको नलका भी लगाएंगे और पाइप भी बिछाएंगे और उसमें जो आपके घर के अंदर टूटी लगेगी वह भी हमारी सरकार और हमारा विभाग

लगाएगा। इसके लिए हम जय राम ठाकुर जी की सरकार को बहुत-बहुत बधाई देना चाहते हैं। यह बदलाव है। मैंने जो कहा कि हिमाचल प्रदेश में बदलाव आया है वह इसलिए क्योंकि जो जनता पहले प्रशासन और शासन के पीछे भागती थी, आज वही प्रशासन और शासन जनताभिमुख हुआ है। उनका जनता की ओर मुंह मुड़ा है और जनता की वे स्वयं सुध ले रहे हैं। यह अंतर आज हिमाचल प्रदेश के अंदर आ रहा है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि जब पहले हम गांवों में पंचायतों में किसी कार्यक्रम में भाग लेने जाते थे तो वहां हमारे बुजुर्ग लोग हमें बाजू से पकड़कर बोलते थे कि बेटा हमारी पैंशन लगवा दो। हमारे पास कोई जवाब नहीं होता था। हम भी उनको आश्वासन देकर दिलासा देते थे लेकिन माननीय मुख्य मंत्री जी ने जब "सामाजिक सुरक्षा पैंशन" जो 80 साल से लगती थी उसको 70 साल से देना शुरू कर दिया,

जारी जे0के0 द्वारा-----

03.03.2020/1725/जेके/डीसी/1

श्री राजिन्द्र गर्गः-----**जारी**------

और आज प्रदेश के अन्दर हजारों लोगों को इसका सीधा-सीधा लाभ मिल रहा है। आज कोई भी व्यक्ति हमें यह कहता हुआ नहीं दिखता है कि हमारी पैंशन लगा दीजिए। विभाग के लोग अपने आप डाटा कलैक्ट करके उन लोगों के पैंशन के फार्म भरवाते हैं और उनके खाते में अब सीधा पैसा जा रहा है। उनको पैंशन मांगने की भी आवश्यकता नहीं है। यह बदलाव हिमाचल प्रदेश के अन्दर आया है, यह हम आपसे कहना चाहते हैं। अध्यक्ष महोदय, और भी बहुत सारी योजनाएं हैं लेकिन आप घण्टी बजा रहे हैं। "जल से कृषि को बल" आदि अनेक कार्यक्रम हिमाचल प्रदेश के अन्दर शुरू हुए हैं जिसके कारण गांवों में, पंचायतों में छोटे-छोटे चैक डैम्ज़ लगा कर हमें दोहरा लाभ मिलता है। जहां हमारा वाटर लैवल इन चैक डैम्ज़ के माध्यम से ऊपर आ रहा है, वहीं उस पानी के माध्यम से खेतों की सिंचाई करके हमारे किसान को खुशहाल करने का भी एक प्रयास किया जा रहा है, उसके लिए भी हम माननीय मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत बधाई देते हैं। माननीय कृषि मंत्री जी और जल शक्ति मंत्री जी को भी हम बहुत-बहुत बधाई देना चाहते हैं। 22.50 करोड़ रुपये इस प्रोजैक्ट के ऊपर खर्च किए हैं जिसका हमारे किसानों को लाभ मिल रहा है। इतना ही

नहीं हमारा प्रगतिशील किसान अपने खेतों में सिंचाई कर सके, जिसका अपना ट्यूबवैल लगा हुआ है उसके लिए भी बिजली का खर्चा जो पहले 70 पैसे प्रति युनिट देना पड़ता था आज 50 पैसे प्रति युनिट उनको उपलब्ध हो रहा है। इसके लिए भी माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत आभार व्यक्त करते हैं। महोदय, बहुत सारी और भी बाते हैं। "मुख्य मंत्री खेत संरक्षण योजना" जिसके कारण हमारे किसानों को बेसहारा पशुओं, जंगली जानवरों से बहुत ज्यादा क्षति सहनी पड़ती है, उससे छुटकारा दिलाने के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी ने सोलर फैंसिंग का एक प्रोजैक्ट, एक योजना इस प्रदेश के अन्दर चलाई है उसमें 80 प्रतिशत सब्सिडी किसानों को दी जा रही है। अगर उसमें तीन से ज्यादा किसान सोलर बाड़ लगाते हैं तो 85 प्रतिशत की सब्सिडी प्रदेश की सरकार दे रही है। बहुत सारी बातें हैं । स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में एक "हिम केयर योजना" है। मैंने जो कहा कि प्रदेश के अन्दर बदलाव आया है।, उसके लिए यह भी एक बहुत बड़ी योजना है। इस

03.03.2020/1725/जेके/डीसी/2

योजना का भी बहुत बड़ा लाभ लोगों को मिल रहा है और अब हम जब गांवों में जाते हैं तो लोग कहते हैं कि हमने सहारा योजना में फार्म भर दिया है। कई ऐसे गरीब लोग हैं जो बिस्तर पर पड़े हैं उनके लिए कोई सहारा नहीं होता था, उनके लिए अगर कोई सहारा बन कर खड़े हैं तो हमारे श्री जय राम ठाकुर जी "सहारा योजना" के रूप में उनके साथ खड़े हैं। उनको 2000 रुपये मासिक खर्चा सरकार की ओर से दिया जा रहा है, उससे उनको बहुत बड़ी मॉरल स्पोर्ट सरकार की ओर से मिल रही है। अभी तक 3,93,609 लाभार्थी "हिम केयर योजना" में जिसके अध्यक्ष जी, आप मंत्री रहे हैं, उसमें इतने लाभार्थियों को लाभ मिला है और प्रदेश की सरकार ने 60 करोड़ से भी ज्यादा पैसा इसमें खर्च किया है। सहारा योजना के तहत 3 हजार लोगों को 2000 रुपये प्रति माह दिया जा रहा है।

अध्यक्षः माननीय सदस्य प्लीज़ वाइंड अप करें।

श्री राजिन्द्र गर्गः माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने प्रदेश के विकास के लिए इतनी बड़ी-बड़ी योजनाएं लाई हैं। वहीं मेरे घुमारवीं क्षेत्र के लिए भी इन्होंने बहुत बड़ी सौगातें दी हैं, जैसे घुमारवीं के अन्दर मिनी सचिवालय

बनाने के लिए आपने स्वीकृति दी है। घुमारवीं में आपने एच.आर.टी.सी. का सब डिपो दिया है। घुमारवीं में आपने हमको शहर के अन्दर ही तीन ओवर फुट ब्रिज दिए हैं। सिविल हॉस्पिटल को आपने 100 बैडिड कर दिया है जो कि 50 बैडिड था। उसका संचालन शुरू हो गया। भराड़ी के हॉस्पिटल को भी 30 बैडिड से आपने 50 बैडिड किया है। इन सारी बातों के लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं।

श्री एस.एस. द्वारा जारी----

03.03.2020/1730/SS-HK/1

श्री राजिन्द्र गर्ग क्रमागत :

और हमारे जो विपक्ष के मित्र हैं वे बार-बार इस डाक्युमैंट को लहराते हैं कि इसमें कुछ नहीं है। लेकिन हम बताना चाहते हैं कि इस डाक्युमैंट में जो बातें लिखी हैं, प्रदेश की जो संस्कृति बदली है, राजनैतिक संस्कृति बदली है और प्रशासन की संस्कृति बदली है तो इस डाक्युमैंट के कारण बदली है। जो संकल्प लिये थे, वे आज इसमें परिलक्षित हो रहे हैं। प्रदेश की आम जनता आज माननीय मुख्य मंत्री, श्री जय राम ठाकुर की सरकार को अपनी सरकार मानकर इससे उत्साहित है। निश्चित रूप से ज्यादा-से-ज्यादा लाभ लोगों को मिल रहा है।

इन्हीं शब्दों के साथ माननीय राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण दिया है मैं उसका भरपूर समर्थन करता हूं। धन्यवाद, जय हिन्द, जय भारत।

03.03.2020/1730/SS-HK/2

अध्यक्ष : अब इस चर्चा में माननीय सदस्य, श्री मुलख राज जी हिस्सा लेंगे ।

श्री मुलख राज (बैजनाथ) : अध्यक्ष महोदय, आज मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चल रही चर्चा के ऊपर बोलने का जो आपने समय दिया, मैं इसके लिए आपका धन्यवाद करता हूं।

माननीय अध्यक्ष जी, सदन के नेता माननीय मुख्य मंत्री, श्री जय राम ठाकुर जी के नेतृत्व में बीते दो वर्ष का कार्यकाल अभूतपूर्व उपलब्धियों से भरा रहा। ये उपलब्धियां उनकी कड़ी व अथक मेहनत का परिणाम हैं। मुख्य मंत्री जी ने गरीबी केवल देखी नहीं बल्कि सही भी है। इस प्रकार उन्होंने गरीबों के हित की योजनाएं लाकर प्रदेश की जनता के मन में लोकतंत्र के प्रति विश्वास को और ज्यादा मजबूत किया है। मुख्य मंत्री बनने के बाद सबसे पहला काम बुजुर्गों का मान-सम्मान बढ़ाया। उनके लिए सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जिसकी आयु सीमा 80 वर्ष थी, उसे कम करके 70 वर्ष किया, यह एक बहुत बड़ी बात है। जब बुजुर्ग 80 वर्ष की आयु में होते थे तो उनको पेंशन जो लगती थी, कई बार वे एक या दो पेंशनें लेते थे और उसके बाद स्वर्ग सिधार जाते थे। तो आयु सीमा को 70 वर्ष करके मुख्य मंत्री जी ने सबसे बड़ा पुण्य का काम किया ।

आज हिमाचल गृहिणी सुविधा योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं लाए। हिमकेयर योजना, आयुष्मान भारत जैसी योजना, मुख्य मंत्री चिकित्सा सहायता कोष, मुख्य मंत्री स्वावलम्बी योजना, जनमंच, मुख्य मंत्री सेवा संकल्प हेल्प लाइन-1100, गुड़िया हेल्प लाइन-1515, होशियार सिंह हेल्पलाइन-1090, ग्लोबल इंवेस्टर मीट, नशे का रोकथाम अभियान और इसमें सबसे बड़ी बात हिमकेयर जैसी योजना है। आयुष्मान भारत जैसी योजना है जिसके लिए मैं नरेन्द्र मोदी जी, माननीय मुख्य मंत्री जी और स्वास्थ्य मंत्री जी को बधाई देता हूं और उनका धन्यवाद भी करता हूं। ये ऐसी योजनाएं लाई हैं जिससे आज गरीब जन मानस को लगता है कि हमारा उपचार आसानी से होगा। भगवान् करे कि किसी को ऐसी नौबत न आए, मगर आज सबसे बड़ा सहारा बन कर इस योजना के तहत आम जन मानस को बहुत बड़ा लाभ मिला है। गरीब आदमी जब लाचार होता था और इलाज के लिए उसके पास पैसे नहीं होते थे और

जारी श्रीमती के0एस0

03.03.2020/1735/केएस/डीसी/1

श्री मुलख राज जारी-----

कई बार उसको अपनी जमीन बेचनी पड़ती थी , आज उसके लिए ऐसी योजनाएं धरातल पर लाई गई हैं। सहारा योजना एक ऐसी योजना है जो लाचार होते हैं, जिनके पास कोई

सहारा नहीं होता, इस योजना के तहत महीने का 2000 रुपये उनको मिलता है। उस लाचार व्यक्ति के लिए सबसे बड़ा सहारा बन कर प्रदेश के मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी आए हैं और इसके लिए अध्यक्ष महोदय, स्वास्थ्य मंत्री के रूप में आपका भी एक विशेष योगदान रहा है। मैं तहेदिल से आपका धन्यवाद करता हूं। मेरे विधान सभा क्षेत्र में आज विकास की एक गाथा लिखी गई है। जो विपक्ष के विधायक कहते हैं कि पिछले दो वर्षों में विकास नहीं हुआ है, अगर मैं अपने विधान सभा क्षेत्र की बात करुं तो मेरे बैजनाथ विधान सभा क्षेत्र में इन दो वर्षों के कार्यकाल में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। मेरे विधान सभा क्षेत्र की जो कूल्हें 25 वर्षों से बंद पड़ी थी, आज उन सभी के काम चले हैं और लगभग चार-पांच महीने के अंदर 10 कूल्हें बनकर तैयार हो गई हैं जो कि एक ऐतिहासिक कार्य है जिसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी और जल शक्ति मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, "जल जीवन मिशन" के तहत आज मेरे विधान सभा क्षेत्र में, अगर यह पूरी राशि जोड़ी जाए और लगातार जो वहां काम चल रहे हैं, जिनके लिए आज करोड़ों रुपये की सौगात मुख्य मंत्री जी ने दी है, मुझे लगता है कि यह राशि एक अरब से ऊपर है। धड़ाधड़ पाइपें बिछ रही हैं और विपक्ष के नेता जो कहते हैं कि आई.पी.एच. विभाग काम नहीं कर रहा है, मेरे विधान सभा क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। बैजनाथ विधान सभा क्षेत्र में जो अभी एक डिविज़न दिया है, उस डिविज़न के लिए भी मैं आज जल शक्ति मंत्री और माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं चढियार के लिए 50 बैड का हॉस्पिटल दिया जिसके लिए काफी समय से डिमांड थी, उसके लिए भी मैं माननीय मुख्य मंत्री और अध्यक्ष जी, आपका धन्यवाद करता हूं। उसमें हमेशा डॉक्टरों की कमी रहती थी लेकिन वहां पर आज चारों के चारों पद भरे हुए हैं। एक बी.एम.ओ. का कार्यालय था जिसको कांग्रेस के कार्यकाल में ही

03.03.2020/1735/केएस/डीसी/2

शिफ्ट कर दिया गया था। आज चढियार की जनता बहुत खुशहाल है। आजादी के बाद आज ऐसी सुविधा पहली बार देखने को मिल रही है। बैजनाथ हॉस्पिटल में जहां पर

डॉक्टरों की कमी रहती थी, आज 15 डॉक्टरों में से 14 डॉक्टर उस हॉस्पिटल में है और जनता का उपचार हो रहा है। पपरोला में उत्तरी भारत का एक मात्र आयुर्वेदिक स्नात्कोत्तर महाविद्यालय है,

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी--

03.03.2020/1740/av-dc/1

श्री मुलख राज---------- जारी

जिसका शुभारम्भ माननीय श्री शांता कुमार जी ने किया था मगर बाद में उसकी तरफ कोई ध्यान नहीं दिया गया। मैं माननीय मुख्य मंत्री और माननीय विधान सभा अध्यक्ष जी का धन्यवाद भी करता हूं कि आज इस महाविद्यालय को एम्स स्तर का दर्ज़ा दिलवाने के लिए कैबिनेट में मंजूरी प्रदान करके प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेज दिया है। पीछे शीतकालीन प्रवास के दौरान माननीय मुख्य मंत्री जी ने मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक दिन के प्रवास के दौरान करोड़ों रुपये की सौगातें दीं। आप लोग कह रहे हैं कि प्रदेश में विकास कार्य नहीं हो रहे हैं। हमारे बैजनाथ विधान सभा क्षेत्र में जो आज विकास की गाथा लिखी गई है वह ऐतिहासिक है और आप उसको वहां जाकर देखिए। वहां की चाहे सड़कों की बात करें या पेयजल योजनाओं व कूहलों की जो लगभग 25 वर्षों से सुखी पड़ी हुई थीं उनको अगर किसी ने हरा-भरा किया है तो श्री जय राम जी की सरकार ने किया है। वहां सकड़ी में 9.52 करोड़ रुपये की एक आई0टी0आई0 का शिलान्यास किया है, आयुर्वेदिक महाविद्यालय में 8,70,95,000/- रुपये की राशि से वृद्ध चिकित्सा केंद्र का उद्घाटन किया है तथा आयुर्वेदिक महाविद्यालय में ही ऑडिटोरियम बनाने के लिए 1.5 करोड़ रुपये की राशि के रूप में एक बहुत बड़ी सौगात दी है। शीतला चौक-बाबा काठक के लिए 3.90 करोड़ रुपये तथा बैजनाथ-भियोंट रोड की अपग्रेडेशन के लिए 5.5 करोड़ रुपये की राशि दी गई। साईंस लैब मुलाणा के लिए 1.9 करोड़ रुपये, बीड़ के लिए 1.24 करोड़ रुपये तथा लोक निर्माण विभाग के टाइप-II क्वार्टर्ज के लिए 1.25 करोड़ रुपये की राशि दी गई है।

जल शक्ति विभाग के बारे में मैंने जैसे पहले कहा कि उस दिन जो शिलान्यास किए तो मैं बताना चाहूंगा कि नोहरा-चकोल लिफ्ट वाटर सप्लाई स्कीम के लिए 3.91 करोड़ रुपये, धानग-लंघू-गदीयाड़ा के लिए 6.88 करोड़ रुपये, टिकरी-संगूर के लिए 3.3 करोड़ रुपये, रक्कड़-मझैरणा के लिए 10.50 करोड़ रुपये और जल जीवन मिशन के तहत चढ़ियार के लिए 56 करोड़ रुपये की योजना तैयार की जानी है। मुझे लगता है कि उसकी टी0एस0 हो गई है तथा टैंडर होने शुरू हो गये हैं बाकी सभी योजनाओं के टैंडर हो चुके हैं। यहां कहा जा रहा है कि विकास नहीं हुआ, यह

03.03.2020/1740/av-dc/2

मेरे विधान सभा क्षेत्र के विकास की गाथा है। आप जहां मर्जी से इसके बारे में आंकड़े ले सकते हैं। मैंने यहां पर जो कूहलों की बात की है इसमें लिफ्ट इरीगेशन स्कीम 1.1 करोड़ रुपये, सकड़ी-दियोड़ा-काठक-सुनपुर की 67.50 लाख रुपये, हारतरा-चोब्बू की 1.27 करोड़ रुपये, दस कूहलों के लिए 10.17 करोड़ रुपये, चंदरूल कूहल के लिए 7.90 करोड़ रुपये की राशि आज बैजनाथ विधान सभा क्षेत्र में पहुंची है तथा इनके टैंडर लग चुके हैं। बीड़-बीलिंग के लिए "नई राहें, नई मंजिल" योजना के तहत 5.12 करोड़ रुपये तथा इसके अतिरिक्त एक और राशि 2.31 करोड़ रुपये जिसके बारे में मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से बार-बार चर्चा भी करता रहता था। आपने ततवाणी के लिए भी 40 लाख रुपये की राशि उपलब्ध करवा दी है और मुझे लगता है कि इसका कार्य शीघ्र ही शुरू किया जायेगा, मैं इसके लिए भी आपका धन्यवाद करता हूं।

टी सी द्वारा जारी

03.03.2020/1745/TCV/YK-1

श्री मुलख राज.... जारी

एक बात बार-बार सदन में आती है कि दलितों के ऊपर अत्याचार हो रहे हैं। मैं भी अनुसूचित जाति से संबंध रखता हूं, मैं बैज़नाथ आरक्षित सीट से विधायक हूं। दलितों के

ऊपर बार-बार राजनीति करना, ये अब इनकी मजबूरी बन गई है। दलितों के ऊपर कांग्रेस ने हमेशा वोटों की राजनीति की है लेकिन अब दलित इनके हाथों से निकल चुके हैं। इनकी करनी और कथनी में बहुत अंतर है। मण्डी शिवरात्रि का मामला बार-बार आ रहा है और जातीय भेदभाव के आधार पर इस मुद्दे को राजनीतिक मंशा से हवा दे रहे हैं। यह बात ठीक नहीं है। मैं आज माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि इन्होंने इस मामले में कड़ा संज्ञान लिया और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के आदेश दिए। इस मामले में जो दोषी है, वह कोई और नहीं है, इनकी ही पार्टी का पदाधिकारी है। यह एक बहुत ही अशोभनीय बात है। एस0सी0, एस0टी0 छात्रवृत्ति का जो घोटाला हुआ है, वह सबसे बड़ा घोटाला है। हम इसकी जांच की मांग आपकी सरकार (कांग्रेस) के समय करते रहे परंतु आपने मामले को ठंडे बस्ते में डाला। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने इस मामले की जांच के आदेश दिए। यह सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबको साथ लेकर चलने वाली सरकार है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो करोड़ों रुपये की सौगात दी है, इसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं। यहां सदन में महामहिम राज्यपाल महोदय का अभिभाषण जो चर्चा के लिए लाया गया है, मैं भी इसका समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

03.03.2020/1745/TCV/YK-2

अध्यक्षः अब इस चर्चा में माननीय सदस्य, श्री सुरेंद्र शौरी जी भाग लेंगे।

श्री सुरेन्द्र शौरी (बंजार) : अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर जो प्रस्ताव माननीय सदस्य, श्री बलबीर सिंह जी द्वारा लाया गया और माननीय सदस्य, श्री राकेश जम्वाल जी द्वारा जिसका अनुसमर्थन किया गया, उस पर चर्चा के लिए लिए मैं खड़ा हुआ हूं। आपने मुझे समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय, प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री, जय राम ठाकुर जी की सरकार के गौरवमयी 02 वर्ष पूर्ण हुए हैं। इन 02 वर्षों में प्रदेश ने विकास के नये कीर्तिमान स्थापित किए हैं। आम जनता के कल्याण को

केन्द्र-बिन्दु में रखकर सामाजिक, आर्थिक उत्थान के नये कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिसकी गूंज पहाड़ों की वादियों से निकल करके देश- विदेश में सुनाई पड़ रही है। मुख्य मंत्री महोदय, ने बिना थके, बिना रुके हर क्षण प्रदेश के कोने-कोने में जा करके आम जनता की समस्याओं को सुना और उनसे सीधा संवाद किया। इन्होंने न केवल समस्याओं को सुना बल्कि समाधान भी किया और आम जनता के लिए सरकार क्या कर सकती है, उस नाते नई योजनाएं और नये कार्यक्रम लाये। अध्यक्ष महोदय, हम पिछले 3-4 दिनों से इस चर्चा में वरिष्ठ सदस्यों को सुन रहे थे और बहुत-सारी योजनाएं सरकार की यहां पर रखी गईं हैं। सरकार की लोकप्रिय योजना 'जनमंच' पर जिसको विपक्ष वाले न जाने क्या नाम दे रहे हैं

एन0एस0 द्वारा ... जारी

03-03-2020/1750/NS/AG/1

श्री सुरेन्द्र शौरी ..... जारी

मैं कहना चाहूंगा कि यह बहुत लोकप्रिय कार्यक्रम है। मैं अपने विधान सभा क्षेत्र का यहां पर उदाहरण देना चाहूंगा कि मेरे क्षेत्र में 55 पंचायतें हैं और 55 पंचायतों में से इन दो वर्षों के अंदर 47 पंचायतों में प्री-जनमंच लगाए और इसमें मैं स्वयं उपस्थित रहा। पंचायत घर में उपमंडल स्तर के सभी अधिकारी जाते हैं, एस0डी0एम0 इसमें होता है, सभी अधिकारी वहां पर जाते हैं और जनता की समस्याओं को सुनते हैं और सरकार की नीतियों को वहां पर रखते हैं तथा लोगों को इनका लाभ मिलता है। इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ कि दो वर्षों के कार्यकाल में एक विधान सभा क्षेत्र के अंदर पूरी पंचायत के हैड क्वाटर में जा करके लोगों की समस्याएं सुनते हैं। यह अगर संभव हुआ है तो माननीय मुख्य मंत्री जय राम ठाकुर जी की दूरदर्शी सोच से संभव हुआ है कि अच्छा सुशासन कैसे किया जा सकता है, जनता से सीधा संवाद कैसे किया जा सकता है उस नाते यह प्रभावी कार्यक्रम जनमंच के माध्यम से आम जनता की समस्या का समाधान हुआ है।

अध्यक्ष महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र में पांच जनमंच लगे और हर जनमंच में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री आए। लोगों ने अपनी मांगें उनके सामने रखीं। जब लोग खुश हैं और उनको लग रहा है कि लोकप्रिय सरकार जनता के लिए काम कर रही है तो न जाने विपक्ष को

क्यों आपत्ति है? मुझे लगता है कि अगर इसी भांति कार्यक्रम सफल होते रहे तो विपक्ष की पीढ़ा यह है कि अगर इसी तरह लोकप्रिय नीतियां आगे भी चलती रहीं और जनता का इनको समर्थन मिलता रहा तो इनको 5-10 साल और विपक्ष में बैठना पड़ेगा। यहां पर वरिष्ठ सदस्या श्रीमती आशा कुमारी जी कह रही थी कि " मुख्य मंत्री सेवा संकल्प" टोल फ्री नम्बर 1100 लाने की जरूरत क्या पड़ी? अध्यक्ष महोदय, सुशासन है और आम जनता को लगना चाहिए कि आज प्रदेश का मुख्य मंत्री किसी रियासत का राजा नहीं है बल्कि आम लोगों का राजा है। इसलिए आम जनता अपनी सीधी सुनवाई कर सके और आम जनता की समस्या का हल हो सके इसके लिए यह इतनी लोकप्रिय हैल्पलाइन शुरू हुई है। यह हैल्पलाइन 16 सितम्बर, 2019 को शुरू हुई और 16 फरवरी तक लगभग 33,000 से अधिक शिकायतों का निवारण हुआ है। आज आम जनता को लग रहा है कि ये सरकार माननीय जय राम ठाकुर जी की सरकार है और इसमें आम लोगों की सुनवाई होती है।

03-03-2020/1750/NS/AG/2

अध्यक्ष : माननीय सदस्य बीच में न बोलें।

श्री सुरेन्द्र शौरी : अध्यक्ष महोदय, विपक्ष की पीढ़ा यह है कि आज हिमाचल प्रदेश में हर गृहिणी को गैस उपलब्ध करवाई जा रही है। मैंने जब अपने विधान सभा क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित किए और महिलाओं को गैस सिलैंडर फ्री में दिए। तब मैंने उनके चेहरों की रौनक देखी है। उनकी आंखों में इतनी खुशी थी कि कोई सरकार ऐसी है जो महिलाओं की पीढ़ा को जानती है। हम इसके लिए माननीय मुख्य मंत्री जी का तहेदिल से धन्यवाद करते हैं।

अध्यक्ष महोदय, आज बीमारी की हालत में जब गरीब के पास इलाज़ के लिए पैसा नहीं होता है तो उसके लिए यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने "आयुष्मान भारत योजना" लाई और हिमाचल प्रदेश सरकार ने जिन लोगों को 5 लाख रुपये की सुविधा नहीं मिल पाई और जिनके गोल्डन कार्ड नहीं बन पाए उनके लिए "हिमकेयर योजना" ला करके लाभ दिया है। आज 03,93,000 लोगों का इसमें पंजीकरण हुआ है। अध्यक्ष महोदय, दुःख या संकट किसी को पूछ करके नहीं आता है। जब किसी को बीमारी लग जाती है और इलाज़ के लिए पैसे नहीं होते हैं तो क्या हालत होती है? मैंने अपने क्षेत्र में देखा है कि किसी को हार्ट की बीमारी हुई और उसके पास इलाज़ के लिए पैसे नहीं हैं। इसके लिए

माननीय मुख्य मंत्री जी ने अलग से चिकित्सा राहत कोष का गठन करके उसमें 10 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का प्रावधान किया और इसके अंतर्गत आज 5 करोड़ रुपये की सहायता राशि दी जा चुकी है। एक नये विज़न के साथ माननीय मुख्य मंत्री जी ने काम करना शुरू किया। पिछली सरकार ने कभी नहीं सोचा कि जो लोग गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं उनके लिए कोई योजना लाई जाए।

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

03.03.2020/1755/RKS/AG-1

श्री सुरेन्द्र शौरी... जारी

माननीय मुख्य मंत्री जी ने सहारा योजना लाकर ऐसे व्यक्तियों की मदद की है जो बीमारियों से ग्रस्त थे। उन व्यक्तियों के लिए महीने में 2000 रुपये की सहारा पैंशन योजना शुरू की गई है। प्रदेश के बेरोज़गार युवाओं को रोजगार कैसे मिले, प्रदेश को टूरिज्म की दृष्टि से आगे कैसे बढ़ाया जाए, इसके लिए माननीय मुख्य मंत्री जी ने इन्वैस्टर मीट का आयोजन किया। विपक्ष के सभी साथियों को पीड़ा हो रही थी कि इसमें बहुत खर्चा हुआ है। विपक्ष के साथी यह भी कह रहे थे कि इससे प्रदेश को कितना लाभ होगा? जब हम घर में कोई सेब या आम का पेड़ लगाते हैं तो दूसरे दिन कटोरा लेकर नहीं जाते कि पेड़ में कितने फल लगे? उस पेड़ की सेवा करनी पड़ती है, उस पेड़ को बड़ा करना पड़ता है। यह माननीय मुख्य मंत्री की दूरदर्शी सोच है कि इन्होंने इतने बड़े इवैंट का आयोजन करवाया। इस इवैंट के तहत विदेशों से कई इन्वैस्टर यहां पर आ रहे हैं और निश्चित तौर पर आने वाले समय में इसका फायदा बेरोजगार युवाओं को मिलेगा। प्राकृतिक खेती, खुशहाल किसान योजना में किसानों का रूझान प्राकृतिक खेती की ओर कैसे बढ़ा है इसको मैंन अपने विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के अंदर देखा है। हमने एग्रीकल्चर विभाग के साथ गांव में जाकर सेमिनार लगाए और लोगों को इस बारे में जागृत किया। प्रदेश में 61 हजार से अधिक किसानों को इसका प्रशिक्षण दिया गया जो आज प्राकृतिक खेती कर रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश में ज्यादातर लोग कृषि पर निर्भर है। किसानों की आय दोगुनी हो उसके लिए माननीय मुख्य मंत्री जी ने बहुत सारी योजनाएं चलाई हैं। 'जल से कृषि को बल', 'मुख्य मंत्री खेत संरक्षण योजना' यानी माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में समाज का कोई ऐसा वर्ग नहीं छूटा है जिसको लाभान्वित नहीं किया गया है। 'जल जीवन मिशन' के तहत बंजार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 10 स्कीमों में काम शुरू हो गये हैं जिनके लिए करोड़ों रुपये का बजट स्वीकृत हो चुका है। जिस गति से 'जल जीवन मिशन' को धरातल पर उतारा गया है उसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री और माननीय जल शक्ति मंत्री का आभार प्रकट करता हूं। इस मिशन के तहत बहुत सारी पंचायतें कवर हो रही है। हर घर में फ्री नल लगेगा और पाइपें भी बिछेंगी। 'मुख्य

03.03.2020/1755/RKS/AG-2

मंत्री स्वावलंबन योजना' में प्रदेश के बेरोजगार नौजवानों को 40 लाख रुपये तक का ऋण सब्सिडी में दिया जा रहा है जिससे बेरोजगार युवा दुसरों को नौकरी देने वाले बनाए गए हैं। हिमाचल प्रदेश में टूरिज्म की अपार सम्भावनाएं हैं। टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन नीति-2019 बनाई गई है। अगर मैं अपने विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र की बात करूं तो सबसे ज्यादा होम स्टे मेरे निर्वाचन क्षेत्र में चल रहे हैं। होम स्टे में कमरों की संख्या तीन से बढ़ाकर चार की गई है जिसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं। नई पर्यटन नीति के तहत टूरिज्म में होटल, गैस्ट हाउस, रिजोर्ट, वेलनैस टूरिज्म यानी इस तरह की बहुत सारी सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं जिसमें रियायत और अनुदान में बहुत सारे युवा जुड़ेंगे और बहुत लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। आज समाज के हर वर्ग को यह लाभ मिल रहा है और इसलिए विपक्ष अच्छी नीतियों का भी विरोध कर रहा है। लोक सभा चुनाव में 68 के 68 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी को लीड मिली है और दो उप चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी जीते हैं।

श्री बी.एस. द्वारा... जार

03.03.2020/1800/बी.एस./वाई.के./-1

श्री सुरेन्द्र शौरी जारी...

हमने प्रदेश की बहुत सारी नीतियों की यहां पर चर्चा की है। अभी विपक्ष के साथी कह रहे थे कि माननीय मुख्य मंत्री विधान सभा चुनाव क्षेत्रों में जाते हैं वहां जो घोषणाएं करते हैं वे पूरी नहीं होती हैं। मैं आपको कहना चाहूंगा कि माननीय मुख्य मंत्री जी हमारी विधान सभा बंजार में आए और जो इन्होंने कहा वह करके दिखाया। बंजार के अन्दर सब-जज कोर्ट नहीं था, माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा, बहुत जल्द न्यायालय मिलेगा। एक वर्ष के अन्दर घोषणा पूरी हुई। वहां पर जज को बैठते हुए एक वर्ष पूरा हो गया है और वहां के लोगों को अदालती कामों के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता। उसके साथ बंजार में एस.डी.पी.ओ. कार्यालय नहीं था, बंजार का डी.एस.पी. कुल्लू में बैठता था कुल्लू के साथ सारा क्षेत्र जुड़ा हुआ था। माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा कि बंजार में डी.एस.पी. बैठेगा और वह घोषणा भी पूरी हो चुकी है। बंजार के अन्दर अग्नि शमन केन्द्र नहीं था। माननीय मुख्य मंत्री जी ने घोषणा की और छह महीने के अन्दर बंजार में अग्नि शमन केन्द्र खोल दिया और वहां पर अग्नि शमन की गाड़ी भी आ गई। बंजार में नेचर पार्क नहीं था, माननीय मुख्य मंत्री जी ने नेचर पार्क का शिलान्यास किया आज उसका काम जोरों पर चला हुआ है। हमारे लिए माननीय मुख्य मंत्री जी ने बजौरा में सब डीविजन पी.डब्ल्यू.डी. की घोषणा की और नया कार्यालय बनाने के बाद आज वहां पर एस.डी.ओ. बजौरा में बैठता है। माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो कहा वह किया। हमारे वहां हैलिपैड की घोषणा की आज हैलिपैड का काम चल पड़ा है। वहां के लिए सड़क निकलनी शुरू हो गई है। इसके साथ-साथ एच.आर.टी.सी. सब डिपू की घोषणा की आज उसकी नोटिफिकेशन हो चुकी है। "नई राहे नई मंजिलें" में लारजी झील के लिए कहा कि यहां पर पर्यटन शुरू होगा। चार करोड़ रुपया उसके लिए स्वीकृत हुआ है। आज लारजी के पास वाटर स्पोर्ट्स के लिए काम चला है। महोदय, गढ़सा में पैराग्लाइडिंग शुरू की गई। सड़कों के लिए करोड़ों रुपए का बजट आया है यह विकास है। आज में माननीय मुख्य मंत्री जी का तहेदिल से धन्यवाद करता हूं कि प्रदेश सरकार

आपके नेतृत्व में आर्थिक स्वावलम्बन, समृद्धि, संपन्नता की ऊंची उड़ान भर रही है। हिमाचल नए शिखर को

03.03.2020/1800/बी.एस./वाई.के./-2

छूने वाला है और आने वाले समय में भी निरन्तर विकास दिन दौगुनी-रात चौगुनी गति से दौड़ेगा। जिस दस्तावेज के बारे में विपक्ष ने कहा कि कुछ नहीं है, यह वह दस्तावेज है जिसके कारण आप 15 वर्षों तक उसी स्थान पर बैठे रहेंगे, यह मैं कहना चाहूंगा। माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया आपका धन्यवाद और इस अभिभाषण का मैं पुरजोर समर्थन करता हूं। जय हिन्द, जय भारत॥

03.03.2020/1800/बी.एस./वाई.के./-3

अध्यक्ष : अब माननीय सदस्य श्रीमती रीता देवी जी इस चर्चा में भाग लेंगी।

श्रीमती रीता देवी(इन्दौरा) : माननीय अध्यक्ष महोदय, 25 फरवरी, 2020 को महामहिम राज्यपाल महोदय जी ने अभिभाषण प्रस्तुत किया था। माननीय सदस्य भाई बलबीर सिंह जी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया और माननीय सदस्य भाई राकेश जम्वाल जी ने इसका समर्थन किया मैं भी इसमें चर्चा करने के लिए खड़ी हुई हूं। आपने मुझे बोलने का समय दिया आपका धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष महोदय, दो वर्ष पहले प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी और मेरे जैसे कई विधायक पहली बार इस माननीय सदन में आए। माननीय जय राम ठाकुर जी प्रदेश के पहली बार मुख्य मंत्री बने और इन दो सालों में प्रदेश की जनता के हित के लिए कई योजनाएं चलाई गई। वह योजनाएं बनाई ही नहीं गई बल्कि उन्हें धरातल में भी उतारा गया। "दो साल विश्वास के प्रगति और विकास के" हमारे सिद्धांत के अनुरूप रहे हैं। इन दो सालों में माननीय मुख्य मंत्री जी ने पूरे प्रदेश का दौरा किया 68 विधान सभा चुनाव क्षेत्रों में दो-तीन-तीन बार दौरा किया और करोड़ों रुपए की घोषणाएं उन क्षेत्रों के लिए की।

आज चाहे उनकी घोषणाएं हो चाहे उनके द्वारा बनाई गई योजनाएं, सब धरातल में दिखाई दे रही हैं।

श्री डी.टी. द्वारा जारी...

03.03.2020/1805/dt/as-1

श्रीमती रीता देवी.... जारी

अगर सामाजिक सुरक्षा पेन्शन की तो माननीय मुख्य मन्त्री महोदय ने मुख्य मन्त्री की कुर्सी पर बैठते ही अपने बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया और जो वरिष्ठ नागरिकों के लिए पेन्शन की आयु सीमा पूर्व में तय की गई थी उसे 80 साल से घटाकर 70 कर दिया। जरा पुछिये उन गरीब बुजुर्गों को जो अपनी छोटी-छोटी जरूरतों को पुरा करने के लिए एक महिना उस पेन्शन का इन्तज़ार करते हैं। आज प्रदेश के हज़ारों बुजुर्ग वो माननीय मुख्य मन्त्री महोदय की लम्बी आयु की कामना करते हैं। हिमाचल गृहणी सुविधा योजना, आज मेरी बहनों के सिर से लकड़ी का गट्ठा अगर उतारा है तो वह माननीय मुख्य मन्त्री जी ने उतारा है। वह जंगलों में जाती थी और खाना बनाने के लिए लकड़िया इकट्ठा करके लाती थी। धुऐं के कारण उन्हें कई बिमारियों का सामना करना पड़ता था। लेकिन उनके लिए किसी ने नहीं सोचा अगर किसी ने सोचा तो आदरणीय मुख्य मन्त्री महोदय ने। भारतीय जनता पार्टी ने सोचा और बिना भेदभाव के सोचा। इसका भी विरोध यहां हमारे माननीय सदस्य श्री विनय जी करके गये हैं। आज माननीया सदस्या, श्रीमती आशा कुमारी जी बोल रही थी कुछ और विपक्ष के साथी भी यह कह रहे थे की भाजपा ने हमेशा महिलाओं का विरोध किया है। लेकिन मैं कहना चाहुंगी की जब-जब भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार इस प्रदेश में बनी है महिलाओं के लिए कुछ-न-कुछ उन्होंने किया है। आज हमारे प्रदेश के मुख्य मन्त्री जी ने महिलाओं के सिर से लकड़ी का गट्ठा उतारा। हमारे माननीय शान्ता कुमार जी ने महिलाओं के सिर से पानी का घड़ा उतारा। जब पहली बार आदरणीय शान्ता कुमार जी इस प्रदेश के मुख्य मन्त्री बनें तो उन्होंने पंचायती राज में 33 प्रतिशत

आरक्षण महिलाओं को दिया। उसके उपरान्त जब माननीय श्री प्रेम कुमार धुमल जी इस प्रदेश के मुख्य मन्त्री बने तो उन्होंने उस आरक्षण को 50 प्रतिशत कर दिया। आज प्रदेश में पंचायती राज में 50 प्रतिशत महिलाऐं प्रधान, उप-प्रधान व बी0डी0सी0 मेम्बर बन कर बैठीं है। इसका का श्रेय भी भारतीय जनता पार्टी को जाता है। मुख्य मन्त्री स्वाबलम्बन योजना, यह

03.03.2020/1805/dt/as-2

मुख्य मन्त्री का सराहनीय प्रयास रहा है। हमारे प्रदेश के जो लोग आगे बढ़ना चाहते हैं, अपने पैरों पर खड़ा होना चाहते हैं, अपने मॉ-बाप का सहारा बनना चाहते हैं, उनको अपने पैरों पर खड़ा करने योग्य बनाया। इसके लिए स्वाबलम्बन योजना अहम भुमिका निभा रही है। आयुष्मान भारत योजना, जो केन्द्र में हमारे प्रधान मन्त्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आरम्भ की हैा उसमें गरीब लोग किसी गम्भीर बिमारी से ग्रस्त हो जाते हैं और अपना ईलाज़ नहीं करवा सकते, अपने घरों में ही उनको तड़फ-तड़फ कर मरना पड़ता था, उन लोगों के लिए यह योजना बनाई गई है। हमारे माननीय मुख्य मन्त्री, माननीय जय राम ठाकुर जी ने देखा की बहुत से लोग इस योजना के अन्तर्गत नहीं आ रहे तो उन्होंने हिमाचल प्रदेश के लोगों के लिए हिम केयर योजना बनाई । हम लोग अपनी-अपनी विधान सभा में देखते हैं कि हंसता-खेलता परिवार एक दम किसी घर के सदस्य को कैंसर या किडनी खराब होने का गम्भीर रोग लग जाता है और आर्थिक मदद के लिए वह गरीब लोग दुसरों के आगे हाथ फैलातें हैं आज यह आयुष्मान और हिमकेयर योजना चला कर प्रधान मन्त्री जी ने और प्रदेश में मुख्य मन्त्री जी ने और माननीय अध्यक्ष महोदय आपने गरीब लोगों के लिए संजीवनी बूटी लाने जैसा काम किया है। इस योजना के कारण लाखों लोग मौत के मुंह से बाहर आये हैं। सहारा योजना जो बिस्तर पर लाचार लोग पड़े रहते हैं, मजबूर हैं, उनके सहारे के लिए यह योजना चलाई गई है। हर महीने 2000 रूपया उनके खाते में डाला जायेगा। सरकार के लिए 2000 रूपये देना कोई बड़ी बात नहीं है।

श्री एन.जी.... द्वारा जारी

03-03-2020/1810/डी.सी.-एन.जी./1

श्रीमती रीता देवी जारी...

अध्यक्ष महोदय, सरकार के लिए 2 हज़ार रुपये देना कोई बड़ी बात नहीं है लेकिन बड़ी बात यह है कि हमारे माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी बहुत छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखते हैं। माननीय मुख्य मंत्री जी जमीन से जुड़े हुए नेता हैं इसलिए हर वर्ग का ध्यान रखते हैं।

अध्यक्ष महोदय, हिमाचल प्रदेश सरकार ने महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए 'गुड़िया हेल्पलाइन-1515' आरम्भ की है। दिनांक 31 दिसम्बर, 2019 तक इस हेल्पलाइन पर प्राप्त लगभग समस्त शिकायतों का निपटारा किया जा चुका है। इस हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर 163 एफ.आई.आर. दर्ज़ की गई हैं। माननीय नेता प्रतिपक्ष श्री मुकेश अग्निहोत्री जी कह रहे थे कि इस योजना के बारे में लोगों को पता ही नहीं है। मैं उनसे यह कहना चाहती हूं कि सरकार जनहित की कोई भी योजना चलाती है और सरकार किसी भी पार्टी की हो तो उस योजना को लोगों तक पहूंचाने का काम उस क्षेत्र के जनप्रतिनिधि का होता है। यह हमारा कृतव्य बनता है, हमारा कर्म बनता है, धर्म बनता है कि यदि सरकार जनहित की कोई योजना चला रही है तो अपने क्षेत्र के लोगों को उसका लाभ मिलना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, हमारे देश के प्रधान मंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश के लोगों के हित के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं और हमारे प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी ने प्रदेश के लोगों के हित के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं। उन सब योजनाओं की चर्चा हमारे सभी माननीय विधायकों ने विस्तार से इस माननीय सदन में की हैं इसलिए मैं उन सभी योजनाओं को दोहराना नहीं चाहती।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपने विधान सभा क्षेत्र की बात करना चाहती हूं। किसी भी क्षेत्र की मूलभूत आवश्यकता सड़क, स्वास्थ्य, बिजली और पानी होती है। मेरा विधान सभा क्षेत्र हर प्रकार से पिछड़ा हुआ क्षेत्र था लेकिन

03-03-2020/1810/डी.सी.-एन.जी./2

जब माननीय मुख्य मंत्री जी ने दिनांक 15 अगस्त, 2018 को मेरे विधान सभा क्षेत्र का दौरा किया तब मेरे क्षेत्र के लिए करोड़ों रुपयें की घोषणाएं करी। यदि हम स्वास्थ्य की बात करें तो मेरा चुनाव क्षेत्र इतना बड़ा क्षेत्र था और आज तक उसमें एक भी सिविल अस्पताल नहीं था। 100 साल पहले एक पी.एच.सी. वर्ष 1919 में बनी थी और एक पी.एच.सी. वर्ष 1922 में बनी थी। वहां पर केवल दो पी.एच.सी. थी जिन्हें माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी ने अपग्रेड करके सिविल अस्पताल का दर्जा दिया और इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहती हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपका भी धन्यवाद करना चाहती हूं क्योंकि आप उस समय प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री थे और आपका भी बहुत सहयोग हमें मिला और हमें 2 सिविल अस्पताल मिले। मेरे विधान सभा क्षेत्र में हमें लोक निर्माण विभाग का डिवीज़न भी मिला। 2 साल पहले मेरे विधान सभा क्षेत्र की सड़के पूरे प्रदेश में मशहूर थी। 2 दिन पहले मुझे एक पत्रकार मिले वह मुझ से पूछ रहे थे कि आपके क्षेत्र की सड़कों का क्या हाल है, मैं 2 साल पहले आपके क्षेत्र में गया था तब सड़कों का बहुत बुरा हाल था। माननीय मुख्य मंत्री जी ने जब मुझे लोक निर्माण विभाग का डिवीज़न दिया उसके 6 माह के भीतर वहां पर एक्स.ई.एन. बैठ गया और करोड़ों रुपये का बजट हमारे क्षेत्र की सड़कों के विकास के लिए निरन्तर आ रहा है जिसके फलस्वरूप आज 70 प्रतिशत सड़कों की स्थिती सुधर चुकी है और इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करती हूं। मिनी सचिवालय के लिए मुझे करोड़ों रुपये का बजट दिया गया। शौज खड्ड के कारण मेरे विधान सभा क्षेत्र में बहुत समस्याएं रहती थी, लोगों के घरों में पानी घुस जाता था और लोग कई दिनों तक परेशान रहते थे। उस खड्ड के तटीयकरण के लिए 105 करोड़ रुपये का बजट माननीय मुख्य मंत्री जी ने हमें दिया। मेरी 18 पंचायतें ऐसी थी जहां

के लोग पानी के लिए तरसते रहते थे लेकिन जल जीवन मिशन के तहत 34 करोड़ का शिलान्यास

श्रीमती एम.एस. द्वारा जारी....

03/03/2020/1815/MS/DC/1

श्रीमती रीता देवी जारी-------

मेरे क्षेत्र में माननीय मुख्य मंत्री जी ने 14 फरवरी को किया था और मेरे ही क्षेत्र में 78 करोड़ रुपये की अन्य योजना का शिलान्यास भी 14 फरवरी को किया था। इसके लिए मैं तहेदिल से माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहती हूं। अध्यक्ष महोदय, इन दो सालों में हमारे मुख्य मंत्री बिना थके बिना रूके इस प्रदेश की ईमानदारी से सेवा कर रहे हैं लेकिन हमारे विपक्ष के लोगों को कुछ दिखाई नहीं दे रहा है तो इसमें हमारी सरकार का क्या कसूर है? बाहर बैठी जनता सबकुछ जानती है।
अध्यक्ष जी, महामहिम राज्यपाल महोदय जी ने जो अभिभाषण यहां पर दिया है, मैं उसका समर्थन करती हूं। आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

अध्यक्षः इस चर्चा में अंतिम वक्ता के रूप में माननीय सदस्य श्री जवाहर ठाकुर जी भाग लेंगे। माननीय सदस्य, कृपया समय का ध्यान रखें।

03/03/2020/1815/MS/DC/2

श्री जवाहर ठाकुरः अध्यक्ष महोदय, 25 फरवरी, 2020 को महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा यहां पर जो अभिभाषण दिया गया है, जिसका प्रस्ताव माननीय सदस्य श्री बलबीर जी ने रखा और श्री राकेश जम्वाल जी ने उसका अनुमोदन किया, उस पर बोलने के लिए मैं यहां पर खड़ा हुआ हूं।

मैं जय राम जी की सरकार को बधाई देना चाहता हूं कि इस सरकार की प्राथमिकता का मुख्य ध्येय सेवा व सुशासन रहा है। जनता के प्रति सरकार की सफलता और उनकी इच्छाओं को पूरा करने के लिए श्री जय राम जी की सरकार का दो वर्ष का कार्यकाल सराहनीय और ऐतिहासिक रहा है। हमारी सरकार द्वारा जन कल्याण की योजनाएं, चाहे सामाजिक सुरक्षा पैंशन, हिमाचल गृहिणी सुविधा योजना, हिम केयर योजना, मुख्य मंत्री चिकित्सा योजना, मुख्य मंत्री स्वावलम्बन योजना, मुख्य मंत्री सेवा संकल्प हैल्पलाइन, नशे की रोकथाम, सहारा योजना, मेधा प्रोत्साहन योजना, मुख्य मंत्री खेत संरक्षण योजना या पर्यटन के क्षेत्र में नई राहें नई मंजिलें और जनमंच और ग्लोबल इन्वैस्टर मीट जैसी योजनाएं इस प्रदेश में शुरू कीं जिनका हिमाचल प्रदेश में आम जनता तक लाभ पहुंचा है। मैं यह कहना चाहता हूं कि श्री जय राम जी के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश में गांवों की असली सरकार बनी है। श्री जय राम जी की सरकार ने जन कल्याण की योजनाएं शुरू करके उनको धरातल पर उतारा है। मैं मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं कि दो वर्ष के कार्यकाल में मेरे विधान सभा क्षेत्र में ये दो बार आए और दोनों कार्यक्रमों में इन्होंने जो भी घोषणाएं की हैं, उनमें से 99 प्रतिशत योजनाओं का कार्य शुरू हुआ है और लोगों को उनका लाभ मिल रहा है। मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक वर्ष के कार्यकाल में 3500 लोगों को सामाजिक सुरक्षा पैंशन प्रदान की गई है। जहां तक हिमाचल गृहिणी सुविधा योजना की बात है उसके तहत 8700 गृहिणियों को गैस कनैक्शन दरंग विधान सभा क्षेत्र में आबंटित किए गए हैं। जहां तक सड़कों और पुलों की बात है तो दरंग विधान सभा क्षेत्र में मुख्य मंत्री द्वारा जब पहला कार्यक्रम हुआ था तो 122 करोड़ रुपये की सड़कों की नींव

03/03/2020/1815/MS/DC/3

के पत्थर रखे गए थे जिनका आज प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना या नाबार्ड के माध्यम से काम तेजी से चल रहा है। अभी-अभी जो जल जीवन मिशन हमारे प्रदेश में आया है इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी और जल शक्ति मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं कि

पहले चरण में 35 करोड़ रुपये की योजनाओं का काम मेरे विधान सभा क्षेत्र में शुरू हुआ है। जो "जल से कृषि को बल योजना" शुरू हुई है इसके लिए भी मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं।

जो शिक्षा के क्षेत्र में 500 पद मेरे विधान सभा क्षेत्र में रिक्त चल रहे थे जिसके बारे में मैंने पिछली बार माननीय सदन के माध्यम से सूचना ली थी तो इस एक वर्ष के कार्यकाल में 231 अध्यापकों के रिक्त पद मेरे विधान सभा क्षेत्र में भरे गए हैं जिसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी और शिक्षा मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं। माननीय मुख्य मंत्री जी अपने प्रवास के दौरान पधर में एक अग्निशमन केन्द्र के लिए घोषणा की थी, उसके लिए मैं इनका धन्यवाद करना चाहता हूं।

जारी जे0के0 द्वारा-------

03.03.2020/1820/जेके/एचके/1

श्री जवाहर ठाकुरः----**जारी**-----

अध्यक्ष महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र में 500 के करीब जो पिछली बार मैंने यहां माननीय सदन के माध्यम से सूचना ली थी, शिक्षा के क्षेत्र में लगभग 500 रिक्त पद मेरे विधान सभा क्षेत्र में रिक्त चल रहे थे लेकिन एक वर्ष के कार्यकाल में जो 231 अध्यापकों के रिक्त पद वहां भरे गए हैं, उसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री व शिक्षा मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय ने अपने दौरे के दौरान पद्धर में एक अग्निशमन केन्द्र की घोषणा की थी, मैं उसके लिए भी मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं क्योंकि वह वहां खुल गया है और 17 पोस्टें वहां के लिए सेंक्शन की गई हैं ।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपका भी धन्यवाद करना चाहता हूं। आपके पास पिछली बार स्वास्थ्य विभाग था, पी.एच.सी. बरोट और पी.एच.सी. नगवाईं को अपग्रेड करके 50-50 बिस्तर का नागरिक अस्पताल मंजूर किया गया है । पद्धर में हर्डगलू नामक स्थान पर जो मुख्य मंत्री

लोक भवन है उसका टैंडर हो चुका है, जगह हमने उपलब्ध करवा दी है और मुझे लगता है कि उसका भी काम शुरू होने वाला है। इसके अलावा मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक हैलीपैड बनाने की घोषणा की गई थी, उसका भी हम बहुत जल्दी काम शुरू कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, मंडी का होने के नाते माननीय मुख्य मंत्री महोदय का मैं धन्यवाद करना चाहता हूं कि मंडी में अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का जो उन्होंने सपना देखा, जिसके बारे में मंडी के लोगों ने सपने में भी नहीं सोचा था, माननीय मुख्य मंत्री जी उसके लिए पूरा प्रयास कर रहे हैं। मंडी जो हिमाचल प्रदेश का केन्द्र है, वहां पर इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनने से पूरे प्रदेश में टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा और आम आदमी को भी आने-जाने के लिए सस्ती दर पर हवाई सेवाएं उपलब्ध होंगी।

03.03.2020/1820/जेके/एचके/2

अध्यक्ष महोदय, केन्द्र से हिमाचल प्रदेश को बैस्ट होर्टिकल्चर अवार्ड मिला है। भारत मिशन और उच्च प्राथमिक शिक्षा में भी हमारी सरकार को केन्द्र से लगभग 6 ईनाम मिले हैं। उसके लिए भी मैं मुख्य मंत्री और शिक्षा मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं। "प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि" योजना के अंतर्गत किसानों को 21 जनवरी, 2020 तक 597 करोड़ रुपये की वित्तीय मदद हिमाचल प्रदेश में दी है उसके लिए भी मैं उनका बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहता हूं। "आयुष्मान भारत योजना" के तहत 22 लाख लोगों को लाभ मिला है।

अध्यक्ष महोदय, चाहे धारा 370 है या राम जन्म भूमि की बात है, बहुत ही ऐतिहासिक निर्णय केन्द्र सरकार ने लिए हैं, उसके लिए भी हम केन्द्र सरकार का धन्यवाद करना चाहते हैं। मैं समझता हूं, मेरा जो राजनीतिक अनुभव है, पिछले डेढ़ वर्षों में माननीय मुख्य मंत्री जी पहली बार ऐसे मुख्य मंत्री बने हैं जो पूरे प्रदेश में 68 के 68 विधान सभा क्षेत्रों में कहीं एक बार तो कहीं दो बार गए हैं और उसी का नतीजा है कि पिछली बार लोकसभा के

चुनाव में चारों सीटें हिमाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने जीती हैं। इसका श्रेय आदरणीय नरेंद्र भाई मोदी जी के साथ प्रदेश के मुख्य मंत्री श्री जय राम जी की कल्याणकारी योजनाओं को भी जाता है और उसी की वजह से हमने बहुमत से यहां पर सीटें जीतीं हैं।

अध्यक्ष महोदय, आज यहां कुछ लोग कह रहे थे, छोटे भाई काजल ने बार-बार जिक्र किया, कांगड़ा हिमाचल प्रदेश का सबसे बड़ा जिला है और दूसरे नम्बर पर मण्डी जिला आता है। मण्डी को आप लोगों के आशीर्वाद से, पूरे प्रदेश के लोगों के आशीर्वाद से 70 साल बाद यदि मुख्य मंत्री मिला है,

श्री एस0एस0 द्वारा जारी--

03.03.2020/1825/SS-HK/1

श्री जवाहर ठाकुर क्रमागत :

तो मैं समझता हूं कि उसका आप सब लोगों को समर्थन करना चाहिए। मैं इस प्रदेश के असली मुख्य मंत्री, श्री जय राम ठाकुर जी से कहना चाहता हूं कि ये लोग पहाड़ों में रहने वाले हैं। मैं समझता हूं कि जहां हमारा दरंग का क्षेत्र है, सिराज का क्षेत्र है या चम्बा व शिमला का पहाड़ी क्षेत्र है, जहां अभी विकास नहीं हो पाया है वहां विकास की किरण श्री जय राम ठाकुर जी के आने के बाद आनी शुरू हुई है। यह पहली बार हुआ है। इसलिए हम सब लोगों को इसका समर्थन करना चाहिए।

मैं एक बार फिर अपने सामने वाले भाइयों को कहना चाहता हूं कि आने वाले समय में आपका गांधी जी के नाम पर या दलितों के नाम पर दोबारा सत्ता में आना बहुत मुश्किल है। आने वाले समय में आप गांधी जी के नाम पर निर्भर न रहें, अब गांधी का नाम सिर्फ गांधी जी रह गया है और आप लोग गांधी जी के नाम से नहीं चलने वाले हैं।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं एक बार फिर धन्यवाद करता हूं क्योंकि समय का अभाव है। मुझे डर लगता है और बार-बार घंटी बजना मैं अच्छा नहीं समझता हूं। किसी बात के लिए यदि अध्यक्ष महोदय कह दें और उसके बाद अगर हम उसका अनुसरण न करें तो वह मुझे

अच्छा नहीं लगता। यहां पर माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा जो अभिभाषण दिया गया, उसमें बलबीर सिंह जी ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया, जिसका श्री राकेश जम्वाल जी ने अनुसमर्थन किया, मैं भी उसका पुरजोर समर्थन करता हूं।

मैं एक बात कहना भूल गया, जैसे मैंने कहा कि मेरा विधान सभा क्षेत्र बहुत पिछड़ा हुआ क्षेत्र है। मैं माननीय मुख्य मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहूंगा कि पधर में एक सिविल कोर्ट का खोला जाना अति आवश्यक है। क्योंकि या तो हमको जोगिन्द्रनगर जाना पड़ता है या फिर मंडी जाना पड़ता है जिससे दूर-दराज के लोगों को बहुत कठिनाई व असुविधा होती है। इसलिए आने वाले समय में पधर में सिविल कोर्ट का खोला जाना अति आवश्यक है। हमारी एक ही मांग रही है। पिछली बार माननीय मुख्य मंत्री महोदय जी ने कहा था और लोग चाहते हैं कि टिक्कन में एक पुलिस चौकी खोली जानी आवश्यक है क्योंकि बरोट में

03.03.2020/1825/SS-HK/2

गर्मियों में बहुत ज्यादा टूरिस्ट्स जाता है और ऐसे भी हमारा पिछड़ा हुआ क्षेत्र है, वहां पहले खेती-बाड़ी का बहुत बड़ा प्रचलन था इसलिए मैं चाहूंगा कि बहुत जल्दी टिक्कन में भी एक पुलिस चौकी खोली जाए।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा न कहता हुआ आपका एक बार फिर धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। जय हिन्द।

अध्यक्ष : अब इस मान्य सदन की बैठक बुधवार, दिनांक 04 मार्च, 2020 के 11.00 बजे पूर्वाह्न तक स्थगित की जाती है। सभी का धन्यवाद।

शिमला-171 004 **यशपाल शर्मा,**
दिनांकः 3 मार्च, 2020 **सचिव ।**